खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । शुक्रवार, 05 दिसंबर, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-332

ऊँट किस करवट बैठेगा?

महेश बैंक चुनाव 2025 में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई), ग्राफिक्स और कार्टून द्वारा दोनों ही पैनल (संस्थापक और फाउंडर) न केवल एक-दूसरे पर हाईटेक हमले कर रहे हैं, बल्कि अंशधारकों के दिमाग़ में अपनी बात बिठाने का भरसक प्रयास भी कर रहे हैं। हालाँकि सरलता से लोगों तक अपना संदेश पहुँचाने के इन कारगर माध्यमों का युवाओं के मन- मस्तिष्क पर भले ही प्रभाव दिखे , लेकिन अंशधारकों को अभी तक यह समझ नहीं आया कि 300 करोड़ का कथित गबन होने के बाद भी बैंक चल कैसे रहा है? और तो और चार-चार बार आरबीआई की आंतरिक जाँच में भी क्लीन चिट क्यों दे दी गयी? गौर करने वाली बात यह भी है कि मात्र एक लाख की हेराफेरी भी हो तो आरबीआई के दिशा-निर्देशानुसार पुलिस में एफआईआर जरुरी होती है और बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में भी उसका उल्लेख जरूरी है, किन्तु पूरे पाँच साल में ऐसा कोई उदाहरण नहीं दिखा। अंशदाताओं ने भी कोई आपत्ति नहीं जताई। ऐसे में सच क्या है, यह तो राम जाने।

महेश बैंक चुनाव 2025

अंशधारक अभी भी दोराहे पर खड़े हैं, उन्हें समझ नहीं आ रहा है कि वे किसे चुनें? दोनों ही पैनलों में एक से बढ़कर एक उम्मीदवार तो है, लेकिन बैंकिंग क्षेत्र का अनुभव सभी को नहीं है। उन्हें यह आशंका सता रही है कि यदि उन्होंने किसी एक पैनल को चुना तो कई अनचाहे लोग भी आ सकते हैं और खिचड़ी सरकार हुई तो स्थिति पहले से भी भयंकर हो सकती है। दुविधा में फँसे अंशधारकों की पैनी नजर दोनों ही गुटों पर बनी हुई हैं। एक बात और भी है कि इस बार राजस्थानी समाज में विवाह का सीजन पीक पर होने के चलते मतदान में कमी आई तो नतीजों को लेकर चल रहे सारे कयास धरे के धरे रह जाएंगे। पिछली बार 36,000

में से केवल 13,000 के आस-पास ही पोलिंग हुई थी। यदि यह आँकडा 11,000 से भी घटा तो जिस पैनल के पाले में इतर समाज के वोट और जिसका जन संपर्क अच्छा होगा, उसका पलडा भारी रहेगा। समाज के वोटों का बंटना तय है, ऐसे में ऊँट किस करवट बैठेगा, यह कोई नहीं बता सकता।

बैंक की स्थापना से लेकर अब तक जितने भी चेयरमैन व डायरेक्टर आए, सभी ने शेयर कैपिटल बढ़ाने के लिए समय-समय पर माहेश्वरी समाज के अलावा अन्यों को भी शेयरहोल्डर बनाया। चूँकि संस्थापक पैनल लगातार सत्ता में रहा तो स्वाभाविक है कि उनकी टीम द्वारा बनाये गये अंशधारक ही अधिक होंगे। 7 दिसंबर को दोनों पैनलों में से जो अधिक मतदाताओं को मतदान केन्द्रों तक खींचकर लाएगा, वही बाजी मार ले जाएगा।

राष्ट्रपति पुतिन दो दिन की भारत यात्रा पर दिल्ली पहुंचे

भारत-रूस के रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस के प्रेसिडेंट व्लादिमीर पुतिन गुरुवार शाम को दो दिन के स्टेट विज़िट पर नई दिल्ली पहुंचे। यह विज़िट लगभग आठ दशक पुरानी इंडिया-रूस पार्टनरशिप को और बढ़ाएगी। नई दिल्ली के पालम एयरपोर्ट पर प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी ने रशियन लीडर को गले लगाकर रिसीव किया और इंडिया में उनका गर्मजोशी से वेलकम किया। इसके बाद, दोनों लीडर एक ही कार में सफ़र करके 7 लोक कल्याण मार्ग पहुंचे, जो प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी का ऑफिशियल घर है। मोदी ने पुतिन के लिए एक प्राइवेट डिनर भी होस्ट किया, जो पिछले साल जुलाई में मॉस्को विज़िट के दौरान इंडियन प्राइम मिनिस्टर द्वारा की गई मेहमाननवाज़ी के बदले में था।

भारत-यूएस रिश्तों में तेज़ी से आ रही गिरावट के बैकग्राउंड में हो रही रशियन लीडर की नई दिल्ली विज़िट ज़्यादा इंपॉर्टेंस रखती है। समिट के बाद, दोनों पक्षों के ट्रेड के एरिया सहित कई एग्रीमेंट पर साइन करने की उम्मीद है। शुक्रवार सुबह, समिट से पहले पुतिन का प्रेसिडेंट भवन में सेरेमोनियल वेलकम किया जाएगा।

पी एम मोदी समिट की जगह हैदराबाद हाउस में रूसी लीडर और उनके डेलीगेशन के लिए वर्किंग लंच भी होस्ट करेंगे। मामले से जुड़े लोगों के मुताबिक, पुतिन सुबह राजघाट भी जाएंगे। समिट के बाद, पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे। रूसी लीडर के शुक्रवार रात करीब 9 बजे भारत छोड़ने की उम्मीद है। समिट के बाद,

प्रोटोकॉल को तोड़ते हुए दोस्त पुतिन को रिसीव करने पहुँचे पीएम मोदी

एक ही कार से हुए रवाना, प्रधानमंत्री आवास में रखा गया है प्राइवेट डिनर

पुतिन के दौरे से सेना को मिलेगी डबल ताकत

एस-500 से लेकर एसयू -57 और एडवांस ब्रहोस पर होगी बातचीत

पुतिन रूस के सरकारी ब्रॉडकास्टर का नया इंडिया चैनल लॉन्च करेंगे, जिसके बाद वह प्रेसिडेंट द्रौपदी मुर्मू द्वारा उनके सम्मान में रखी गई सरकारी दावत में शामिल होंगे। समिट की बातचीत में, नई दिल्ली से उम्मीद है कि वह भारत द्वारा रूस से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल खरीदने से बढ़ते ट्रेड डेफिसिट को दूर करने पर ज़ोर देगा। रूस के प्रेसिडेंट का भारत दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब वॉशिंगटन के भारतीय सामान पर 50 परसेंट का भारी टैरिफ लगाने के बाद भारत-यूएस के रिश्ते शायद पिछले दो दशकों के सबसे बुरे दौर से गुज़र रहे हैं, जिसमें नई दिल्ली के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 परसेंट लेवी भी शामिल है। समिट में भारत के रूसी कच्चे तेल की खरीद पर अमेरिकी प्रतिबंधों के असर पर चर्चा होने की संभावना है। क्रेमलिन के स्पोक्सपर्सन दिमित्री पेसकोव ने मंगलवार को कहा कि पश्चिमी देशों के प्रतिबंधों को देखते हुए नई दिल्ली की रूस से कच्चे तेल की खरीद ङ्गङ्गथोड़े समयङ्गङ्ग के लिए कम हो सकती है, लेकिन साथ ही, उन्होंने कहा कि मॉस्को सप्लाई बढ़ाने के लिए कदम उठा रहा है।

समिट में, पुतिन से प्रधानमंत्री मोदी को यूक्रेन विवाद को खत्म करने के लिए अमेरिका की नई कोशिशों के बारे में बताने की उम्मीद है। भारत लगातार यह कहता रहा है कि युद्ध खत्म करने के लिए बातचीत और डिप्लोमेसी ही एकमात्र रास्ता है।

मोदी-पुतिन की बातचीत के बाद, दोनों पक्षों के बीच कई एग्रीमेंट होने की उम्मीद है, जिसमें एक एग्रीमेंट भारतीय वर्कर्स के रूस आने-जाने को आसान बनाने पर और दूसरा डिफेंस कोऑपरेशन के बड़े फ्रेमवर्क के तहत लॉजिस्टिक सपोर्ट पर होगा। पता चला है कि ट्रेड बास्केट के तहत, फार्मा, एग्रीकल्चर, फूड प्रोडक्ट्स और कंज्यूमर गुड्स के एरिया में रूस को भारतीय एक्सपोर्ट में काफी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है। यह कदम रूस के पक्ष में बढ़ते ट्रेड डेफिसिट को लेकर नई दिल्ली की चिंताओं के बीच उठाया गया है।

भारत खुशकिस्मत, उसके पास मोदी हैं: पुतिन

भारत-रूस सहयोग किसी के खिलाफ निर्देशित नहीं, राष्ट्रीय हित ही सर्वोपरि

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि भारत-रूस सहयोग किसी भी देश के खिलाफ निर्देशित नहीं है और इसका एकमात्र उद्देश्य दोनों पक्षों के राष्ट्रीय हितों की रक्षा करना है। यह बयान वाशिंगटन के नई दिल्ली और मॉस्को के प्रति आक्रामक रवैये की पृष्ठभूमि में आया है।

रूस के साथ भारत के ऊर्जा संबंधों के संदर्भ में, पुतिन ने कहा कि कुछ एक्टर्स मॉस्को के साथ घनिष्ठ संबंधों के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजारों में नई दिल्ली की बढ़ती भूमिका को नापसंद करते हैं और ये तत्व राजनीतिक कारणों से कृत्रिम बाधाएं लगाकर भारत के प्रभाव को सीमित करने का लक्ष्य बना रहे हैं।

एक समाचार चैनल को दिए एक साक्षात्कार में, रूसी राष्ट्रपति ने मॉस्को पर लगे पश्चिमी प्रतिबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि नई दिल्ली के साथ उनके देश का ऊर्जा सहयोग काफी हद तक अप्रभावित रहता है।

पुतिन आज शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ शिखर वार्ता के लिए दो दिवसीय यात्रा पर नई दिल्ली पहुंचे।

उनकी यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है जब भारत-अमेरिका संबंध पिछले दो दशकों में संभवतः सबसे खराब दौर से

गुजर रहे हैं। वाशिंगटन ने भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत तक का भारी शुल्क लगाया है, जिसमें नई दिल्ली द्वारा रूसी कच्चे तेल की खरीद पर 25 प्रतिशत का लेवी शामिल है।

वाशिंगटन के आक्रामक दृष्टिकोण पर एक सवाल के जवाब में रूसी राष्ट्रपति ने कहा, न तो मैंने और न ही प्रधानमंत्री मोदी ने, हमारे सामने आने वाले कुछ बाहरी दबावों के बावजूद, कभी भी अपने सहयोग को किसी के खिलाफ काम करने के लिए अपनाया है।

उन्होंने कहा, राष्ट्रपति ट्रम्प का अपना एजेंडा है, अपने लक्ष्य हैं, जबकि हम अपने पर ध्यान केंद्रित करते हैं - किसी के खिलाफ नहीं, बल्कि भारत और रूस के अपने-अपने हितों की रक्षा के उद्देश्य से।रूस से कच्चा तेल खरीदने पर भारत पर वाशिंगटन की आपत्ति को खारिज करते हुए पुतिन ने कहा कि अगर अमेरिका को रूसी ईंधन खरीदने का अधिकार है, ▶10पर

मुंबई के कॉलेज में बुर्का बैन पर बढ़ा बवाल!

धरने पर बैठी छात्राएं एमआईएम का भी मिला साथ

मुंबई, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

मुंबई के गोरेगांव का विवेक विद्यालय और जूनियर कॉलेज अपने एक फैसले को लेकर फिलहाल चर्चाओं में बना हुआ है। इस फैसले के तहत कॉलेज ने छात्राओं के लिए ड्रेस कोड तय कर दिया है। कॉलेज प्रशासन ने एक आदेश जारी कर कक्षाओं में बुर्का, नकाब और चेहरे ढकने वाले अन्य परिधानों पर प्रतिबंध लगाने का फैसला किया है। प्रशासन के इस फैसले का अब जमकर विरोध हो रहा है। छात्राओं ने कॉलेज के ▶10पर

भारत-रूस ने कहा, हमारे संबंध विश्वसनीयता, साझा मूल्यों व सम्मान की मजबूत नींव पर स्थित

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत और रूस ने एक बार फिर दोहराया कि दोनों देशों के आपसी संबंध विश्वसनीयता, साझा मूल्यों और पारस्परिक सम्मान की मजबूत नींव पर खड़े हैं। यह बात गुरुवार को दोनों देशों के रक्षा मंत्रियों की एक महत्वपूर्ण बैठक में कही गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और रूस के रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित मानेकशॉ सेंटर में मुलाकात की। दोनों ने 22वें भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग-सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग की बैठक की संयुक्त अध्यक्षता की। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच होने वाले 23वें वार्षिक शिखर सम्मेलन से पूर्व आयोजित की गई है। बैठक के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भारत सरकार की

आत्मनिर्भर भारतफ विजन को रेखांकित किया। उन्होंने इस विजन के अनुरूप देश की स्वदेशी रक्षा उद्योग क्षमता को बढ़ाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

राजनाथ सिंह ने भारतीय सशस्त्र बलों के लिए रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात को प्रोत्साहित करने पर बल दिया। इसके लिए उन्होंने दोनों देशों के बीच अत्याधुनिक एवं विशिष्ट प्रौद्योगिकियों में सहयोग बढ़ाने के नए अवसरों पर जोर दिया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि रूसी रक्षा मंत्री आंद्रेई बेलौसोव ने भारत-रूस संबंधों को और गहरा करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच कई दशकों से चली आ रही मित्रता और रणनीतिक साझेदारी आपसी भरोसे का प्रतीक है।

उन्होंने यह भी आश्वस्त किया कि रूसी रक्षा उद्योग भारत को रक्षा उत्पादन के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनने में पूरा सहयोग देने के लिए तैयार है। इसके साथ ही, उन्होंने राजनाथ सिंह को वर्ष 2026 में रूस में आयोजित होने वाले भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग – सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग के 23वें सत्र की सह-अध्यक्षता के लिए आमंत्रित भी किया। ▶10पर

वीजा जारी करना किसी सरकार का संप्रभु अधिकार होता है : जयशंकर

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को राज्यसभा में कहा कि वीजा जारी करना किसी सरकार का संप्रभु अधिकार होता है और अमेरिका अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले प्रभावों के आकलन के आधार पर वीजा पर निर्णय लेने का अधिकार रखता है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका ने हाल ही में कई घोषणाएं की हैं। इनमें नवीनतम घोषणा बुधवार को की गई जिसमें वीजा संबंधी निर्णय को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा निर्णय बनाया गया है। उल्लेखनीय है कि जयशंकर की यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा अपनी वीजा जांच प्रणाली को सख्त करने को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच आई है। इसमें आवेदकों के इंटरनेट मीडिया अकाउंट्स की जांच भी शामिल है। इस कदम से भारतीय आवेदकों पर भी असर पड़ने की संभावना है। जयशंकर ने उच्च सदन को बताया, ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

अर्थव्यवस्था में तेजी, फिर भी डॉलर के मुकाबले कमजोर पड़ रहा रुपया

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारतीय रुपया पहली बार डॉलर के मुकाबले 90 रुपये के निम्नतम स्तर को पार कर गया है। रुपए 3 दिसंबर 2025 को 90.19 रुपये पर बंद होने से पहले 90.30 रुपये के निचले स्तर पर पहुँच गया। यह हाल के दिनों में लगातार तीसरा निम्नतम स्तर है। भारतीय रुपया 2025 में सबसे खराब प्रदर्शन करने वाली एशियाई मुद्राओं में से एक रहा है, जिसमें लगभग 4-5% की गिरावट आई है।

यह गिरावट अचानक नहीं आई है। 2 दिसंबर को 89.9475 रुपए प्रति डॉलर से और 1 दिसंबर को 89.76 रुपए प्रति डॉलर के बाद तीसरे दिन लगातार 90 रुपए प्रति डॉलर का मनोवैज्ञानिक गिरावट दर किया गया। भारतीय रिजर्व बैंक ने अत्यधिक अस्थिरता को रोकने के लिए जून और अक्टूबर के बीच लगभग 30 बिलियन डॉलर की यूएसडी बिक्री करके स्थिति सुधारने की कोशिश की थी।

रुपे में आई ऐतिहासिक गिरावट के बाद विपक्ष को भी बोलने का मौका मिल गया। विपक्षी पार्टियों और मोदी विरोधियों ने मोदी सरकार पर हमला करने और उस पर बड़े पैमाने पर फाइनेंसियल मिसमैनेजमेंट का आरोप लगाया। मोदी के विरोधी डॉलर के मुकाबले रुपये की गिरावट को सरकार की नाकामी के तौर पर दिखाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे बेरोजगारी, महँगाई बढ़ने और मोदी के नेतृत्व में निवेशकों का भरोसा कम होने की आशंका जता रहे हैं।

लेकिन आर्थिक हालात का ऐसा मतलब निकालना बेईमानी है और यह सरकार को टारगेट करने की रणनीति है, न कि इंडियन इकॉनमी और करेंसी को लेकर असली चिंताओं पर बात करने की। क्योंकि बाहरी कारकों को समझे बिना हालात को ठीक से समझना मुश्किल है। दरअसल भारतीय रुपये की कमजोरी पूरी तरह से घरेलू वजहों या पॉलिसी की गलतियों की वजह से नहीं है, बल्कि यह काफी हद तक ग्लोबल मुश्किलों और स्ट्रक्चरल ट्रेड इम्बैलेंस की वजह से है। ▶10पर

शेयर मार्केट

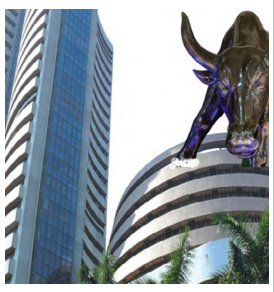

बीएसई : 85,265.32
+158.51 (0.19%) ↑

एनएसई :26,033.75
47.75 (0.18%) ↑

हमारा लक्ष्य दानवीर बनना होना चाहिए: साध्वी भव्यगुणाजी

होसूर/शुभ लाभ ब्यूरो। विहाररत साध्वी भव्यगुणाजी ने फतेह स्टोन फैक्ट्री में सेवा में आये श्रावकजनों को संबोधित करते हुए कहा कि दान की महिमा अपरम्पार है। जो धन को छोड़ देता है वह दाता कहलाता है और जो छोड़ नहीं पाता वह मम्मण कहलाता है। हमारा लक्ष्य दानवीर बनना होना चाहिए। धन के प्रति आसक्ति के कारण व्यक्ति दान देने से वंचित होने के साथ यह उसके दुर्गति का कारण भी बन जाता है। दान देने से लक्ष्मी बढ़ती है। हम किसी भी प्रकार के पुण्य का सहारा लेकर अपने जीवन को धन्य कर सकते हैं। उन्होंने विभिन्न कथाओं के माध्यम से बताया कि किस तरह दान देने के भाव बनते है। श्रावक के चार धर्म दान, शील, तप और भाव के माध्यम से भी दान की महिमा समझ सकते है। दीपावली पर हम बही खाते लिखते समय शालिभद्र वाली रिद्धी की कामना करते है मम्मण सेठ वाली रिद्धी नहीं मांगते है। ऐसी रिद्धी की कामना आसक्ति रहित दान से ही पूर्ण हो सकती है। साध्वीवृंद ने कहा कि धन के रूप में परिग्रह एकत्रित करना दुर्गति का कारण बनता है। धन मेहनत से नहीं पुण्य से कमाया जाता है। हमे यदि धन की प्राप्ति हुई और सुख सुविधाएं मिली है तो वह पुण्य से मिली है। भविष्य में भी यदि धन की प्राप्ति करना चाहते हैं तो पुण्य को बढ़ाना होगा। पुण्य से लेकर पाप करने लगे तो पुण्य नाराज हो जाएगा और हमारी सुख व समृद्धि चली जाएगी। हम चाहते है अपना राज चलता रहे और कोई हमसे नाराज नहीं हो तो अपने पुण्य को खुश रखो। साध्वी शीतलगुणा ने हमेशा दान करने और किसी को खाली हाथ नहीं भेजने की प्रेरणा देते हुए कहा कि हमारे घर कोई मांगने आया है चाहे वह व्यक्ति हो या पशु उसे खाली हाथ नहीं जाने दे और ये ध्यान रखे कि वह कुछ लेकर ही जाए। यदि वह खाली हाथ जाएगा तो हमे प्रत्यक्ष लगेगा कुछ नहीं ले गया लेकिन मांगने पर तो जो देंगे वह ले जाएगा। अन्यथा वह हमारे पुण्य लेकर जाएगा। देने से कभी धन कम नहीं होता बल्कि पुण्य की अभिवृद्धि होने से लक्ष्मी बढ़ती जाती है। गौतम देना सीख गए तो लब्धि सम्पन्न बन गए। हमे भी गौतम जैसा लब्धि सम्पन्न बनना है तो दान देना सीखना होगा। विहार सेवा का लाभ निखिल, नम्रता कुंकुलोल, किर्ती जैन, मनिषा, लिचि कुंकुलोल, नितेश ओसवाल, विरेन्द्र शर्मा ने लिया।

बेंगलूरु में 28.75 करोड़ का एमडीएमए और हाइड्रो गांजा जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। बेंगलूरु में नए साल के जश्न से पहले एक बड़ी कार्रवाई में, केंद्रीय अपराध शाखा की मादक द्रव्य विरोधी शाखा ने अलग-अलग घटनाओं में 10.36 किलोग्राम से अधिक एमडीएमए क्रिस्टल और 8 किलोग्राम हाइड्रो गांजा जब्त किया, जिनकी कुल कीमत 28.75 करोड़ है। दो विदेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया गया। विशिष्ट खुफिया जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, सीसीबी अधिकारियों ने संपिगेहल्ली में पी एंड टी लेआउट में एक घर पर छापा मारा। उन्होंने त्योहारी सीजन के दौरान बिक्री के लिए एमडीएमए का स्टॉक करने के आरोप में तंजानिया की 25 वर्षीय नैन्सी ओमेरी लावा को गिरफ्तार किया। उस पर एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था। टीम ने 18.5 करोड़ मूल्य के 9 किलो 254 ग्राम एमडीएमए क्रिस्टल, एक मोबाइल फोन और अन्य आपत्तिजनक सामग्री जब्त की। अधिकारियों के मुताबिक, लवा 2023 में टूरिस्ट वीजा पर दिल्ली आया था। बाद में वह बेंगलूरु चली गईं जहां उन्होंने हेयर स्टाइलिस्ट के रूप में काम किया। एक जांच से पता चला कि वह दिल्ली और अन्य स्थानों से एमडीएमए लेती थी, और इसे बेंगलूरु में ज्ञात ग्राहकों को उच्च दरों पर बेचती थी। सिद्दापुरा पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत एक अलग ऑपरेशन में, सीसीबी अधिकारियों ने लालबाग साउथ गेट पर बास्केटबॉल कोर्ट के पास ड्रग्स की तस्करी करते हुए 28 वर्षीय इमैनुएल अरिन्जे नामक एक नाइजीरियाई को गिरफ्तार किया। सीसीबी अधिकारियों ने उसके पास से 2.25 करोड़ मूल्य के 1 किलो 115 ग्राम एमडीएमए क्रिस्टल जब्त किए। जांच से पता चला कि आरोपी 2021 में बिजनेस वीजा पर भारत आया था। उसे फरवरी 2024 में गो-विंदपुरा पुलिस ने एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया था। अप्रैल 2025 में जेल से रिहा होने के बाद उसने नशीली दवाओं की तस्करी फिर से शुरू कर दी। कथित तौर पर उसने दिल्ली, गोवा और अन्य विदेशी पेडलर्स से एमडीएमए मंगवाया। पुलिस उसके साथी का पता लगाने की कोशिश कर रही है जो विदेशी है। तीसरे ऑपरेशन में, सीमा शुल्क अधिकारियों से मिली सूचना के आधार पर, सीसीबी नारकोटिक्स विंग ने विदेशी डाकघर, चामराजपेट में पार्सल से 8 करोड़ मूल्य का 8 किलोग्राम हाइड्रो गांजा जब्त किया। प्रतिबंधित पदार्थ को व्यवस्थित रूप से चाय की थैलियों में छुपाया गया था और बेंगलूरु में डिलीवरी के लिए विदेशी स्रोतों से भेजा गया था। मामला दर्ज कर लिया गया है और पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है। बेंगलूरु के पुलिस आयुक्त सीमांत कुमार सिंह ने सीसीबी टीम के काम की सराहना की और 50,000 के नकद पुरस्कार की घोषणा की।

व्यापारी के घर चोरी में परिचित गिरफ्तार: 1.14 करोड़ नकद, आभूषण जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। हेब्बागोडी पुलिस ने एक व्यवसायी के घर के सामने के दरवाजे का ताला तोड़कर भागने वाले दो परिचितों को गिरफ्तार किया और 1.14 करोड़ नकद, एक सोने की चेन और 2 लाख की कार जब्त की। चिक्कपेट के एक कपड़ा व्यवसायी और सुंकादाकट्टे निवासी श्रीनिवास मूर्ति (39) और चिक्कागोल्लारहट्टी निवासी इलेक्ट्रीशियन अरुण कुमार (39) को गिरफ्तार किया गया। सुनीलकुमार हुलिमंगला गांव के एक अपार्टमेंट में रहते हैं और बोमसंद्रा में एक फैक्ट्री के उप निदेशक हैं। इसके अलावा शनिवार और रविवार को शहर जाकर सब्जी का व्यापार करते हैं। आरोपी श्रीनिवासमूर्ति सुनीलकुमार को पिछले पांच साल से जानता है और उसे सुनीलकुमार के वित्तीय मामलों के बारे में पता चल गया था। 8 नवंबर को जब सुनीलकुमार अपने परिवार के साथ कोलार गए थे, तभी चोर उनके घर के सामने वाले दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर घुस गए और अलमारी से पैसे और गहने चुराकर भाग गए। जब कोलार से व्यापारी का परिवार घर आया तो उन्होंने चोरी की सूचना पुलिस को दी। मामला दर्ज कर जांच करने के बाद पुलिस ने विभिन्न आयामों से जानकारी जुटाई और नयनदहल्ली सर्कल के पास से दो लोगों को हिरासत में लिया और उनसे पूछताछ की। उसने बताया कि उसके घर में चोरी हुई है। चोरी किए गए पैसों में से 93 लाख, 16 ग्राम सोने की चेन और अपराध में इस्तेमाल की गई कार को चिक्कीगोल्लारहट्टी में आरोपी अरुण कुमार के घर से बरामद किया गया। इसी तरह, इंस्पेक्टर सोमशेखर और उनकी टीम ने एक अन्य आरोपी श्रीनिवासमूर्ति से चिक्कपेट में एक कपड़े की दुकान में रखे 7 लाख, बैंक में जमा 7 लाख और जिगनिया के दोस्त को दिए गए 7 लाख रुपये बरामद करने में सफलता हासिल की।

प्याज की बोरियों में भरकर ले जाई जा रही 1.75 करोड़ की चंदन की लकड़ी जब्त

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। शहर पुलिस ने तीन चंदन चोरों को गिरफ्तार किया और 1.75 करोड़ रुपये की लाल चंदन की लकड़ी और चार वाहन जब्त किए। बन्नेरघट्टा मुख्य सड़क पर गोटीगेरे झील के पास एक कार में लाल चंदन की लकड़ी के टुकड़ों के अवैध भंडारण के बारे में एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए, पुलिस ने मौके पर जाकर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया और कार के साथ 95 किलोग्राम लाल चंदन जब्त किया। लंबी पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसने अपने साथियों के साथ मिलकर आंध्र प्रदेश के कडप्पा जिले के एक व्यक्ति से कम कीमत पर लाल चंदन खरीदा था और इसे तमिलनाडु और कर्नाटक में ऊंचे दाम पर बेच रहा था। आरोपी द्वारा दी गई जानकारी के आधार पर, इंस्पेक्टर कुमारस्वामी और उनकी टीम ने तमिलनाडु के चिन्नाकांडिली गांव में लाल चंदन जब्त की। एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए कि लाल चंदन को एकत्र किया जा रहा था और बुलेरो वाहन में ले जाया जा रहा था, आरटी नगर पुलिस स्टेशन ने एक अभियान चलाया और केएचएम ब्लॉक के प्याज के खेत में दो लोगों को गिरफ्तार किया और 75.4 लाख मूल्य के 754 किलो 200 ग्राम लाल चंदन के टुकड़े जब्त किए। आरोपी आंध्र प्रदेश राज्य के रहने वाले हैं और पुलिस जांच से पता चला है कि ये दोनों बिना किसी नौकरी के जीविकोपार्जन के लिए पैसे कमाने के लिए आंध्र के मदनपल्ली के सुंडेपल्ली इलाके से रक्त चंदन की लकड़ी के टुकड़े चुराने के लिए शहर आए थे।

राज्य डेटा सेंटर उद्योग के विकास में सहायता के लिए नीतिगत सुधारों पर विचार कर सकता है: प्रियांक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। ग्रामीण विकास मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि कर्नाटक सरकार, अगर जरूरत पड़ी तो, राज्य में डेटा सेंटर इंडस्ट्री की ग्रोथ को सपोर्ट करने और बेंगलूरु को ग्लोबल डेटा सेंटर हब के तौर पर स्थापित करने के लिए कुछ नीतिगत सुधार कर सकती है। 8वें स्मार्ट डेटासेंटर और क्लाउड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉन्क्लेव 2025 में बोलते हुए, उन्होंने उद्योग के लोगों को खास सुझाव देने के लिए आमंत्रित किया, और वादा किया कि सरकार कर्नाटक को सबसे ज्यादा आकर्षक बनाने और बेंगलूरु को डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर का हब बनाने के लिए कोई भी पॉलिसी बदलाव करने को तैयार रहेगी। उन्होंने कहा, एआई, एनालिटिक्स, डेटा सेंटर, साइबर सिक्योरिटी, डीप टेक और हर उस चीज के लिए जो सस्टेनेबल और उभरती हुई है, कर्नाटक सबसे सही जगह है। खड़गे ने टेक्नोलॉजी में इनोवेटिव और सस्टेनेबल काम को सपोर्ट करने के राज्य की प्रतिबद्धता को दो-हराया। उन्होंने निवेशकों से कहा हम इंडस्ट्री स्टैंडर्ड सस्टेनेबिलिटी मेट्रिक्स को भी अपनाएंगे और, इससे भी जरूरी बात, हम उनसे आगे जाएंगे।

आश्रितों को 4.38 करोड़ का मुआवजा

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक राज्य सड़क परिवहन निगम (केएसआरटीसी) ने कर्नाटक में दुर्घटना और मेडिकल कारणों से मरने वाले कर्मचारियों के परिवारों को कुल 4.38 करोड़ का मुआवजा दिया। परिवहन मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने बेंगलूरु में केएसआरटीसी के सेंट्रल कार्यालय में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सारिगे सुरक्षा दुर्घटना बीमा योजना के तहत, ड्यूटी के बाहर हुए दुर्घटना और बिजली के झटके से मरने वाले तीन कर्मचारियों के परिवारों को 1 करोड़ के चेक दिए गए। इसके साथ ही, केएसआरटीसी ने अब तक 42 कर्मचारियों के परिवारों को 42 करोड़ दिए हैं। मंत्री ने कॉर्पोरेशन के नए कमर्शियल मैनेजमेंट सिस्टम, ई-वाणिज्य को भी सॉफ्ट-लॉन्च किया। ई-वाणिज्य एक कमर्शियल मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर है जिसे बस स्टेशनों पर चलने वाली 1,847 कमर्शियल यूनिट्स के लिए बिलिंग, लाइसेंस फीस पेमेंट और जीएसटी प्रोसेसिंग को आसान बनाने के लिए इन-हाउस बनाया गया है।

कल और काल पर अपना वर्चस्व नहीं: श्री नरेश मुनि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्व-ावधान में महावीर भवन में आयोजित प्रवचन में श्री नरेश मुनि जी ने कहा कि जब तक शक्ति, सामर्थ्य, स्वास्थ और सक्षमता अपने वश में है, तब तक अच्छे शुभ कार्य कर लेने चाहिए। कल और काल पर अपना वर्चस्व नहीं है। बाद में तो सिर्फ पछतावा अपने हाथ में आने वाला है। नरेश मुनि जी ने कहा कि हम क्रिया में उलझे नहीं। क्रिया मात्र साधन है। साधना तो भावों से होती है। भाव से ही हम शुभ और अशुभ कर्मों का बंध करते हैं। भाव पर नियंत्रण तो भव नियंत्रण हो सकते हैं। साधना का असर जीवन में दिखना चाहिए और जीवन में शांति रहे इस के लिए हम अपनी इच्छाओं को नियंत्रण में रखें। नवकार मंत्र हमे इच्छाओं का अंत करने का संदेश देता है, इसलिए इसे महामंत्र कहते हैं। इच्छाएं मंद होगी तो जीवन में शांति रहेगी। प्रवचन को प्रारंभ करते हुए शालीभद्र मुनि ने कहा कि हम भगवान को मानते हैं तो भगवान की भी माने। पल पल हमारी उम्र बीत रही है। अपनी मंजिल दूर है। पाप भार की गठरी को फेंक कर हल्के होंगे तो सफर आसान होगा। क्रोध मान से मुक्त हो कर माया और लोभ से स्वयं को बचा लेंगे तो मानव भव सार्थक हो जाएगा। श्री महावीर मेहता ने आगामी 25 जनवरी को लवेश सिंघी के दीक्षा प्रसंग का अलसूर संघ को आमंत्रण दिया। प्रवचन में उपस्थित मुमुक्षु लवेश की वीर माता रचना सिंघी और वीर भ्राता जीतेश सिंघी का अलसूर संघ के अध्यक्ष धनपत राज बोहरा ने स्वागत किया। सभा का संचालन करते हुए संघ मंत्री अभय कुमार बांठिया ने मुनि वृंद का संघ की ओर से स्वागत किया।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। क्षेत्र के नागरिकों द्वारा आयोजित नादहब्बा कार्यक्रम में मुख्य अतिथि महेंद्र मुणोत ने मां भुवनेश्वरी के चित्र पर पुष्प अर्पित करके ध्वजारोहण कर बच्चों में शिक्षण सामग्री वितरित की। साथ ही अपने वक्तव्य में कहा हमें अपनी भाषा एवं संस्कृति पर गर्व है।

गौशाला के लिए एकत्र की खाद्य सामग्री

सुख लालच ही हर नए दुख को देता है जन्म

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो। श्री राजस्थान जैन श्वेताम्बर मूर्ति पूजक संघ के तत्वावधान में स्टेशन मार्ग पर स्थित पार्श्वनाथ जैन मंदिर के प्रांगण में गुरुवार को पूर्णिमा के दिन पार्श्व पूनम रोटी बैंक के तहत खाद्य सामग्री, जिसमें रोटी, गुड़, केले, तरकारी समेत कई चीजें थी, को एकत्रित कर गौशाला भेजा गया। संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ ने कहा सेवा दया क्षमा, शहनशीलता उदारता, अहिंसा आदि विशेष बातों पर केवल भारतीय संस्कृति ही बल देती है, अन्य कोई नहीं। भारत हर विश्व-रंगमंच पर आज भी अपनी पहचान बनाए हुए हैं। जब तक इन तत्वों का अनुशीलन होता रहेगा, हमारी राष्ट्रीयता, सभ्यता और जीवन-मूल्यों को कभी कोई आंच नहीं पहुंचा सकेगा। देश-भक्ति, नम्रता, नैतिकता आदि वे सभी गुण एवं लक्षण जो किसी भी महान संस्कृति की बुनियादी शर्त माने जाते हैं, हमारी संस्कृति में वे सब अपने आरंभ काल से ही पाए जाते हैं। आज भी अपनी संपूर्ण ऊर्जा में ज्यों-के-त्यों बने हैं। यही हमारी शक्ति है, अस्तित्व और जीवंतता का प्रमाण है। इन समस्त आंतरिक और समन्वित ऊर्जाओं के कारण ही विश्वभर की संस्कृतियों में भारतीय संस्कृति अजेय एंव अमर है। समिति सदस्य सचिन जैन ने गौशाला मे सहयोग देने वाले सदस्यों का आभार व्यक्त किया। राजस्थान जैन श्वेतांबर मूर्तिपूजक संघ के ट्रस्टी गौतमचंद कवाड़ समिति सदस्य सचिन जैन, मदन लुंकड़, हसमुख बाफना, इंदरमल बागरेचा, पृथ्वीराज संकलेचा, प्रवीण पालरेचा, मुकेश बाफना, मांगीलाल गादिया, सुरेश बोरा समेत कई सदस्य उपस्थित थे।

सीएम सिद्धरामैया ने वेणुगोपाल से की मुलाकात, हुई अहम बातचीत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। लगातार मुख्यमंत्री बने रहने की चाहत रखने वाले सिद्धरामैया ने मेंगलूरु में एआईसीसी महासचिव केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और महत्वपूर्ण बातचीत की। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के करीबी वेणुगोपाल महत्वपूर्ण राजनीतिक फैसलों के लिए जिम्मेदार हैं। ऐसे में उनका मेंगलूरु में स्वागत करने के लिए अभूतपूर्व संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे थे। बताया जाता है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केसी वेणुगोपाल को बेंगलूरु में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ दो बार नाश्ता बैठक, तर्कों और राय के बारे में बताया। इस महीने की 8 तारीख को मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दोनों सर्वदलीय बैठक करने के लिए दिल्ली जा रहे हैं। उस मौके पर दिल्ली में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे से मुलाकात की संभावना है। बताया जा रहा है कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने केसी वेणुगोपाल से अनुरोध किया है कि वे प्रारंभिक तौर पर राज्य की राजनीति के बारे में आलाकमान को जानकारी दें। हमेशा की तरह वरिष्ठ कांग्रेस नेता बी.के. हरिप्रसाद के नेतृत्व में पिछड़े वर्ग के नेताओं ने केसी वेणुगोपाल से मुलाकात की और सीएम का बदलाव नहीं करने का दबाव डाला। सिद्धरामैया पिछड़े वर्ग के प्रभावशाली नेता हैं। यदि नेतृत्व परिवर्तन हुआ तो अहिन्दा वर्ग कांग्रेस पार्टी से दूर चला जायेगा। उन्होंने चेतावनी दी है कि अगले चुनाव में कांग्रेस अपना महत्वपूर्ण वोट बैंक खो देगी और अस्तित्वहीन हो जायेगी।

कैबिनेट बैठक में विवादित कानूनों पर हुई चर्चा

विधेयकों को विधानमंडल में प्रस्तुत करने के लिए पारित किये जाने की संभावना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कैबिनेट बैठक में कर्नाटक घृणा भाषण और घृणा अपराध निवारण अधिनियम, कर्नाटक मवेशी वध रोकथाम और संरक्षण संशोधन अधिनियम, कर्नाटक सामाजिक बहिष्कार निषेध और उपचारात्मक कानूनों पर चर्चा की गई। विवादित बिलों को इस महीने की 8 तारीख से बेलगावी में शुरू होने वाले शीतकालीन सत्र में पेश करने की तैयारी की जा रही है और कैबिनेट में इस पर अहम चर्चा हुई। हेट स्पीच और हेट क्राइम पर कड़ा कानून बनाया गया है, जिससे कई हिंदू संगठन और बीजेपी समर्थक नेता नाराज हो सकते हैं। इस कानून के खिलाफ पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन शुरू होने की आशंका है। कर्नाटक हिंदू धार्मिक संस्थान और धर्मार्थ बंदोबस्ती विधेयक, कर्नाटक निजी चिकित्सा संस्थान संशोधन विधेयक पर भी चर्चा की गई। इन विधेयकों को विधानमंडल में प्रस्तुत करने के लिए पारित किये जाने की संभावना है। मवेशी वध रोकथाम एवं संरक्षण संशोधन विधेयक से एक और विवाद पैदा होने की आशंका है। इससे पहले बीजेपी

सरकार ने गोहत्या पर लगाम लगाने के लिए सख्त कानून बनाया था। उस मौके पर कांग्रेस पार्टी ने न सिर्फ कड़ी आपत्ति जताई बल्कि अपने घोषणा पत्र में सत्ता में आने पर कानून को सरल बनाने का वादा भी किया। तदनुसार, कैबिनेट ने गोहत्या के अपराधीकरण को सरल बनाने पर चर्चा की। भाजपा के इस महत्वाकांक्षी विधेयक को लेकर कांग्रेस सरकार फिलहाल विवाद में है, जो फिलहाल मुख्यमंत्री बदलने पर पर्दा डालकर विवाद को जन्म दे रही है। ऐसे समय में जब राज्य में सत्ता साझेदारी विवाद पर व्यापक रूप से चर्चा हो रही है, ऐसे आरोप लगे हैं कि विवादास्पद कानूनों को आगे लाया जा रहा है। अन्य कानूनों जैसे मैदानी क्षेत्र विकास बोर्ड, घाटी सुब्रहण्य निर्वाचन क्षेत्र विकास, चामुंडेश्वरी निर्वाचन क्षेत्र विकास प्राधिकरण और अन्य कानूनों पर चर्चा की गई है। साल 2025 में ग्लोबल कैपिटल इन्वेस्टर्स कॉन्फ्रेंस बेंगलूरु के पैलेस ग्राउंड में हुई थी और इसमें 100 करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च हुए थे। कैबिनेट में इसे मंजूरी दे दी गयी है। प्राथमिक कृषि सहकारी समितियों के कम्प्यूटरीकरण के लिए केंद्र सरकार की सहायता के उपयोग के लिए एक निजी फर्म को अनुबंध देने पर भी चर्चा की गई। कर्नाटक अंतर्देशीय पोत नियमों के बारे में विचारों का आदान-प्रदान हुआ। राजीव गांधी स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय की ओर से 452 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से कलबुर्गी, गदग, दावणगेरे, मेंगलूरु, केंगेरी के पास भीमनकुप्पे, बेंगलूरु और मैसूरु में अत्याधुनिक कौशल प्रयोगशालाओं के निर्माण के प्रस्ताव की जांच की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य अभियान योजना के तहत कोप्पल चिकित्सा विज्ञान समिति परिसर में क्रिटिकल केयर ब्लॉक बनाने के लिए 28 करोड़ रुपये खर्च करने की चर्चा की गई है। अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के 19 मोरारजी देसाई आवासीय विद्यालयों को 304 करोड़ रुपये की लागत से अपना भवन बनाने पर चर्चा की गयी है। भेड़-बकरियों को प्रभावित करने वाली अन्य बीमारियों के लिए टीके तैयार करने के लिए हेब्बल में पशु स्वास्थ्य और जीवविज्ञान संस्थान में एक अत्याधुनिक प्रयोगशाला स्थापित करने के लिए 27 करोड़ रुपये प्रदान किए जा रहे हैं। आयुष भारत योजना के तहत 217 करोड़ रुपये की लागत से 334 आयुष स्वास्थ्य केंद्र, 15वें वित्त आयोग अनुदान के तहत 22 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और 80 करोड़ रुपये की लागत से 25 प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बनाने की चर्चा है। फार्मेसी डिप्लोमा उत्तीर्ण एक हजार विद्यार्थियों को विभाग में रिक्त पदों पर टाईफंड आधार पर 11 माह की अवधि के लिए स्वीकृत एवं नियुक्त किया गया है। 108 स्वास्थ्य कवर सेवा के तहत नियुक्त होने वाले आपातकालीन चिकित्सा कर्मियों और ड्राइवरों के लिए न्यूनतम वेतन दर और पिछले सेवा अनुभव पर मूल वेतन तय करने पर चर्चा की गई है, लेकिन प्रति वर्ष एक प्रतिशत, अधिकतम 15 वर्षों की अवधि के लिए 15 प्रतिशत प्रदर्शन वेतन और 10 प्रतिशत प्रोत्साहन राशि दी जाएगी।

असंतुष्ट भाजपा नेताओं ने प्रदेश प्रभारी डॉ. मोहन अग्रवाल से मुलाकात की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
पिछले तीन दिनों से नई दिल्ली में मौजूद असंतुष्ट भाजपा नेताओं ने प्रदेश प्रभारी डॉ. मोहन अग्रवाल से मुलाकात की और बातचीत की। बुधवार देर रात, असंतुष्ट गुट ने नई दिल्ली में राधा मोहन अग्रवाल के आवास पर बैठक की और पार्टी के भीतर मौजूदा घटनाओं पर चर्चा की। विधायक रमेश जारकीहोली, बीपी हरीश, पूर्व सांसद जीएम सिद्धेश्वर, बीवी नाइक, पूर्व मंत्री कुमार बंगारप्पा और अन्य नेताओं ने बैठक के बारे में एक घंटे से अधिक समय तक बातचीत की। हालांकि मीडिया में कोई आधिकारिक बयान नहीं दिया गया है, लेकिन पता चला है कि उन्होंने प्रदेश अध्यक्ष को बदलने की मांग की है। किसी भी स्थिति में, दिल्ली के नेताओं द्वारा कर्नाटक भाजपा इकाई में अध्यक्ष नियुक्त किए जाने का संकेत मिलने के बाद विरोधी गुट ने प्रभारी से बी.वाई.विजयेंद्र की नियुक्ति नहीं करने की मांग की है। लेकिन सभी को अग्रवाल के फैसले का पालन करना होगा जिन्होंने इस बारे में कोई स्पष्ट आश्वासन नहीं दिया। प्रदेश भाजपा तीन दरवाजों वाले घर की तरह है। पार्टी में विजयेंद्र समर्थक एक टीम, विपक्ष में एक और टीम और एक तटस्थ टीम है। इन तीनों गुटों में कुछ लोग

पहचाने जाते हैं। इस बीच बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पद के लिए चुनाव प्रक्रिया शुरू हो गई है। बागी नेता हाईकमान के एकता फॉर्मूले से अलग राह पर चल रहे हैं। वे बार-बार यह साबित करते रहते हैं कि हम ठीक नहीं होने वाले हैं। ऐसे में बीजेपी में फूट का कोई संकेत नहीं है। विधायक बसनगौड़ा पाटिल को पार्टी से निकाले जाने के बाद भी कमल खेमे के गुटों ने अपनी आवाज कम करने की जहमत नहीं उठाई है। साथ ही, संघ परिवार के नेताओं ने असहमति की आवाजों को शांत करने के लिए समाधान का फॉर्मूला बनाया और केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के नेतृत्व में एक वरिष्ठ टीम को इसकी जिम्मेदारी सौंपी। प्रह्लाद जोशी, पूर्व सीएम सदानंद गौड़ा, सांसद गोविंद करजोल ने रायशुमारी की और सभी को एक साथ लाने की कोशिश की। इस सुलह विकास के एक सप्ताह के भीतर, असहमति की आवाजें फिर से सुनाई देने लगीं। इन सबका कारण एक ही है। एक गुट बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष बी.वाई. विजयेंद्र पर सीधा हमला बोलते हैं तो दूसरा गुट विजयेंद्र के पक्ष में मजबूती से खड़ा है। ऐसा लगता है कि तीसरा गुट न तो पक्ष में है और न ही सीधे तौर पर विरोध में है। विजयेंद्र के आगे के सफर में तीसरे गुट की भूमिका अहम है। विजयेंद्र विरोधी गुट भी सीधे तौर पर अपना राग अलाप रहा है। यह गुट इस बात पर अड़ा है कि विजयेंद्र को प्रदेश अध्यक्ष का पद नहीं दिया जाना चाहिए। यह गुट किसी भी अनुरोध या दबाव के आगे नहीं झुक रहा है। दिलचस्प बात यह है कि विरोधी गुट दिन-ब-दिन मजबूत होता जा रहा है। विजयेंद्र के लिए यह बड़ी चुनौती बन गई है। इसके बावजूद कुछ विधायक और नेता पूरी तरह से चुप हैं। यह ग्रुप किसी के समर्थन या विरोध के तौर पर सामने नहीं आया है। किसी के पक्ष या विपक्ष में बयान नहीं दे रहे हैं। इस समूह में मौजूदा विधायक और पार्टी में विभिन्न जिम्मेदारियां संभाल रहे लोग शामिल हैं।

पादुका दर्शन के साथ दत्त जयंती का शुभारंभ

हम हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं करेंगे: सुनील कुमार

चिक्कमगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
इस वर्ष की दत्त जयंती की शुरुआत श्री गुरु इनाम दत्तात्रेय की बाबाबुदन स्वामी दरगाह की गुफा में दत्त पादुकाओं के दर्शन के साथ हुई। श्री राम सेना, विश्व हिंदू परिषद, बजरंग दल के कार्यकर्ता और भक्त दत्तमालाधारी थे और उन्होंने दत्त पादुकाओं के दर्शन किए। करकला विधायक वी सुनील कुमार, विधान परिषद सदस्य सीटी रवि, पूर्व मंत्री डीएन शिवराज, श्री राम सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रमोद मुतालिक दत्ता माला पहनकर दत्त पीठ पहुंचे। दत्त भक्तों ने जिला प्रशासन द्वारा लगाए गए बैरिकेड के माध्यम से कतार में खड़े होकर दत्त गुफा में प्रवेश किया और दत्त पादुकाओं के दर्शन किए। गुफा के बाहर बने एक अस्थायी शेड में दत्त चित्र और दत्त मूर्ति रखी गई थी। दत्त होम, गण होम और धार्मिक अनुष्ठान किए गए। राज्य के विभिन्न जिलों और बाहरी जिलों से हजारों की संख्या में विभिन्न वाहनों से श्रद्धालु पहुंचे थे। इरुमुदी के साथ आए दत्त भक्तों ने दत्त पादुकाओं के दर्शन करने के बाद वहां इरुमुदी अर्पित की और दत्त माला को धारण किया। जिला पुलिस अधीक्षक विक्रम आमटे के नेतृत्व में पुलिस सुरक्षा की व्यवस्था की गयी। दत्त भक्तों ने होनम्मा के कुएं में स्नान किया और पैदल ही दत्तपीठ की ओर चल पड़े। दत्ता गुफा के अंदर मोबाइल कैमरे प्रतिबंधित थे। करकला विधायक सुनील कुमार ने कहा कि राज्य की कांग्रेस सरकार ने पिछली भाजपा सरकार के दौरान गठित दत्त पीठ की प्रबंधन समिति को रद्द कर दिया है। हम हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले किसी भी कृत्य को बर्दाश्त नहीं करेंगे। उन्होंने कहा कि जब भी कांग्रेस सरकार सत्ता में आती है तो वह हिंदुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले सैकड़ों काम करती है और इसके खिलाफ हमारी लड़ाई जारी रहेगी। हमने कई दस्तावेजों के माध्यम से कहा है कि दत्तपीठ अलग है और बाबाबुदन दरगाह अलग है। हम कहीं भी दरगाह नहीं मांग रहे हैं, हम शुरू से कह रहे हैं कि राजस्व रिकॉर्ड में वे दरगाह ले लें। हम अपनी धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाली किसी भी चीज को बर्दाश्त नहीं करेंगे और मांग की कि दत्तपीठ, जो हिंदुओं का है, पूरी तरह से हिंदुओं के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए।

सीएम सिद्धरामैया सीएम बदलने के हथियार के जवाब में दलित हथियार का कर रहे इस्तेमाल?

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
जैसे-जैसे यह जरूरत पैदा हो रही है कि मुख्यमंत्री का पद डीके शिवकुमार को दिया जाए, सिद्धरामैया गुट में एक बार फिर दलित मुख्यमंत्री की मांग सामने आने लगी है। जब सिद्धरामैया 2013 से 2018 तक मुख्यमंत्री थे, तब वे दलित मुख्यमंत्री का छत्र लेकर नेतृत्व परिवर्तन की आंधी से बचे रहे। उस मौके पर केएच मुनियप्पा ने मुख्यमंत्री सिद्धरामैया की मदद की थी। अब डॉ. जी. परमेश्वर को एस्कॉर्ट किया गया है। कांग्रेस में ऊपरी तौर पर भले ही सब कुछ ठीक दिख रहा है, लेकिन कुर्सी के लिए अंदरखाने घमासान मचा हुआ है। सिद्धरामैया को सत्ता से बेदखल करने के लिए डीके शिवकुमार अपनी ही रणनीति अपना रहे हैं। ऊपरी तौर पर ऐसा लगता है कि डीके शिवकुमार कोई असंतुष्ट गतिविधि नहीं कर रहे हैं, लेकिन अंदर ही अंदर सिद्धरामैया के लिए सत्ता छोड़ने की अपरिहार्य स्थिति ला रहे हैं। सिद्धरामैया वैराग्य की बातें कर रहे हैं कि सत्ता शाश्वत नहीं है और इसे किसी भी समय छोड़ देना

चाहिए। उनके समर्थक इसके लिए हंगामा कर रहे हैं। मंत्री सतीश जारकीहोली ने पहली बार संकेत दिया था कि सत्ता साझेदारी मंच तैयार किया गया है। दूसरी ओर, सिद्धरामैया को बचाने के लिए सतीश जारकीहोली तरह-तरह की रणनीति अपना रहे हैं। सिद्धरामैया ने मंत्री परमेश्वर, एचसी महादेवप्पा, दिनेश गुंडूराव और अन्य के साथ गुप्त बैठकें की थीं और उन्हें हाथी की शक्ति देने की कोशिश की थी। जिस दिन से कांग्रेस सरकार बनी थी, एचसी महादेवप्पा, सतीश जारकीहोली ने कई लंच और डिनर आयोजित किए थे और सिद्धरामैया के लिए ताकत जुटाने की कोशिश की थी। उस स्थिति में, ये अलग-अलग बैठकें महज शिष्टाचार भेंट के तौर पर आयोजित की गईं। मौजूदा घटनाक्रम को देखते हुए यह बात पक्की है कि सिद्धरामैया की टीम शुरू से ही सिलसिलेवार बैठकें करती रही है। यह तय है कि सिद्दू गुट ने भविष्य के राजनीतिक खतरे को भांपते हुए शुरू से ही जवाबी रणनीति तैयार कर ली थी। अब कुर्सी की लड़ाई अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। इस मौके पर सिद्दू गुट के नेता और मंत्री सीधे मैदान में उतर आए हैं। इससे पहले सतीश जारकीहोली, परमेश्वर और बीके हरिप्रसाद ने अलग-अलग बैठकें की थीं। पूर्व मंत्री केएन राजन्ना, जिन्होंने अपने बेटे को भाजपा नेताओं के साथ बातचीत करने के लिए प्रेरित किया है, ने पार्टी की उच्च परिषद को चेतावनी देने की कोशिश की है। सिद्धरामैया ने खुलेआम कहा है कि अगर बदलाव जरूरी है तो दलित मुख्यमंत्री के तौर पर परमेश्वर को मौका दिया जाना चाहिए। इसके जरिए डीके शिवकुमार के मौके को टालने के लिए रणनीतियों और जवाबी रणनीतियों का एक और दौर शुरू किया गया है। 2013 से 2018 के बीच यही परमेश्वर केपीसीसी के अध्यक्ष थे। मुख्यमंत्री पद के लिए उनके बीच कड़ी टक्कर हुई। लेकिन अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कोराटागेरे में हार के कारण उनमें मुख्यमंत्री पद पर मजबूत दावा पेश करने की नैतिक शक्ति कम थी। विधान परिषद सदस्य के रूप में मंत्री रहते हुए भी परमेश्वर हार की शर्मिंदगी के कारण मुख्यमंत्री पद के लिए अपनी आवाज नहीं उठा सके। केएच मुनियप्पा ने जब एक-दो बार बयान देकर कहा कि वह भी मुख्यमंत्री पद के दावेदार हैं तो परमेश्वर कटघरे में खड़े थे। अब स्थिति वैसी नहीं है, केपीसीसी अध्यक्ष के तौर पर डीके शिवकुमार चुनाव भी जीत चुके हैं। सिद्धरामैया ऐसी स्थिति में आ गए हैं जहां उन्हें दिल्ली में हुए समझौते के मुताबिक सत्ता छोड़नी पड़ी है। इस प्रकार, अंतिम उपाय के रूप में, दलित मुख्यमंत्री हथियारों के साथ प्रयोग कर रहे हैं। अगर यह सार्वजनिक रूप से चर्चा का विषय बन गया तो आलाकमान को भी परेशानी होगी। मल्लिकार्जुन खड़गे को अपने 50 साल लंबे राजनीतिक करियर में कभी मुख्यमंत्री बनने का मौका नहीं मिला। सिद्धरामैया ने ही मल्लिकार्जुन खड़गे को राष्ट्रीय राजनीति में प्रतिद्वंद्वी के तौर पर प्रवेश कराया था। अब खड़गे आलाकमान के नेताओं में से एक हैं। डीके शिवकुमार पर खड़गे की कृपा है। इसलिए सिद्धरामैया बार-बार कह रहे हैं कि वह खड़गे की बजाय राहुल गांधी की बात सुनेंगे। अगर खड़गे राज्य में दलित मुख्यमंत्री पद की मांग करते हैं तो उन्हें दुविधा का सामना करना पड़ेगा। ऐसी स्थिति बनाने की तैयारी चल रही है कि कांग्रेस नेता कहेंगे कि अगर दलितों को अनुमति नहीं है तो सिद्धरामैया को ही पद पर बने रहना चाहिए। इस घटनाक्रम के लिए दलित नेता कांग्रेस पार्टी में सिद्धरामैया को अपना कंधा दे रहे हैं।

भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर लोकायुक्त ने बेंगलूरु में शिक्षा विभाग के दफ्तरों पर छापे मारे

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
कर्नाटक के स्कूल शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार और प्रशासनिक खामियों के व्यापक आरोपों के कारण बुधवार को लोकायुक्त द्वारा एक बड़ी जांच शुरू हुई। लोकायुक्त ने अधिकारियों और कर्मचारियों से जुड़ी अनियमितताओं के सबूतों को उजागर करने के लिए 12 से अधिक जांच टीमों के साथ शहर के कई विभागों के कार्यालयों में एक साथ छापेमारी की। तलाशी दोपहर 3.30 बजे शुरू हुई। रिश्वतखोरी, पक्षपात और देरी की ओर इशारा करने वाली आवर्ती शिकायतों की एक श्रृंखला के बाद, जिसने कर्मचारियों और छात्रों दोनों को प्रभावित किया है। जांच की निगरानी लोकायुक्त न्यायमूर्ति बी.एस. पाटिल ने की। अधिकारियों के मुताबिक, जांच में छुट्टी और वेतन मंजूरी में कथित रिश्वतखोरी, स्थानांतरण प्रमाणपत्र और मार्कशीट में हेरफेर, शिक्षकों की पदोन्नति में अनियमितताएं और अतिथि शिक्षक मानदेय में विसंगतियों की जांच की जा रही है। यह ऑपरेशन निजी और अनुदान प्राप्त स्कूलों के पंजीकरण और नवीनीकरण में भ्रष्टाचार, सरकारी अनुदान के दुरुपयोग और परीक्षा पुनर्मूल्यांकन अनुरोधों में छेड़छाड़ की भी जांच कर रहा है। इसके अलावा, शिकायतें निजी स्कूलों में बाल सुरक्षा मानदंडों को लागू करने में गंभीर खामियों और शैक्षणिक संस्थानों के पास चल रही शराब और तंबाकू की दुकानों से जुड़े उल्लंघनों को उजागर करती हैं। जांचकर्ता शारीरिक शिक्षा शिक्षकों के लिए भर्ती नियमों के पालन और बुनियादी ढांचे सुरक्षा मानकों के अनुपालन की भी जांच कर रहे हैं। लोकायुक्त ने समन्वित छापेमारी को अधिकृत करते हुए 12 सर्च वारंट जारी किए, जो देर रात तक जारी रहे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि शिक्षा क्षेत्र में जवाबदेही बहाल करने के प्रयासों के तहत सभी निष्कर्षों को पारदर्शी रूप से प्रलेखित किया जाएगा और उन पर कार्रवाई की जाएगी।

शिवकुमार ने कांग्रेस हाईकमान को दी रिपोर्ट: मंत्रियों-विधायकों में मची खलबली!

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
हालिया राजनीतिक घटनाक्रम में उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, जो केपीसीसी के अध्यक्ष भी हैं, ने सिद्धरामैया के गुट में आने और उनके सामने खड़े मंत्रियों और विधायकों के खिलाफ कांग्रेस हाईकमान को रिपोर्ट दी है। बुधवार को दिल्ली दौरे पर आए डीके शिवकुमार ने पार्टी नेताओं से मुलाकात और बातचीत की। विशेष रूप से, उन्होंने एआईसीसी महासचिव से मुलाकात की और रिपोर्ट की, जो संगठनात्मक गतिविधियों के प्रभारी हैं और समय-समय पर इसके बारे में रिपोर्ट प्राप्त करते हैं। पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों में सहयोग नहीं करने वाले विधायकों और मंत्रियों की सूची हाईकमान को सौंपी गयी। लेकिन कहा जा रहा है कि उन्होंने इस बात पर

आपत्ति जताई है कि पार्टी में उनका योगदान निराशाजनक है। अतीत में, जब वोट में धांधली का विरोध हुआ था, तो कांग्रेस द्वारा सदस्यता पंजीकरण सहित कई कार्यक्रम तैयार किए गए थे। वरिष्ठ नेताओं ने पार्टी विधायकों और मंत्रियों को निर्देश दिया था कि वे इसमें सक्रिय रूप से शामिल हों और पार्टी संगठन का समर्थन करें।

मुख्यमंत्री सिद्धरामैया गुट के कई विधायकों और मंत्रियों पर पार्टी कार्यक्रमों में हिस्सा न लेकर अनादर दिखाने का आरोप लगा है। इस तरह के आक्रोश को लेकर विधायकों और मंत्रियों को कई बार चेतावनी दी जा चुकी है। हालांकि, इसकी परवाह किए बिना विधायकों और मंत्रियों ने अपना रवैया बरकरार रखा है। ऐसे लोगों को अगले कैबिनेट फेरबदल के दौरान बाहर किया जाना चाहिए। पता चला है कि उन्होंने अनुरोध किया है कि विधायकों को अगला विधानसभा चुनाव लड़ने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। डी.के.शिवकुमार द्वारा सौंपी गई सूची ने कैबिनेट के कई मंत्रियों को परेशान कर दिया है। अगर सिद्धरामैया इस बात पर अड़े रहे कि मंत्रिमंडल का विस्तार किया जाना चाहिए, तो डी.के.शिवकुमार द्वारा सौंपी गई सूची ब्रह्मास्त्र होगी। बताया जा रहा है कि 20 से ज्यादा मंत्री बर्खास्त किये जायेंगे। बताया जा रहा है कि डीके शिवकुमार द्वारा सौंपी गई सूची में प्रभावी और सिद्धरामैया के करीबी मंत्रियों के नाम शामिल हैं। डीके शिवकुमार की दिल्ली यात्रा को एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बताया जा रहा है। डीके शिवकुमार ने उन मंत्रियों और विधायकों को चिमटा देना शुरू कर दिया है जो पार्टी और सरकार की जिम्मेदारी संभालने के बजाय विपक्ष के पक्ष में चर्चा करके राजनीतिक भ्रम पैदा कर रहे थे।

अभी चुनाव हुए तो कांग्रेस को 30 सीटें नहीं मिलेंगी: आर अशोक

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।
विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने कहा कि झूठ, बदनामी और साजिशों से 136 सीटें जीतने वाली कांग्रेस पार्टी अगर अब विधानसभा भंग कर चुनाव का सामना करती है, तो उसे 36 सीटें भी नहीं मिलेंगी, यह मेरी गारंटी है। उन्होंने अपने सोशल नेटवर्किंग साइट पर पोस्ट करते हुए कहा कि सीएम सिद्धरामैया और डीसीएम डीके शिवकुमार ने बीजेपी सरकार पर 40 प्रतिशत कमीशन का झूठा आरोप लगाया था और सत्ता में आने के बाद कन्नड़ लोगों को गुमराह किया था। अब वह पूरी तरह से कमीशन घोटाले में डूब गए हैं। सरकार के हर विभाग में भ्रष्टाचार व्याप्त है, कर्नाटक में 63 फीसदी भ्रष्टाचार है। उपलोकायुक्त ने स्वयं अपनी मजबूत सरकार का प्रमाण पत्र दिया है। अब आप क्या कहते हैं। क्या आप नैतिक जिम्मेदारी के तहत इस्तीफा देंगे।

कश्मीर में भयानक सर्दी का अंदेशा या समय चक्र बदलने का असर

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में चिल्लेकलां (भयानक सर्दी का मौसम) का आगमन अभी 17 दिन दूर है पर कश्मीरी अभी से ठंड से चिल्लाने लगे हैं। ऐसे में उन्हें चिंता है कि इस बार चिल्लेकलां के दौरान कितनी भयानक सर्दी पड़ेगी।

हालांकि समय चक्र के सुधार से कश्मीर में पानी की किल्लत और बिजली की कमी जैसी परेशानियों से निजात मिलने की उम्मीद तो जगती है लेकिन कश्मीरी परेशानियों के दौर से गुजरने को मजबूर इसलिए हो जाते हैं क्योंकि पिछले कई सालों से मौसम के खराब रहने के कारण राजमार्ग के बार-बार बंद रहने का परिणाम यह होता है कि कश्मीरियों को चिंता इस बात की रहती है कि उन्हें खाने पीने की वस्तुओं की भारी कमी का सामना किसी भी समय करना पड़ सकता है।

पहले चिल्लेकलां के शुरू होने से पहले ही कश्मीरी सब्जियों को सुखा कर तथा अन्य चीजों का भंडारण कर लेते थे मगर

कई सालों से मौसम चक्र के गड़बड़ रहने के कारण वे इसे भुला बैठे थे। और अब तो राजमार्ग के बार-बार बंद होने से घाटी में रोजमर्रा की वस्तुओं की आपूर्ति समय पर न होने के कारण उन्हें कई बार महंगे दामों पर खाने पीने की वस्तुएं खरीदनी पड़ती हैं।

दरअसल कश्मीरियों के लिए समय चक्र बदलने लगा है। माना कि आतंकी गतिविधियों से उन्हें फिलहाल पूरी तरह से निजात नहीं मिल पाई है लेकिन कुदरत के बदलते चक्र ने उनकी झोली खुशियों से भरनी आरंभ कर दी है। यही कारण है कि अब कश्मीर में चिल्लेकलां के प्रथम दिन ही होने वाली बर्फबारी से कश्मीर घाटी चिल्ला उठती है क्योंकि चिल्लेकलां की शुरूआत भयानक सर्दी से होती है।

कश्मीर में 21 और 22 दिसम्बर की रात से सर्दी के मौसम की शुरूआत मानी जाती है। करीब 40 दिनों तक के मौसम को चिल्लेकलां कहा जाता है। और इस दिन हुई बर्फबारी कई सालों के बाद सही समय पर हुई है। नतीजतन कुदरत का समय चक्र सुधरा तो कश्मीरियों की परेशानियां बढ़ गई क्योंकि पिछले कई सालों से बर्फबारी के समय पर न होने के कारण वे चिल्लेकलां को ही भुला बैठे थे।

चिल्लेकलां करीब 40 दिनों तक चलता है और उसके बाद चिल्ले खुर्द और फिर चिल्ले बच्चा का मौसम आ जाता है। अभी तक चिल्लेकलां के दौरान 1986 में कश्मीर में तापमान शून्य ये 9 डिग्री नीचे गया था जब विश्व प्रसिद्ध डल झील दूसरी बार जम गई थी। वैसे चिल्लेकलां के दौरान कश्मीर के तापमान में जो गिरावट देखी गई है उसके मुताबिक तापमान शून्य से 5 व 7 डिग्री ही नीचे जाता है।

फिलहाल सर्दी से कोई राहत भी नहीं मिल पा रही है। अनुमान इस बार का यह है कि सर्दी अपना भयानक रूप दिखा सकती है। वैसे भी कुछ सालों से मौसम की पश्चिमी गड़बड़ियों के कारण कश्मीर कभी बर्फीले सुनामी के दौर से गुजरता है तो कभी बाढ़ से कश्मीरियों को सामना करना पड़ रहा है।

सर्दियों में कई चुनौतियों से निपटने की तैयारी में सुरक्षाबल जम्मू कश्मीर में

घुसपैठ थामने अतिरिक्त जवान और पहाड़ों से नीचे उतरते आतंकियों को ढेर करने की योजनाएं

सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। इस बार की सर्दियां जम्मू कश्मीर में तैनात सुरक्षा बलों के लिए कई चुनौतियां लेकर आने वाली हैं। भयानक सर्दी की भविष्यवाणी के बीच पाकिस्तान द्वारा घुसपैठ को नए स्तर पर पहुंचाए जाने की आशंकाओं के चलते सीमा और एलओसी पर अतिरिक्त जवानों की रवानगी आरंभ हो चुकी है। यही नहीं जम्मू संभाग में आतंकी हमलों में अचानक उछाल आने की संभावनाओं के चलते जमम्‍ू में भी एनएसजी तैनात की जा चुकी है जबकि सर्दी के कारण पहाड़ों से नीचे उतरते आतंकियों का काल बनने की योजनाएं अंतिम चरण में हैं।सीमा और एलओसी पर घुसपैठ करने वाले आतंकियों से निपटने की भी पूरी तैयारी कर ली गई है। दरअसल सीमा पार से मिलने वाली खबरों के मुताबिक, पाकिस्तानी सेना अपने जहां रूके पड़े सैंकड़ों

आतंकियों को किसी भी हालत में इस ओर धकलने को उतावली है। बीएसएफ के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी इसकी पुष्टि की है जिनका कहना था कि इंटरनेशनल बार्डर पर गैप को भरने की खातिर सिर्फ जम्मू सीमा पर बीएसएफ की दो अतिरिक्त बटालियनों की तैनाती की गई है।ऐसी ही कवायद 814 किमी लंबी एलओसी पर भी जारी है जहां घुसपैठ से निपटने की खातिर किए जाने वाले उपायों में एक कवायद अतिरिक्त हजारों सैनिकों की तैनाती भी है। हालांकि इस बार भीषण सर्दी का अनुमान जताया जा रहा है बावजूद इसके एलओसी पर दुर्गम स्थानों पर तैनात जवानों को सर्दी में भी पीछे हटाने से इंकार किया जा रहा है।सिर्फ यही चुनौतियां सुरक्षाबलों को जम्मू कश्मीर में परे-शान नहीं कर रही हैं बल्कि 3 सालों से आतंकियों के ताबड़तोड़ हमलों को झेल रहे जम्मू संभाग में भी एनएसजी की तैनाती भी दर्शाती है कि आने वाले दिनों में खतरा कितना है। हालांकि पुलिस का दावा था कि एनएसजी को सुरक्षाबलों की मदद के लिए तैनात किया गया है।इसी प्रकार अधिकारियों ने इसकी पुष्टि की है कि ऐसी खबरें हैं कि आतंकी ऊंचे पहाड़ों से अब नीचे उतरने लगे हैं। वे गांवों में बंदूक की नोक पर शरण और खाना भी मांगने लगे हैं।

सोलन के प्राइमरी गर्ल्स स्कूल में जगह और सुविधाओं की कमी : शिक्षा उपनिदेशक

सोलन, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के सोलन शहर के बीचों-बीच स्थित राजकीय प्राइमरी गर्ल्स स्कूल में छात्राओं की संख्या देखकर हर कोई खुश है, लेकिन स्कूल भवन और सुविधाओं की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। इस बारे में प्रारंभिक शिक्षा उपनिदेशक डॉ. मोहिंदर चंद ने विस्तार से जानकारी दी। डॉ. चंद ने बताया कि यह स्कूल सोलन का सबसे पुराना और सम्मानित शिक्षण संस्थान है, जहां प्री-प्राइमरी से लेकर पांचवीं कक्षा तक की पढ़ाई होती है। इसके अलावा एलिमेंट्री विंग में भी कक्षाएं चल रही हैं। वर्तमान में स्कूल में करीब 400 से

450 लड़कियां पढ़ती हैं। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए 12 जेबीटी शिक्षक तैनात हैं।

उन्होंने साफ किया कि नामांकन के हिसाब से शिक्षकों की संख्या पूरी तरह पर्याप्त है और पढ़ाई-लिखाई में कोई दिक्कत नहीं आ रही। उपनिदेशक ने बताया कि उन्होंने खुद पिछले कुछ महीनों में तीन-चार बार स्कूल का दौरा किया है। हाल ही में हिमाचल सरकार के हेल्पलाइन नंबर 1100 पर भी इस स्कूल से जुड़ी एक शिकायत दर्ज हुई थी। शिकायत मिलते ही उन्होंने उप शिक्षा अधिकारी को मौके पर भेजा। अधिकारी ने वहां जाकर कई छोटी-मोटी समस्याओं का तुरंत निपटारा कर दिया।सबसे बड़ी परे-शानी स्कूल की जगह की बताई जा रही है। डॉ. चंद ने कहा कि स्कूल शहर के बीच में होने की वजह से चारों तरफ इमारतें बन चुकी हैं, जिससे विस्तार के लिए जमीन ही नहीं बची है। नया भवन बनाना या खेल का मैदान बनाने की कोई गुंजाइश नहीं है। शौचालयों की स्थिति को लेकर भी सवाल उठते रहे हैं।

बिहार में हार के 20 दिन बाद तेजस्वी का 'यूरोप प्लान'! विधानसभा सत्र बीच में छोड़कर ट्रिप पर क्यों गए आरजेडी नेता?

पटना, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार विधानसभा चुनाव में राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) की करारी शिकस्त के लगभग तीन सप्ताह बाद पार्टी के कद्दावर नेता तेजस्वी यादव अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ यूरोप की निजी यात्रा पर रवाना हो गए। विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान काफी मुखर रहने वाले तेजस्वी का नतीजों के बाद अचानक पब्लिक लाइफ से गायब हो जाना, राजनीतिक हलकों में एक बड़ी बहस का मुद्दा बन गया। वे विधानसभा के शीतकालीन सत्र के पहले दो दिन ही सदन में मौजूद रहे और विपक्ष के नेता चुने जाने के बावजूद सेशन की बाकी कार्यवाही से उन्होंने दूरी बना ली।

2025 के बिहार विधानसभा चुनावों में तेजस्वी यादव ने आत्मविश्वास के साथ प्रचार किया था और यहां तक कि अपनी जीत की तारीख तक की भविष्यवाणी कर दी थी। उन्होंने कहा था कि 14 नवंबर कोपरिणाम और 18 को शपथ। हालांकि, जनादेश आने पर स्थिति पूरी तरह से पलट गई। 202 सीटों के साथ छऊ- सत्ता में लौटी। जबकि, राजद सिर्फ 25 सीटों पर सिमट गई और

महागठबंधन 35 का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाया। इस बड़ी हार के बाद, तेजस्वी का सार्वजनिक जीवन से अचानक कट जाना राजनीतिक गलियारों में चर्चा का केंद्र बन गया।बिहार चुनाव में हार के बाद तेजस्वी 14 से 23 नवंबर के बीच मीडिया, सड़कों और पार्टी कार्यक्रमों से पूरी तरह दूर रहे। उनकी अनुपस्थिति तब और अधिक मुखर हो गई जब वो 20 नवंबर को गांधी मैदान में आयोजित भव्य शपथ ग्रहण समारोह से भी से अनुपस्थित रहे। इस समारोह में प्रधानमंत्री और 11 राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए थे। भाजपा विधायक नीरज कुमार ने सार्वजनिक रूप से सदन से उनकी अनुपस्थिति पर सवाल उठाया। तेजस्वी ने केवल सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार सरकार को एक औपचारिक बधाई संदेश तक ही अपनी प्रतिक्रिया सीमित रखी।माना जाता है कि बिहार की राजनीति में विपक्ष के लिए 'चुप रहने' की गुंजाइश बहुत कम है। विपक्ष की गैरमौजूदगी सत्तारूढ़ छऊ- को अपनी बात को बिना चुनौती के मजबूत करने का मौका दे सकती है। इस बीच, आरजेडी की आंतरिक विवादों, पारिवारिक तनावों और खराब प्रदर्शन की समीक्षा जैसी चुनौतियों से जूझना पड़ा। तेजस्वी की ये यूरोप यात्रा उनके इर्द-गिर्द घूम रहे सवालों को और बढ़ा रही है। हालांकि, उनके समर्थकों को उम्मीद है कि वो नई स्पष्टता और संकल्प के साथ लौटेंगे। उनका अगला कदम ही ये तय करेगा कि इस हार ने उनके राजनीतिक संकल्प को मजबूत किया है या एक गहरा आघात पहुंचाया है।

न तो किसानों को फसल का उचित मुआवजा मिल पा रहा है और न ही खाद : उमंग सिंघार

भोपाल, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा के शीतकालीन सत्र के तीसरे दिन कांग्रेस विधायकों ने किसानों को फसल का उचित मुआवजा न मिलने पर हंगामा किया और सदन से बहिर्गमन कर गए। विधानसभा के शीतकालीन सत्र में कांग्रेस लगातार आक्रामक है और सरकार पर हमलावर है। इतना ही नहीं, जब भी मौका मिल रहा है, कांग्रेसी विधायक विधानसभा के अंदर और बाहर हंगामा करने से नहीं चूक रहे हैं। कांग्रेस विधायकों ने गुरुवार को खाद और खराब हुई फसल के मुआवजे का मुद्दा उठाया। इस पर मंत्री की ओर से जो जवाब आया उससे कांग्रेस विधायक असंतुष्ट रहे,

परिणामस्वरूप कांग्रेस विधायकों ने हंगामा करते हुए विधानसभा से बहिर्गमन कर दिया। कांग्रेस के विधायकों ने सदन से बाहर निकालने के बाद विधानसभा परिसर में जमकर नारेबाजी की। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार का कहना है कि सरकार न तो किसानों को मुआवजा दे पा रही है और न ही किसानों को खाद मिल रही है। लगातार राज्य सरकार गलत जानकारी दे रही है। किसान परेशान हैं और उन्हें अपनी मेहनत का वाजिब हक नहीं मिल पा रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि किसान सड़क पर हैं, तो वहीं मुख्यमंत्री किसानों को राहत देने के आंकड़े बता रहे हैं जो सच्चाई से काफी दूर हैं। यह न तो किसानों का कर्ज माफ कर पाए और न ही किसानों को दूसरे तरह की मदद कर पाए। श्योपुर जिले से कांग्रेस के विधायक जंडेल सिंह ने किसानों के मुआवजे का मुद्दा उठाया था। उनका आरोप है कि मुख्यमंत्री ने सदन में जो जानकारी दी है वह गलत है, क्योंकि किसानों के खाते में एक रुपया भी नहीं गया है। कांग्रेस लगातार सरकार पर हमले कर रही है और विधानसभा की कार्रवाई शुरू होने से पहले हर रोज अनोखे तरह का प्रदर्शन कर रही है। कांग्रेस विधायकों ने गुरुवार को भी राज्य सरकार पर गंभीर आरोप लगाए। दरअसल, वर्तमान में राज्य में किसानों की खराब हुई फसल के मुआवजे और खाद का मुद्दा छाया हुआ है। कांग्रेस आरोप लगा रही है कि किसानों को खाद नहीं मिल रही है और रात-रात भर लाइन में लगे रहना पड़ता है, जबकि सरकार का दावा है कि राज्य में किसानों को पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध कराई जा रही है।

हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी का 48वां वार्षिक एथलेटिक मीट, 600 एथलीट दिखाएंगे दमखम

बिलासपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी के 48वें वार्षिक एथलेटिक मीट का आयोजन इस बार बिलासपुर में किया जा रहा है। इस प्रतिष्ठित खेल आयोजन की मेजबानी राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर करेगा। यह तीन दिवसीय प्रतियोगिता 8 से 10 दिसंबर तक गोविंद सागर झील के किनारे स्थित लुहनू एथलेटिक ग्राउंड में आयोजित होगी। लुहनू एथलेटिक ग्राउंड प्राकृतिक सुंदरता और आधुनिक सुविधाओं से युक्त है, जो खिलाड़ियों को बेहतरीन खेल वातावरण प्रदान करेगा। प्रदेश के तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी इस प्रतियोगिता का शुभारंभ करेंगे। वहीं, पूर्व कैबिनेट मंत्री रामलाल ठाकुर समापन समारोह में उपस्थित रहेंगे। बिलासपुर में होने जा रहा यह एथलेटिक मीट युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा मंच साबित होगा, जहां वे अपनी प्रतिभा को प्रदेश स्तर पर प्रदर्शित कर सकेंगे।इस आयोजन में हिमाचल प्रदेश के 9 जिलों के करीब 60 कॉलेजों के 600 से ज्यादा एथलीट हिस्सा लेंगे। विभिन्न विधाओं में एथलीट अपना दमखम दिखाएंगे, जिनमें प्रमुख रूप से लॉन्ग जंप, हाई जंप, ट्रिपल जंप, शॉट पुट थ्रो, डिस्कस थ्रो, जैवलिन थ्रो और विभिन्न आयु वर्गों की दौड़ प्रतियोगिताएं शामिल हैं।

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने जानकारी देते हुए मीडिया को बताया कि हिमाचल प्रदेश यूनिवर्सिटी ने एथलेटिक मीट के आयोजन की जिम्मेदारी कॉलेज प्रशासन को सौंपी है, जिसके लिए उन्होंने यूनिवर्सिटी अथॉरिटी, स्थानीय प्रशासन और राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने बताया कि एथलेटिक मीट के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया गया है, जो प्रदेश भर से आने वाले एथलीटों और कोचों की रहने, खाने और अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं का ध्यान रखेंगे। तीन दिनों तक चलने वाले इस आयोजन में सुरक्षा, चिकित्सा और खेल तकनीकी व्यवस्थाओं को लेकर भी विशेष तैयारी की गई है। उन्होंने कहा कि 10 दिसंबर को आयोजित समापन समारोह में विजेता और उपविजेता एथलीटों को पूर्व कैबिनेट मंत्री रामलाल ठाकुर सम्मानित करेंगे। आयोजन से न केवल छात्रों को प्रतिस्पर्धात्मक खेलों में अपना कौशल दिखाने का अवसर मिलेगा, बल्कि कॉलेज और जिले के लिए यह एक महत्वपूर्ण प्रतिष्ठा का अवसर माना जा रहा है।

गुजरात एटीएस ने पाकिस्तान से जुड़े जासूसी नेटवर्क का किया भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

गांधीनगर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। गुजरात एंटी-टेररिज़्म स्कॉड (एटीएस) ने बड़े जासूसी रैकेट का पर्दाफाश करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जिन पर पाकिस्तान को गोपनीय सैन्य जानकारी पहुंचाने का गंभीर आरोप है। गिरफ्तार आरोपी एके सिंह, भारतीय सेना में सूबेदार पद पर कार्यरत था और गोवा में रह रहा था। दूसरी आरोपी रश्मणी पाल दमन की रहने वाली है। एटीएस के मुताबिक दोनों पाकिस्तानी हैंडलर्स के सीधे संपर्क में थे और उन्हें संवेदनशील रक्षा जानकारियां भेज रहे थे। इससे पहले 21 नवंबर को उत्तर प्रदेश, गुजरात और तेलंगाना एटीएस की संयुक्त कार्रवाई में पकड़े गए आईएसकेपी (इस्लामिक स्टेट खुरासान प्रांत) मॉड्यूल के तीनों आतंकियों के कबूलनामे से कई चौंकाने वाले खुलासे हुए थे। इनके तार सीधे पाकिस्तान से जुड़े होने की बात सामने आई थी।

उत्तर प्रदेश के शामली जिले में रहने वाले आतंकी मोहम्मद सुहैल के घर पर यूपी एटीएस की रेड में आईएसआईएस का काला झंडा बरामद हुआ था। वहीं हैदराबाद के डॉक्टर मोहम्मद इस्हाक उर्फ डॉ. अहमद के घर से डिजिटल सबूत मिले थे।

जांच में पता चला कि दो महीने पहले सुहैल और तीसरा आतंकी आजाद मिलकर डॉ. अहमद के पास एक पार्सल लेकर पहुंचे थे। उस पार्सल में डेढ़ लाख रुपए नकद थे। यह रकम एक पाकिस्तानी एजेंट के कहने पर भेजी गई थी। दूसरा पार्सल भी इन्हीं दोनों ने दिया था, जिसमें हथियार थे। गुजरात एटीएस ने इसी पार्सल के आधार पर डॉ. अहमद को पकड़ा और फिर सुहैल व आजाद तक पहुंची थी।

तीसरे आतंकी आजाद (उत्तर प्रदेश का रहने वाला) ने पूछताछ में कबूला कि वह किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के इरादे से कश्मीर के बारामूला गया था। वहां कुछ न मिलने पर निराश होकर लौटा। वापसी में ट्रेन में एक शख्स से मिला और उसके साथ हरिद्वार पहुंच गया। वहां उसने कई मंदिरों की रेकी की थी।

तीनों राज्यों की एटीएस अब इस पूरे नेटवर्क से जुड़े हर शख्स की तलाश में जुटी हुई है। जांच एजेंसियों का मानना है कि पाकिस्तान से फंडिंग और हथियारों की सप्लाई का यह सिलसिला अभी और गहरा हो सकता है।

असम में एलपीजी में बड़ी राहत, 300 रुपए में मिलेंगे गैस सिलेंडर

गुवाहाटी, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने मंगलवार को परिवारों के लिए एक बड़ी राहत की घोषणा की। उन्होंने कहा कि राज्य के लाखों परिवारों के लिए 300 रुपए प्रति सिलेंडर वाली रसोई गैस जल्द ही हकीकत बन जाएगी। कम आमदनी वाले परिवारों पर पैसे का बोझ कम करने के मकसद से शुरू की गई इस पहल में ओरुनोदोई स्कीम और प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत लाभार्थियों को एलपीजी सिलेंडर पर 250 रुपए की सब्सिडी दी जाएगी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में सरमा ने कहा, 300 रुपए में खाना पकाने की गैस, असम के लाखों परिवारों के लिए सिर्फ एक सपना नहीं बल्कि जल्द ही एक हकीकत बनने वाली है। असम में ओरुनोदोई परिवारों और पीएम उज्ज्वला लाभार्थियों को जल्द ही राज्य सरकार से उनके एलपीजी सिलेंडर पर 250 रुपए की सब्सिडी मिलेगी, जिससे मेरे परिवार के सदस्यों की जिंदगी आसान हो जाएगी।

आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि सब्सिडी सीधे लाभार्थियों को दी जाएगी, जो पीएमयूवाय के तहत केंद्र सरकार की मौजूदा मदद को और बढ़ाएगी। इस कदम से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के एक बड़े हिस्से, खासकर महिलाओं को फायदा होने की उम्मीद है, जो ओरुनोदोई और पीएमयूवाय दोनों लाभार्थी लिस्ट में सबसे ऊपर हैं।

असम के खास वेलफेयर प्रोग्राम में से एक ओरुनोदोई स्कीम अभी जरूरी खर्चों को पूरा करने के लिए योग्य परिवारों को हर महीने पैसे की मदद देती है। एलपीजी सब्सिडी को स्कीम में शामिल करके, राज्य सरकार को उम्मीद है कि बढ़ते घरेलू खर्चों को और कम किया जा सकेगा, खासकर इसलिए क्योंकि गैस की कीमतें कम आमदनी वाले तबकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई हैं।

इस घोषणा से ग्रामीण और शहरी क्षेत्र के काम आमदनी वाले लोगों को राहत मिलने की संभावना है, जो रोजाना खाना बनाने की जरूरतों के लिए सब्सिडी वाले सिलेंडर पर निर्भर हैं।

हालांकि, सरकार ने अभी तक रोलआउट की तारीख नहीं बताई है, लेकिन अधिकारियों ने बताया है कि इसे आसानी से लागू करने के लिए तरीकों को आ-खिरी रूप दिया जा रहा है।

उम्मीद है कि एलपीजी डिस्ट्रीब्यूटरों को सब्सिडी सिस्टम के बारे में अच्छी तरह बताया जाएगा और समाज कल्याण विभाग तथा खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग लाभार्थियों की पहचान और सब्सिडी बांटने में आपस में तालमेल बनाएंगे।

इस पहल के साथ असम भी उन राज्यों में शामिल हो गया है, जो स्थानीय स्तर पर एलपीजी सब्सिडी बढ़ाकर लोगों को गैस की कीमतों में होने वाले बदलाव से बचाने की कोशिश कर रहे हैं। इससे सरकार का 'सबके लिए विकास' और जरूरतमंदों तक सही लाभ पहुंचाने का लक्ष्य और मजबूत होगा।

बिहार की 53 जेलों में 155.38 करोड़ की लागत से लगेंगे 9,073 सीसीटीवी कैमरे : सम्राट चौधरी

पटना, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि राज्य की सभी 53 काराओं में सुरक्षा व्यवस्था को अत्याधुनिक बनाने के लिए 9,073 नए सीसीटीवी कैमरों के अधिष्ठापन तथा 8 काराओं में पूर्व स्थापित कैमरा सिस्टम के इंटीग्रेशन के लिए 155.38 करोड़ (155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपए) की स्वीकृति प्रदान की गई है। चौधरी ने कहा कि इस परियोजना से बिहार की जेल सुरक्षा व्यवस्था और मजबूत होगी। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने कहा कि कारा एवं सुधार सेवाएं निरीक्षणालय को बेल्ट्रॉन द्वारा उपलब्ध कराए गए संशोधित विस्तृत प्राक्कलन के आधार पर मंजूरी प्रदान की गई है। इस परियोजना में सीसीटीवी कैमरों, सॉफ्टवेयर, फील्ड इंफ्रास्ट्रक्चर, फाइबर नेटवर्क, स्थानीय मॉनिटरिंग व्यवस्था, पांच वर्षों के लिए संचालन एवं रखरखाव के लिए मैनपावर लागत, परामर्श शुल्क, आकस्मिक व्यय तथा बेल्ट्रॉन मार्जिन को सम्मिलित किया गया है। परियोजना की लागत कुल 155 करोड़ 38 लाख 36 हजार 153 रुपए हैं। वित्तीय वर्ष 2025-26 के बजट प्रावधान के अंतर्गत इस योजना को मंजूरी प्रदान की गई है।

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि इस स्वीकृति से बिहार की जेलों में निगरानी प्रणाली अत्यधिक सुदृढ़ होगी, सुरक्षा में पारदर्शिता बढ़ेगी और कारागार प्रबंधन में तकनीक आधारित सुधार सुनिश्चित होंगे।

एनसीआर में हवा अब भी 'बेहद खराब', तेज सर्द हवाओं के बाद भी नहीं मिला आराम, 9 डिग्री तक गिरेगा तापमान

नोएडा,04 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार गंभीर बनी हुई है। बुधवार देर रात चली तेज सर्द हवाओं के कारण कुछ इलाकों में प्रदूषण स्तर में मामूली सुधार ज़रूर दर्ज किया गया, लेकिन इसके बावजूद भी हवा की गुणवत्ता खतरनाक श्रेणी से बाहर नहीं निकल सकी। गुरुवार सुबह जारी केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों के आंकड़ों के अनुसार दिल्ली, नोएडा और गाजियाबाद के अधिकांश स्टेशनों पर एक्यूआई 300 से 350 के बीच रिकॉर्ड किया गया, जो 'बहुत ख़राब' से 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली के ओखला फेज़-2, पंजाबी बाग, पटपड़गंज, रोहिणी, आरके पुरम और सिरिफ़ोर्ट जैसे इलाकों में एक्यूआई 309 से 344 के बीच पाया गया। वहीं कुछ स्थानों पर स्थिति और भी चिंताजनक रही, जहां प्रदूषण स्तर 327 और 340 तक दर्ज हुआ। केवल पूशा स्टेशन पर एक्यूआई 289 रहा, जो 'बहुत खराब' श्रेणी की निचली सीमा पर है।

विशेषज्ञों के अनुसार हवा धीमी होते ही पीएम 2.5 और पीएम 10 के कण फिर से तेजी से जमा होने लगते हैं। नोएडा के सेक्टर-125, सेक्टर-1 और सेक्टर-116 में प्रदूषण स्तर 307 से 340 के बीच दर्ज हुआ, जबकि सेक्टर-62 आईएमडी स्टेशन पर एक्यूआई 262 रहा। शाम को हवा के बहाव में थोड़ी तेजी से सुधार दिखा, मगर पारे में आई गिरावट के कारण प्रदूषक जमीन के नजदीक ही बने हुए हैं।

गाज़ियाबाद के लोनी में एक्यूआई 367 तक पहुंच गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। वसुंधरा में एक्यूआई 335 और इंदिरापुरम में 279 दर्ज किया गया। यहां हवा की गुणवत्ता पिछले 24 घंटे में और बिगड़ती दिखाई दी। भारतीय मौसम विभाग की 7 दिन की रिपोर्ट के अनुसार नोएडा और आसपास के इलाकों में अगले कुछ दिनों में पारे में गिरावट होगी।

4 से 9 दिसंबर के दौरान न्यूनतम तापमान 11 डिग्री से घटकर 9 डिग्री तक पहुंच सकता है, जबकि अधिकतम तापमान 21 से 23 डिग्री के बीच रहेगा। लगातार कोहरा छाने और हवा की रफ्तार कम होने से वायु प्रदूषण नियंत्रित होने की संभावना भी कम है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि इस सप्ताह रात के तापमान में गिरावट के साथ कड़ाके की ठंड महसूस होगी।

ऐसे में प्रदूषण और ठंड का दोहरा असर लोगों की सेहत पर पड़ सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने बुजुर्गों, बच्चों और श्वसन संबंधी रोगियों को घर से बाहर निकलते समय मास्क लगाने और सुबह-शाम अनावश्यक बाहर न निकलने की सलाह दी है।

उत्तर प्रदेश : अमरोहा में दो सड़क हादसों में चार एमबीबीएस विद्यार्थियों समेत छह लोगों की मौत

लखनऊ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के अमरोहा में दिल्ली-लखनऊ नेशनल हाईवे पर रजबपुर के अतरासी में एक तेज रफ्तार कार खड़े डीसीएम (ट्रक) से टकराने से 4 विद्यार्थियों की मौत हो गई, जबकि गजरौला में बाइक सवार दो युवकों को ट्रक ने रौंदा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। यह हादसा बुधवार देर रात हुआ। चश्मदीदों के मुताबिक, कार और डीसीएम में टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे उसमें बैठे लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। सूचना मिलते ही पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। फोरेंसिक टीम और पुलिसकर्मी रात भर मौके पर रहे और उन्होंने हादसे की वजह का पता लगाने के लिए जांच की।

बताया जा रहा है कि चारों मृतक वेंकटेश्वर यूनिवर्सिटी के एमबीबीएस के विद्यार्थी थे। हादसे की सूचना मिलने पर यूनिवर्सिटी के अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। मृतकों की पहचान की जा रही है, और उनके परिवारों को जानकारी दी जा रही है।

रजबपुर पुलिस स्टेशन की एक पुलिस टीम ने मौके का मुआयना किया और हादसे की सही वजह का पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

उसी रात एक और दुखद घटना में, अमरोहा में गजरौला नेशनल हाईवे 9 पर रात करीब 8:45 बजे एक ट्रक और मोटरसाइकिल की टक्कर में दो नौजवानों की मौत हो गई।

अधिकारी के अनुसार मरने वालों की पहचान लखीमपुर खीरी के सोना खुर्द गांव के दीपक और नितिन के तौर पर हुई है, जो गुरुग्राम से घर लौट रहे थे।पुलिस मौके पर पहुंची, लाशों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। स्टेशन हाउस ऑफिसर मनोज कुमार ने घटना की पुष्टि की और कहा कि सड़क हादसे में दो लोगों की मौत हो गई।

उन्होंने आगे कहा कि पुलिस ने दोनों लाशों का पंचनामा तैयार कर लिया है और आगे की कानूनी कार्रवाई चल रही है। पुलिस अधिकारियों ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर ट्रक की तलाश शुरू कर दी है।

लखनऊ में 'नागरिकता जाँच' से मचा हड़कंप

160 सफाईकर्मी भागे, मेयर का एनआरसी जाँच का ऐलान

लखनऊ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। दिसंबर।लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल के नेतृत्व में अवैध रूप से रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों, रोहिंग्याओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू होते ही लखनऊ नगर निगम से जुड़ी कूड़ा प्रबंधन कंपनी के 160 सफाई कर्मचारी नौकरी छोड़ भागे। इन कर्मचारियों से नागरिकता प्रमाणित करने वाले दस्तावेज़ मांगे गए थे, जिसके बाद ये सभी काम से गायब हो गए। महापौर ने आशंका व्यक्त की कि ये भागे लोग संदिग्ध रोहिंग्या या बांग्लादेशी हो सकते हैं।उन्होंने अधिकारियों को तत्काल जांच और आधार के साथ एनआरसी राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर चेक करने के निर्देश दिए हैं, क्योंकि ये कर्मचारी खुद को असम का बताते थे।

ये संदिग्ध दिन में सफाई कर्मचारी के रूप में काम करते थे और रात में वारदातों को अंजाम दे सकते थे, जैसा कि पिछले साल एक मामले में छह रोहिंग्या पकड़े गए थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा घुसपैठियों के खिलाफ राज्यव्यापी अभियान चलाने और हर मंडल में डिटेंशन सेंटर बनाने के आदेश के बाद, मेयर सुषमा खर्कवाल गुरुवार को तुरंत एक्शन मोड में आ गईं।उन्होंने लखनऊ में अवैध ढंग से रह रहे संदिग्ध बांग्लादेशियों के खिलाफ सख्ती का ऐलान किया और अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे तत्काल जांच कर उचित कदम उठाएं।

यूपी के औरैया में कमल वर्मा के आवास और दफ्तर पर एनआईए की छापेमारी

औरैया,04 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की टीम उत्तर प्रदेश के औरैया में पेट्रोल पंप व नैना इलेक्ट्रॉनिक के संचालक कमल वर्मा के आवास और दफ्तरों पर छापेमारी कर रही है। ये हथियार तस्करी से जुड़ा मामला बताया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार नामचीन असलहा सप्लायर सर्राफ के ठिकानों पर राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण टीम ने बुधवार देर रात करीब डेढ़ बजे छापेमारी की। टीम ने निझाई मुहल्ला, जिला अस्पताल रोड किनारे नायारा पेट्रोल पंप, चार घरों, सराफा बाजार में गन हाउस व दुकानों पर तलाशी अभियान चलाया है।

वहीं बम निरोधक दस्ता भी एनआईए के साथ पहुंचा था। टीम पेट्रोल पंप के पीछे की पार्किंग की जमीन में तलाशी अभियान चला रही है। इसके साथ ही पेट्रोल पंप कर्मियों से पूछताछ की जा रही है।

सुरक्षा को देखते हुए शहर में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और प्रतिष्ठानों के अंदर दस्तावेज व डिजिटल रिकॉर्ड खंगालने की जानकारी सामने आई। लेकिन अभी तक अधिकारी ने आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है, जिससे कार्रवाई की वजह और अधिक गोपनीय बनी हुई है।

मिली जानकारी के अनुसार सराफा कारोबारी कमल वर्मा तीन भाई हैं। रविकांत वर्मा उर्फ लाले व्यापार मंडल कंछल गुट के जिलाध्यक्ष हैं और प्रांतीय नेता हैं। तीसरा भाई अजयकांत शशि वर्मा है। इनके पिता महेश वर्मा ने सराफा बाजार से कारोबार शुरू किया था। छोटी सी ज्वैलर्स की दुकान थी और गन हाउस था। पेट्रोल बसों का संचालन भी औरैया, कन्नौज, इटावा रूट पर करते थे। कारोबार चमकने के साथ ही उन्होंने कम समय में बड़े कारोबारियों, उद्यमियों में अपना नाम शामिल कर लिया। पुरुलिया आर्म्स ड्राप केस में सैकड़ों एके-47 राइफलें और हजारों गोला-बारूद गिराए गए थे।

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण टीम अभी भी कमल वर्मा के आवास पर दुकानों पर तलाशी कर रही है। घर के बाहर बाहरी फोर्स के साथ जिले की पुलिस सुरक्षा में लगी है। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण टीम ठिकानों पर छापेमारी करते हुए दस्तावेजों को जुटा रही है।

उद्यान विभाग की स्वर्ण जयंती पर गोरखपुर बस्ती मंडल में औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन

गोरखपुर में रूफटॉप गार्डेनिंग योजना का शुभारंभ एवं परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास

लखनऊ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश सरकार के उद्यान विभाग के प्रगति के 50 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में गोरखपुर एवं बस्ती मंडल से संबंधित मंडलीय औद्यानिक उन्नयन गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी के मुख्य अतिथि उद्यान मंत्री दिनेश प्रताप सिंह रहे। गोष्ठी का उद्देश्य क्षेत्र के किसानों, बागवानी उत्पादकों, कृषि उद्यमियों और निर्यातकों को आधुनिक तकनीकों और सरकारी योजनाओं के बारे में जागरूक करना था। इस अवसर पर मंडल के उद्यान विभाग द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई थी जिसका उद्यान मंत्री जी ने अवलोकन भी किया। इस दौरान उद्यान मंत्री ने विभाग द्वारा परियोजनाओं का लोकार्पण,शिलान्यास किया। इसमें राजकीय पौधशाला और क्षेत्र में विभिन्न संपर्क मार्गों से संबंधित कार्य शामिल थे। गोष्ठी के दौरान मंत्री ने उद्यानिक खेती में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने कृषकों तथा कृषि उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र भी प्रदान किया। गोष्ठी में मंत्री ने आज से प्रदेश में रूफटॉप गार्डेनिंग की शुरुआत की। मंत्री ने कहा कि उद्यान विभाग के स्थापना के आज 50 वर्ष पूर्ण हुए है, विभाग के कर्मचारियों तथा अधिकारियों ने औद्यानिक खेती में लगे किसानों के हित में सेवा करते हुए विभाग को ऊंचाइयों पर पहुंचाने कार्य किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उद्यान विभाग उत्तरोतर प्रगति कर रहा है। औद्यानिक खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश सरकार विभिन्न योजनाओं एवं सहायता कार्यक्रमों के माध्यम से लगातार कार्य कर रही है। प्रदेश के सभी जनपदों में हाईटेक नर्सरी में पैदा हुए गुणवत्तापरक पौध किसानों को दिए जा रहे हैं। 2022 से पहले प्रदेश में प्रतिवर्ष केवल 74 लाख नर्सरी पौधे वितरित किए जाते थे, किंतु वर्तमान में यह संख्या 29 करोड़ प्रतिवर्ष पहुंच गई है। प्रदेश सरकार द्वारा औद्यानिक खेती हेतु 1 एकड़ के पॉलीहाउस जिसकी लागत 27 लाख होती है, के निर्माण हेतु 13.5 लाख रुपए के सहायता दी जा रही है। एक एकड़ में अनाज की खेती के तुलना में उद्यानिक खेती में ज्यादा मुनाफा प्राप्त होता है। औद्यानिक खेती को निराश्रित गोवंशों से बचाव हेतु बाड़ लगाने हेतु विभाग द्वारा प्रति किसान को 1.5 लाख रूपये तक दिए जा रहे हैं। औद्यानिक खेती को बढ़ावा देने हेतु विभाग द्वारा ओडीओपी योजना के तर्ज पर 'पर ब्लॉक वन क्रॉप' अभियान चलाया जा रहा है। इसमें प्रत्येक ब्लॉक में एक उद्यान फसल को चिन्हित कर उसके उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री जी ने विभागीय अधिकारियों को प्रत्येक ब्लॉक में वहां की भौगोलिक स्थिति एवं अन्य स्थितियों के अनुसार ही फसल चिन्हित करने का निर्देश दिया। सरकार द्वारा औद्यानिक खेती में माइक्रो इरिगेशन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। किसानों को अनुदान भी दिया जा रहा है। इस दौरान मंत्री जी ने कहा कि औद्यानिक खेती में बहुत ज्यादा स्कोप तथा मुनाफा है। इसमें उच्च शिक्षित बेर-ोजगार युवाओं को भी आगे आना चाहिए। वे तकनीक तथा वैज्ञानिक पद्धति से कार्य करके इसमें काफी मुनाफा कमा सकते हैं। आज औद्यानिक खेती के माध्यम से एक एकड़ की खेती में 15 लाख तक मुनाफा कमाया जा रहा है। केंद्र सरकार तथा राज्य सरकार इसके लिए कई प्रकार की सहायता भी कर रही है।

वर्तमान समय में बाजार की मांग को देखते हुए औद्यानिक खेती का महत्व लगातार बढ़ता जा रहा है। उद्यान कृषि के उत्पादों के निर्यात तथा प्रसंस्करण के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है।

कोई जिहादी धमकी न दे, देश में कानून का राज : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। जमीयत-उलेमा-हिंद के प्रमुख मौलाना मदनी के जिहाद पर दिए बयान को लेकर सियासत तेज है। समाजवादी पार्टी के सांसद मोहिबुल्लाह नदवी ने भी मदनी के बयान का समर्थन किया है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को इस पर निशाना साधा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने आईएएनएस से बात करते हुए कहा, मदनी, सपा सांसद और समाजवादी पार्टी की सोच एक जैसी है। भारत में अब कोई जिहाद की धमकी न दे। देश में तुष्टिकरण करने वाली कांग्रेस और कांग्रेस की अगुवाई वाली सरकार नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के अंदर लगातार सबका साथ, सबका विकास और सबको सम्मान देते हुए कानून का राज चल रहा है। उन्होंने कहा, जो लोग जिहाद की धमकी देने का काम कर रहे हैं, उन्हें समझ लेना चाहिए कि जिहाद की धमकी का जवाब देश की जनता देना जानती है। जब चुनाव होंगे तो समाजवादी पार्टी और मदनी जैसे बयान के समर्थन में खड़ी होने वाली पार्टियों को जनता जवाब देगी।

केशव प्रसाद मौर्य ने घुसपैठियों को लेकर कहा, उत्तर प्रदेश, देश का कोई राज्य, या भारत हो, घुसपैठियों के लिए कोई धर्मशाला नहीं है। घुसपैठियों का पता लगाया जाना चाहिए और वे देश से आए हैं, उन्हें वहां पर वापस भेजना चाहिए। केंद्रीय गृहमंत्री ने स्पष्ट कहा है कि घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी।

उन्होंने मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर हो रहे विवाद पर कहा, सपा की राजनीति अंधकारमय हो गई है। वह मुंगेरीलाल के हसीन सपने देख रहे थे कि 2027 में सत्ता में आ जाएंगे, लेकिन अब वह 2047 तक सत्ता के आस-पास भी नहीं आएंगे। एसआईआर मतदाताओं के शुद्धिकरण के लिए है। हम इसका स्वागत करते हैं। जो विरोध कर रहे हैं, उन्हें मुंह की खानी पड़ेगी, क्योंकि जनता एसआईआर के विरोध के समर्थन में नहीं है।

कांग्रेस नेता द्वारा पीएम मोदी के एआई-जनरेटेड वीडियो बनाने पर केशव प्रसाद मौर्य ने कहा, कांग्रेस की गाली का जवाब देश की जनता देती है। पीएम मोदी हमेशा कहते हैं कि गाली का जवाब गाली से नहीं देंगे। उनकी गाली का जवाब देश की जनता कमल खिलाकर देगी। जहां भाजपा है, वहां पर वे और मजबूत होंगे और जहां पर नहीं है, वहां पर हमारी सरकार बनेगी।

यूपी: मुकीम काला गैंग के कुख्यात पर प्रशासन का शिकंजा, 6 करोड़ की अवैध संपत्ति कुर्क

शामली,04 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के शामली जिले के कैराना और आसपास के इलाकों में गुरुवार को पुलिस प्रशासन की बड़ी कार्रवाई देखने को मिली। प्रशासन ने लंबे समय से अपराध जगत में सक्रिय मुकीम काला गैंग के कुख्यात सदस्य इनाम उर्फ धुरी की करीब 6 करोड़ रुपए मूल्य की अवैध संपत्ति को प्रशासन ने कुर्क कर लिया। अधिकारियों के अनुसार, धुरी ने अलग-अलग अपराधों से अवैध तरीके से कमाए धन को मकानों और दुकानों में निवेश कर भारी संपत्ति इकट्ठा की थी। गूरुवार सुबह कैराना एसडीएम, सीओ और कई थानों की पुलिस की संयुक्त टीम तीन स्थानों पर पहुंची और कार्रवाई शुरू की। इस दौरान कैराना बाजार क्षेत्र में इनाम धुरी की एक दर्जन से अधिक दुकानों को सील कर कुर्क किया गया। साथ ही, उसका आलीशान मकान को भी प्रशासन ने कब्जे में ले लिया। कार्रवाई के दौरान भारी पुलिस बल तैनात रहा ताकि कानून-व्यवस्था बनी रहे और किसी तरह की बाधा न आए।

अधिकारियों ने बताया कि इनाम उर्फ धुरी के खिलाफ 41 आपराधिक मामले दर्ज हैं। इनमें लूट, हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी, अवैध हथियार रखना और मारपीट जैसे गंभीर अपराध शामिल हैं। धुरी पर आरोप है कि वह कैराना और आसपास के व्यापारियों से रंगदारी वसूला करता था और गैंग के जरिए इलाके में भय का माहौल बनाए रखता था। उल्लेखनीय है कि तीन महीने पहले पुलिस ने मुठभेड़ में उसे घायल कर गिरफ्तार किया था, जिसके बाद से वह जेल में है।यह कार्रवाई गैंगस्टर एक्ट के तहत की गई है। अधिकारियों का कहना है कि अपराध से कमाई गई किसी भी अवैध संपत्ति को बख्शा नहीं जाएगा और आगे भी अपराधियों पर इसी प्रकार की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

कुर्की की इस कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में स्थानीय लोगों की भीड़ इकट्ठा हो गई। लोग प्रशासन की इस कार्रवाई को अपराधियों के खिलाफ एक सख्त संदेश के रूप में देख रहे हैं। पुलिस का दावा है कि इस इनाम धुरी की संपत्ति कुर्क करने से उसके गैंग की आर्थिक कमर टूटेगी और आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

इको-फ्रेंडली सुविधाओं से बदल रही यूपी के जंगलों की तस्वीर

वन , सिंचाई सहित कई विभागों से समन्वय कर विकसित की जा रही पर्यटन सुविधाएं : जयवीर

लखनऊ,04 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में वन्य जीव संरक्षण और इको टूरिज्म की तस्वीर तेजी से बदल रही है। दुर्लभ वन्य जीव प्रजातियों के सुरक्षित आवास, प्राकृतिक परिदृश्य का संरक्षण और पर्यावरण अनुकूल पर्यटन सुविधाओं के विस्तार ने राज्य को प्रकृति प्रेमियों का नया पसंदीदा गंतव्य बना दिया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि वन, सिंचाई सहित अन्य विभागों से समन्वय कर पर्यटकों के लिए आकर्षक सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। हमारा प्रयास वन्य जीव संरक्षण को सुदृढ़ कर स्थानीय समुदाय को आजीविका के नए अवसरों से जोड़ना है।यूपी में गैंडा, बाघ, बारहसिंघा, घड़ियाल जैसे दुर्लभ वन्यजीव न सिर्फ सुरक्षित हैं बल्कि उनके लिए वातावरण भी विकसित किया गया है। दुधवा, पीलीभीत, कतर्नियाघाट, अमानगढ़, सोहगीबरवा जैसे वन क्षेत्र पर्यटकों को विशेष अनुभव प्रदान करते हैं। तराई, ब्रजभूमि, गंगा नदी का क्षेत्र,बुंदेलखंड और विंध्य वनक्षेत्र हर इलाके में जैव विविधता के संरक्षण, सतत पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने निरंतर कार्य किया है।

इको-टूरिज्म विकास बोर्ड ने पिछले तीन वर्षों में 161 करोड़ रुपए से अधिक की राशि खर्च कर विभिन्न प्राकृतिक स्थलों पर पर्यटन सुविधाएं विकसित की हैं। इनमें मार्ग सुधार, कैफेटेरिया, इको-फ्रेंडली विश्राम स्थलों, गजिबो, नेचर ट्रेल, बर्ड वॉचिंग स्थान और बच्चों के लिए खेलने के क्षेत्र जैसी सुविधाएं शामिल हैं। इनका विकास पर्यावरण-संवेदनशील तरीके से किया गया है ताकि प्राकृतिक संतुलन के साथ पर्यटन को बढ़ावा दिया जा सके। पिछले तीन वर्षों में स्वीकृत परियोजनाओं में 2022-23 में 21.04 करोड़ रुपए, 2023-24 में 68.56 करोड़ रुपए तथा वर्ष 2024-25 में 72.30 करोड़ रुपए व्यय हेतु स्वीकृत किए गए। यह निरंतर बढ़ता निवेश राज्य की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करता है।उधर वन विभाग के सतत प्रयासों से वन्य जीवों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है, जिसने पर्यटकों को खासा आकर्षित किया है। 2022 की वन्य पशु गणना रिपोर्ट वन्यजीव संरक्षण की सफल कोशिशों की पुष्टि करती है। आंकड़ों के अनुसार दुधवा नेशनल पार्क में 65 हजार से अधिक, कतर्नियाघाट वन्यजीव अभयारण्य में करीब 12 हजार और बफर जोन में 14 हजार से अधिक वन्य प्राणी दर्ज किए गए। 2025 में उत्तर प्रदेश के संरक्षित क्षेत्रों में वन्य जीवों की संख्या में अभूतपूर्व वृद्धि दर्ज की गई है। नवीनतम सर्वेक्षण के अनुसार दुधवा टाइगर रिजर्व में वन्य जीव संख्याबढ़कर 1.13 लाख से अधिक, कतर्निया वन्य जीव प्रभाग में 17 हजार से अधिक और बफर जोन में 15 से अधिक तक पहुंच गई। यह जैव-विविधता संरक्षण प्रयासों की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि है।2022 में दुधवा, कतर्निया, बफर जोन में गुलदार,तेंदुआ की संख्या 92 थी, जो 2025 में बढ़कर 275 हो गई। गैंडों की संख्या जहां पूर्व में 49 थी, 2025 में बढ़कर 66 हो गई है। वन्य जीवों की बढ़ती संख्या प्रदेश में संरक्षण प्रयासों के सकारात्मक परिणामों को दर्शाती है। इको टूरिज्म को गुणवत्तापूर्ण और समृद्ध अनुभव बनाने के लिए दुधवा, पीलीभीत और कतर्नियाघाट क्षेत्रों में नेचर गाइड्स को प्रशिक्षण दिया गया है। थारू जनजाति को पर्यटन से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहलें की गई हैं। उनके पारंपरिक खानपान और संस्कृति को सैलानियों तक पहुंचाने की योजनाएं लागू हैं। स्थानीय निवासियों को होम स्टे विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है, जिससे ग्रामीणों की आय बढ़े और पर्यटकों को स्थानीय जीवनशैली का वास्तविक अनुभव मिल सके।उत्तर प्रदेश सरकार का प्रयास है कि वन्यजीव संरक्षण और इको-टूरिज्म एक-दूसरे के पूरक बनकर राज्य के समग्र विकास में योगदान दें। प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखकर, स्थानीय समुदायों को सशक्त बनाकर और पर्यटकों को विश्वस्-तरीय सुविधाएं देकर उत्तर प्रदेश आने वाले वर्षों में देश का प्रमुख इको-टूरिज्म हब बनने की दिशा में अग्रसर है।

मेकअप को लेकर आपने भी की होंगी ये 6 गलतियां..

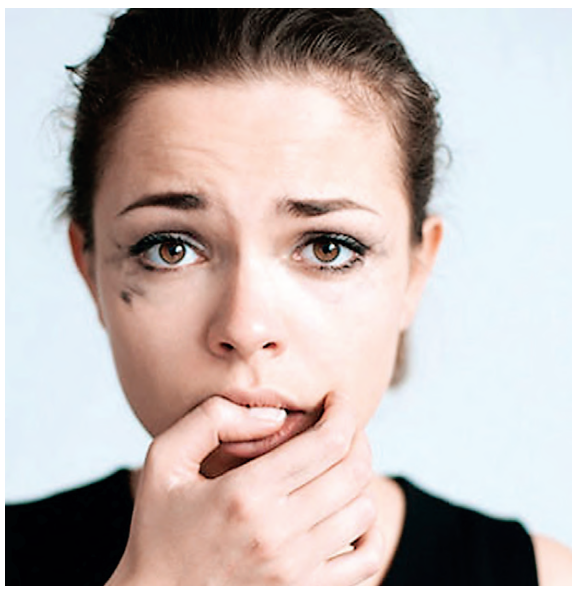

20वां साल हमारी जिंदगी का सबसे उम्दा साल होता है, इस दौरान हम जमकर एक्सपेरिमेंट करते हैं, जो अपने साथ कई तरह के फायदे और नुकसान लेकर आते हैं. वैसे तो हम किसी भी स्टाइल को ट्राई करने के लिए स्वतंत्र हैं, लेकिन इस चक्कर में कई बार हमसे कई तरह की गलतियां भी हो जाती हैं, क्योंकि हम ये समझ ही नहीं पाते कि हमारे ऊपर क्या चजेगा और क्या नहीं. आइए जानते है इस उम्र में हम किस तरह की गलतियां करते हैं.

फैशन में सबसे ज्यादा हम शिकार होते हैं गलत मेकअप के. अकसर गर्ल्स मार्केट में ट्रेंड कर रहे और उनकी फ्रेंडस द्वारा पंसद किए जा रहे प्रोडक्ट्स को इस्तेमाल करना शुरू कर देती हैं. कोई भी ब्यूटी प्रोडक्ट ट्राई करने से पहले अपनी स्किन टोन और टाइप को जरूर ध्यान में रखें. अगर आपकी स्किन ऑयली है तो क्रीम बेस्ड फाउंडेशन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें. आपके मेकअप का बेस कितना ही महंगा क्यों न हो अगर यह सही से अप्लाई किया गया तो आपका फेस काफी अजीब लगेगा.

अकसर हम फेस पर प्राइमर नहीं लगाते. ध्यान रहे डार्क सर्कल्स को छिपाने के लिए प्राइमर में कंसीलर मिक्स करके लगाएं.बहुत कम लोग होते हैं जिनकी आईब्रोज घनी होती हों. अब इसका मतलब ये नहीं है कि आप अपने आप इसे घनी करने की कोशिश करें. अकसर गर्ल्स आईब्रोज को घनी दिखाने के लिए इनपर काफी डार्क आईब्रो पैंसिल लगाती हैं. आप भले ही

बालों के लिए

यह सुनिश्चित कर लें कि इसे एनगुलर ब्रश से पूरी आईब्रो पर फैला लिया जाए.जिन भी गर्ल्स को लॉन्ग हेयर पसंद है उनके लिए ट्रीमिंग अनिवार्य है. बालों को लम्बाई बनाए रखने के लिए अकसर हम हेयरकट को अवॉइड करते हैं. लेकिन इससे न केवल बाल दोमुंहे होने लगते हैं बल्कि इनकी ग्रोथ भी रुक जाती है. ऐसे में कुछ समय के अंतराल पर बालों की ट्रीमिंग कराते रहें.ध्यान रहे ब्रोन्जर आपके पूरे फेस पर अप्लाई करने के लिए नहीं होता. इसे सिर्फ अपने माथे और नाक के साइड में लगाना चाहिए. अपने चिक-बोन्स, नाक के बीच में और आई लिड्स पर हाइलाइटर लगाएं.मेकअप का मतलब ये नहीं है? कि आप अपने फेस के हर हिस्से को हाईलाइट करें. बोल्ड आई मेकअप के साथ ब्राइट लिप शेड्स सही नहीं लगता. कोशिश करें कि आपकी आंखों और लिप्स में से कोई एक ही हाईलाइट हो.

दरिद्रता को दूर करेंगे, ये 14 वास्तु टिप्स

दरिद्रता की मानसिकता का सबसे बड़ा लक्षण आत्मविश्वास का अभाव है। दरिद्रता का दर्द संसार में सबसे अधिक दुख दाई है। इसलिए इन आसान से उपाये आजमाकर दरिद्रता को दूर किया जा सकता है।

■ यदि प्रवेश द्वार जमीन से रगड खाता हुआ खुले या बंद हो तो बहुत कष्ट के बाद धन आगमन होता है।

■ उत्तर दिशा की ओर ढलान जितनी अधिक होगी संपत्ति में उतनी ही वृद्धि होगी।

■ यदि कर्ज से अत्यधिक परेशान हैं तो ढलान ईशान दिशा की ओर करा दें, कर्ज से मुक्ति मिलेगी।

■ उत्तर-पूर्व भाग में भूमिगत टैंक या टंकी बनवा दें। टंकी की लम्बाई, चौड़ाई व गहराई के अनुरूप आय बढ़ेगी।

■ आग्नेय कोण में धन रखने से आमदनी से ज्यादा खर्चे बढ़ जाते हैं तथा कर्जे की स्थिति बनती है

■ दो उचे भवनों घिरा हुआ भवन या भारी भवनों के बीच दबा हुआ भवन भूखण्ड खरीदने से बचें क्योंकि दबा हुआ भवन भूखंड गरीबी एवं कर्ज का सूचक है।

■ दक्षिण-पश्चिम व दक्षिण दिशा में भूमिगत टैंक, कुआँ या नल होने पर घर में दरिद्रता का वास होता है।- पूर्व तथा उत्तर दिशा में भूलकर भी भारी वस्तु न रखें अन्यथा कर्ज, हानि व घाटे का सामना करना पड़ेगा।

■ कोई भी कोना कटा हुआ न हो, न ही कम होना चाहिए। गलत दीवार से धन का अभाव हो जाता है।

■ भवन के मध्य भाग में अंडर ग्राउन्ड टैंक या बेसटैंक न बनवाएं।

■ घर में टूटे बर्तन व टूटी हुई खाट नहीं होनी चाहिए, न ही टूटे-फूटे बर्तनों में खाना खाएं। इससे दरिद्रता ब?ती है।

■ वास्तुशास्त्र के अनुसार ईशान ऊंचा हो और नैत्रृत्य कोण नीचा हो तो निर्धनता रहती है।

■ इशान दिशा में सीढियां न हों।

■ मकान का मध्य भाग थोड़ा ऊँचा रखें। इसे नीचा रखने से बिखराव पैदा होगा।

■ यदि उत्तर दिशा में ऊंची दीवार बनी है तो उसे छोटा करके दक्षिण में ऊंची दीवार बना दें।

इन छटपट रेसिपी से जीत लें अपने परिवार का दिल...

कहते हैं किसी का दिल जीतने का रास्ता उसके पेट से होकर गुजरता है. ऐसे में कई बार समय की मारामारी में हमारे पास इतना समय ही नहीं होता कि हम कुछ अच्छा बना पाएं. अगर आप भी इन दिनों इस समस्या से परेशान हैं, तो जनाब परेशान न हों, नीचे दी गई इन रेसिपी को ट्राई जरूर करें.

बीन्स और तिल की सलाद : बीन्स को तिरछा 2 बराबर भागों में काट लें.अब इनमें नमक और लाल मिर्च डालकर भाप में पकाएं.अब तेल में तिल डालकर भूनें.इसके बाद इसमें स्टीम्ड बीन्स भी डालकर भून लें.बीन्स और तिल की सलाद तैयार है.

ढोकला: बेसन, नींबू का रस, चीनी और हल्दी का मिश्रण तैयार करें.अब काला नमक, बेकिंग पाउडर पानी में मिलाकर इसमें डाल दें.इस मिश्रण को 15-20 मिनट तक भांप में पका लें.अब सरसों, कड़ी पत्ता और मिर्च का तड़का पके ढोकले पर छिड़क दें और परोसें.

पौष्टिक रोटी: गेंहू के आटे और बेसन को छान लें.उबले आलू को मैश कर लें.अब इसमें बारीक कटी हरी मिर्च, पालक, गाजर, दही और नमक मिलकार रोटी में भरकर सेक लें.गर्मागर्म रोटी दही या चटनी के साथ सर्व करें.

कुकीज: चीनी, मक्खन, दूध मिलाकर 10 मिनट तक पका लें.अब अलग से जई के आटे में नारियल, मूंगफली, मक्खन और वेनिला एसेन्स मिलाएं.दोनों मिश्रण आपस में मिला लें.मिश्रण के गोल हिस्से बनाकर ठंडा होने पर परोसें.

चना चाट: एक बड़े बाउल में चने, टमाटर, प्याज, उबले हुए आलू, हरी मिर्च और उबली हुई मटर मिला लें.अब इसमें नमक, लाल मिर्च और चाट मसाला भी डाल दें.इसमें अनार के दाने, नींबू का रस, पुदीने की चटनी और इमली की चटनी डालकर धनिये से सजाकर सर्व करें.

अंकुरित चाट: आधा कप कटे हुए प्याज, एक कप कटे टमाटर, एक कटी हुई हरी मिर्च, 1 कप अंकुरित दाल को आपस में मिला लें.अब इसमें नमक और नींबू का रस मिलाकर परोसे और मजा लें हेल्दी डाइट का.

ब्रेड उपमा: एक पेन में तेल गर्म करें.अब इसमें जीरा, 2 कटी हुई हरी मिर्च, 1 कटा हुआ प्याज, 1 कटा हुआ टमाटर, नमक, 2 कप ब्रेड के टुकड़े डालकर 2 मिनट तक पकाएं.अब हरा धनिया और हरी मिर्च के साथ गार्निश कर परोसें.

दूध वड़ा: दूध में चावल का आटा इस तरह मिलाएं कि उसमें गांठ ना आए.अब पेन में इसे धीमी आग पर पकाएं.जब यह मिश्रण गाढ़ा हो जाए तो आग से उतारकर ठंडा करें.अब हाथ पर थोड़ा-सा तेल लगाकर मिश्रण के छोटे-छोटे पेड़े बनाएं.घी गर्म कर इन पेडों को गुलाबी तल लें.ऊपर से पिसी चीनी डाल कर परोसें.

ब्रोकली पराठा: हल्दी पावडर, गर्म मसाला और हरी मिर्च को मिलाकर पेस्ट बना लें.अब एक कटोरी में आटा, कटे प्याज, कटी ब्रोकली, लहसुन और नमक मिला लें.अब इसमें हल्दी, गर्म मासाला और हरी मिर्च मिलाकर पानी की मदद से आटे की तरह गूंथ लें.अब इसे चपाती की तरह बेलें और पराठे की तरह पका लें.

शिमला मिर्च,मशरूम फ्राई : बारीक कटे प्याज, अदरक और हरी मिर्च को तेल में भून लें.अब इसमें लंबी कटी शिमला मिर्च और मशरूम डालकर पकाएं.अब इसमें लाल मिर्च डालकर 2 मिनट तक पकाएं.इसमें टमाटर की सॉस डालकर 2 मिनट और पकाने के बाद गर्मागर्म परोसें.

सेहत के लिए काफी फायदेमंद है चुकन्दर

चुकन्दर सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। चुकन्दर ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रण में रखने से लेकर आपका सेक्सुअल स्टैमिना तक बढ़ाता है। ये एक नेचुरल फूड कलर के रूप में भी काम करता है। चुकन्दर को आप सलाद, जूस या हलवा किसी भी रूप में ले सकते हैं। जानिये इस खूबसूरत रंग वाली सब्जी से आप क्या क्या लाभ उठा सकते हैं।

चुकन्दर नाइट्रेट्स का एक अच्छा स्रोत है, इसका सेवन किए जाने पर ये नाइट्राइट्स और एक गैस नाइट्रिक ऑक्साइड्स में बदल जाता है। ये दोनों तत्व धमनियों को चौड़ा करने और ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। शोधकर्ताओं ने ये भी पाया है कि हर रोज़ 500 ग्राम चुकन्दर खाने से लगभग 6 घंटे में व्यक्ति का ब्लड प्रेशर घट जाता है।

चुकन्दर में काफी मात्रा में फाइबर, फ्लेवेनॉइड्स और बेटासायनिन होता है। बेटासायनिन की वजह से ही चुकन्दर का रंग लाल-बैंगनी होता है। यह एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह एलडीएल कोलेस्ट्रॉल का ऑक्सीकरण कम करने में मदद करता है जिसकी वजह से यह धमनियों में नहीं जमता। इससे दिल के दौरे का जोखिम कम हो जाता है।

चुकन्दर में उच्च मात्रा में फॉलिक एसिड पाया जाता है। यह पोषक तत्व गर्भवती महिलाओं और उनके अजन्म बच्चों के लिए महत्वपूर्ण होता है क्योंकि इससे अजन्म बच्चे का मेरुदंड बनने में मदद मिलती है। चुकन्दर गर्भवती महिलाओं को अतिरिक्त ऊर्जा देता है। चुकन्दर में मिनरल सिलिका मौजूद होता है। इस तत्व की वजह से शरीर कैल्शियम को प्रभावी रूप से इस्तेमाल कर पाता है। कैल्शियम हमारे दांतों और हड्डियों के स्वास्थ्य के लिए जरूरी होता है। इसलिए दिन में एक ग्लास चुकन्दर का जूस पीने से आप आस्टिओपरोसिस और हड्डियों व दांतों की दूसरी समस्याओं से बचे रह सकते हैं।

जिन लोगों को डायबिटीज़ होती है वो चुकन्दर खाकर अपने मीठे की तलब मिटा सकते हैं। इसको खाने का फायदा ये होता है कि मीठे की तलब पूरी होने पर भी ये आपका ब्लड शुगर लेवल नहीं बढ़ाता क्योंकि ये ग्लाइसेमिक इंडेक्स वेजिटेबल है। इसका अर्थ ये है कि ये खून में बहुत धीरे-धीरे शुगर रिलीज़ करती है। इसमें बहुत कम कैलोरी होती है और इसका फैट-फ्री होना भी इसे डायबिटीज़ के मरीजों के लिए परफेक्ट वेजिटेबल बनाता है।

घर में धनलाभ लाते हैं स्वास्तिक के ये 5 उपाय

स्वास्तिक का निशान मंगलकारी और सौभाग्य का सूचक माना जाता है। स्वास्तिक हर दिशा में एक जैसा दिखता है। स्वास्तिक को घर में रखने से नकारात्मक ऊर्जा भी घर में नहीं रहती और व्यक्ति सफलता प्राप्त है। इसे घर में रखने से हर प्रकार के वास्तु दोष दूर हो जाते हैं। कहा जाता है कि घर में कोई भी शुभ काम करते स्वास्तिक बनाना अच्छा माना जाता है। स्वास्तिक से धनलाभ के योग भी बनते हैं. लेकिन इसके लिए स्वास्तिक के कुछ उपाय करने होते हैं। आज हम आपको बताएंगे स्वास्तिक के कुछ उपाय जिससे आपके घर में सकारात्मकता तो आएगी ही साथ ही मां लक्ष्मी भी आपसे खुश होंगी।

1. दिवाली के दिन या फिर किसी भी शुभ काम के दिन घर के बाहर सिंदुर से स्वास्तिक बनाना चाहिए। इसके अलावा तिजोरी, पूजा के कमरे और ऑफिस में भी इसे बनाना शुभ माना जाता है। कहा जाता है कि इससे देवी लक्ष्मी खुश होती हैं और घर में धनवर्षा होती है।

2. घर में कोई भी विशेष पूजा हो तो इस बात का ध्यान रखें कि स्वास्तिक बनाकर ही उस पर देवी-देवता पर को बैठाया जाए। कहा जाता है कि इस प्रकार पूजा करने से देवी-देवता प्रसन्न होकर इच्छा पूरी करते हैं।

3. शास्त्रों की मानें तो स्वास्तिक को मां लक्ष्मी का स्वरुप माना गया है। कहा जाता है कि घर के मुख्य द्वार पर स्वास्तिक बनाना चाहिए। इसके अलावा मंदिर में पहले स्वास्तिक बनाकर उस पर चावल का ढ़ेर लगाकर उस पर सुपारी रखी जाए तो इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होती हैं।

4. घर की उत्तर-पूर्व दिशा बहुत महत्वपूर्ण होती है। इसे भगवान कुबेर की दिशा भी कहा जाता है। इसलिए घर की इस दिशा में हल्दी से स्वास्तिक बनाना चाहिए। इससे घर में सुख-समृद्धि आती है।

5. सभी के घर में देव स्थान होता है। इस स्थान में पहगले लाल रंग के कुमकुम से स्वास्तिक बनाना चाहिए और फिर पांच प्रकार के अनाज को रखकर दीपक जलाकर उनका स्मरण करने से सभी तरह की मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

इस आलेख में दी गई जानकारियों पर हम यह दावा नहीं करते कि ये पूर्णतया सत्य व सटीक हैं तथा इन्हें अपनाने से अपेक्षित परिणाम मिलेगा। इन्हें अपनाने से पहले संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञ की सलाह जरूर लें।

व्यस्त लाइफ में स्वस्थ्य रहने के 7 टिप्स

आप नौकरी करते हैं? आपके पास समय की काफी कमी हो सकती है। खासकर एक्टिव रहना और फिजिकल एक्टविटी को बनाये रखना मुश्किल होता है? जो लंबी उम्र और हेल्दी लाइफ के लिए प्रमुख है। आप एक दिन में 12 घंटे से ज्यादा काम करते हों। आप अपने डे-टू-डे कार्यो में थोड़ा बदलाव करके मानसिक और शारीरिक हेल्थ को बेहतर बनाये रख सकते हैं। एक या दो दिनों में आप अपने लाइफस्टाइल में पूरी तरह से बदलाव नहीं कर सकते हैं। रोज थोड़ा-थोड़ा अपने रूटिन में बदलाव करें जिससे आपमें बड़ा बदलाव दिखेगा। सचमुच हेल्दी लाइफस्टाइल आपके कार्यों में प्रगति लाएगा।

डॉ. गौरी कुलकर्णी ने कुछ टिप्स बताए जो आपको हेल्दी बनाये रख सकता है जिससे आपके करियर में सफलता मिलेगी।

वाक द टॉक- आप अपने दिनचर्या में वॉक करें। हर जगह वॉक करें, जब आप फोन से बात करते हैं तभी वॉक करें, अपने ऑफिस के कुछ मीटर पहले पार्क करें, एलिवेटर के बदले सीढियों का इस्तेमाल करें, जहां आप बस से रोज उतरते हैं वहां से एक स्टॉप पहले उतरें और वहां से पैदल अपने गंतव्य तक पहुंचे। ऐसा नहीं कहें कि व्यायाम के लिए समय नहीं है।

कुछ देर धूप में रहें- धूप सेकें। सूर्य की किरणों को अपने शरीर के खुले हिस्से में अच्छी तरह पहुंचने दें। सूर्य की किरणों से हमें विटामिन डी प्राप्त होता है। हमारा शरीर सूर्य से विटामिन डी ग्रहण करता है और विटामिन डी बनाता है। धूप हमें पूरे दिन एक्टिव और हैप्पी बनाये रखता है।

फल खाएं- हम बचपन से सुनते आये हैं कि रोज एक सेब खाएंगे तो डॉक्टर से रहेंगे हमेशा दूर! यह समय है इसे अपने रूटिन में शामिल करने का। फल में बेहतरीन विटामिन्स और मिनरल्स पाया जाते हैं। रोज एक फल जरूर खाएं। एक दिन में एक कलर के फल को चुनें। उदारहण के लिए, अगर आप ग्रीन फूट का चयन करते हैं तो आप ग्रीन सेब खाएं। उसी तरह दूसरे कलर भी।

किक द बट- स्मोकिंग हेल्थ के लिए किसी तरह से फायदेमंद नहीं है। हम बहुत सुन चुके हैं कि स्मोकिंग कितना हानिकारक है। इसलिए स्मोकिंग छोड़े।

पानी पीएं- प्रचुर मात्रा में पानी पीएं। पानी आपके स्किन, बाल और स्वास्थ्य के लिए अमृत के समान है। पानी आपके बाल और स्किन के लिए महंगे प्रोडक्ट्स बहुत ही बेहतर है। रोज प्रचुर मात्रा में पानी पीना चाहिए। यह आपके अतिरिक्त कैलोरी को बर्न करने में भी मदद करेगा।

बच्चे बनें-रोज बच्चों की तरह एक्टिविटी करें। इधर-उधर जंप करें, नाव बनाएं, शॉवर में गाना गाएं, हॉप, स्कीप, और जंप करें। ऐसा करें जैसे बच्चे करते हैं। तनाव को स्मार्ट तरीक से खत्म करें। बच्चों देखें और सीखें।

अच्छी तरह सोना-रोज पूरी नींद से सोने से आपके हेल्थ बेहतर रहेंगे। आप अपने व्यस्त लाइफ में रोज कम से कम 8 घंटे सोने का प्रयास करें। जितना अधिक सोएंगे उतना अधिक प्रोडक्टिव होंगे।

स्वस्थ्य रहने के लिए आज अपने लाइफस्टाइल में सुधार करें।

मंत्रमुग्ध कर देगी चमोली की खूबसूरत फूलों की घाटी

उत्तराखंड में चमोली (गढ़वाल) जिले और नेपाल-तिब्बत के बार्डर से घिरी है बेहद खूबसूरत फूलों की घाटी फ्लावर नेशनल पार्क। मानसून में यहां गजब का दृश्य होता है। हिमालय की ऊंची घाटियों में स्थित इस पार्क में लगभग 300 तरह के एलपाइन फूल पाए जाते हैं। जिससे बर्फ से ढंके पहाड़ों के आगे ऐसा लगता है मानो रंग-बिरंगी कालीन बिछी हों। लगभग 55 मील में फैले इस पार्क को 1982 में राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिला। यह उद्यान नंदी देवी नेशनल पार्क के पास ही है। यह दिल्ली से 595 किलोमीटर दूर है।

फूलों की यह घाटी जून से लेकर सितंबर तक खुलती है। बाद में यह पूरी घाटी बर्फ से ढंक जाती है। अगर यहां के फूलों का खूबसूरत नजारा देखना चाहते हैं, तो जुलाई से अगस्त तक का समय सबसे बेहतर है। यहां की पहली बारिश के बाद फूलों की खूबसूरती देखते बनती है। जुलाई से पहले इस घाटी में एक भी फूल नहीं खिलता। इस समय पहाड़ों से पिघलती बर्फ का आनंद लिया जा सकता है। जुलाई से अगस्त तक यह घाटी फूलों से भर जाती है पर अगस्त खत्म होते-होते फूल अपने आप ही पीले पड़ने लगते हैं और धीरे-धीरे मुरझा जाते हैं। मौसम की बात करें, तो यहां की रात और सुबह काफी ठंड होती है।

हालांकि इस घाटी की चढ़ाई काफी मुश्किल है मगर यहां आकर ऐसा लगता है मानो आप किसी जादू की नगरी में आ गए हैं। चारों तरफ का वातावरण सुकून और शांति प्रदान करता है। वैली ऑफ फ्लावर के रास्ते में अनगिनत फूल अपनी खूबसूरती से आपका मन मोह लेंगे। ऐसा प्रतीत होता है मानो उस घाटी में जाने के लिए फूल आपका स्वागत कर रहे हों।

फूलों के अलावा यहां ऐसे जानवर देखे जा सकते हैं, जो लगभग विलुप्त हो रहे हैं। जैसे स्नो-लेपर्ड, ब्राउन बीयर, ब्लू शीप, एशियाटिक ब्लैक बीयर। 1882 में इसे राष्ट्रीय उद्यान का दर्जा मिलने के बाद अब यह बर्ल्ड हेरिटेज साइट भी बन गया है। वहां के निवासी यह मानते हैं कि फूलों की घाटी में परियों का निवास है। यह ट्रेकिंग के लिए भी अच्छी जगह है।

1931 में इस जगह की खोज ब्रिटिश माउनटेनियर्स ने की थी और उन्होंने ही इस खूबसूरत घाटी वैली आफ फ्लावर्स नाम दिया था। उन्होंने इस पर किताब भी लिखी थी।

इस घाटी से सबसे नजदीक शहर है जोशीमठ। जहां से आप सड़क से सीधे हरिद्वार और देहरादून जा सकते हैं। जोशीमठ से थोड़ी दूर है गोविंद घाट, जहां से ट्रेकिंग की शुरूआत होती है। 14 किलोमीटर ट्रेकिंग के बाद ट्रेकर्स इस घाटी से तीन किलोमीटर पहले धनगारिया पहुंचते हैं।

इस उद्यान में खूबसूरत फूलों के अलावा कई औषधीय पौधे भी हैं। इसलिए बॉटनिस्ट भी यहां अध्ययन के लिए आते रहते हैं।

नेशनल फ्लावर पार्क ऋषिकेश से 276 किलोमीटर दूर है। नजदीकी हवाई अड्डा देहरादून में है। सबसे नजदीक रेलवे स्टेशन ऋषिकेश में है। यहां जून से सितंबर तक कभी भी जा सकते हैं।

इन चीजों को खाली पेट खाने की गलती न करें वरना...

अगर आप सुबह उठ कर नाश्ते में कुछ भी खा लेते हैं, तो आपको यह समझना होगा कि इससे आपका पेट खराब हो सकता है और पाचन क्रिया पर असर पड़ सकता है। हर चीज को खाने का एक समय और एक मात्रा तय होती है। इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए।

दही, कच्चे टमाटर, केले और दूसरी कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें खाली पेट खाना ठीक नहीं होता। सुबह-सुबह खाली पेट मसालेदार खाना खाने से पेट में एसिड बनता है और पेट संबंधित कई बीमारियां हो जाती हैं। आइए जानते हैं कि सुबह खाली पेट किन चीजों से परहेज करना चाहिए-

पेस्ट्री और केक : अगर आप ऐसी चीजें खाएंगे जिसमें ईस्ट की मात्रा ज्यादा होती है, तो आपका पेट पूरे दिन फूला रहेगा।

दही : खाली पेट दही खाने से पेट में हाइड्रोक्लोरिक एसिड बनता है जिससे लैक्टिक एसिड वाला बैक्टीरिया खत्म हो जाता है और आपके बैक्टीरियल सिस्टम को नुकसान पहुंचता है।

नाशपाती : नाशपाती में कुछ कच्चे फाइबर होते हैं, जिसे खाली पेट खाने से श्लेष्मा झिल्ली को चोट पहुंच सकती है।

टमाटर : टमाटर में काफी मात्रा में टैनिक एसिड होता है। खाली पेट इसे खाने से गैस्ट्रिक अल्सर हो सकता है।

खीरा और अन्य हरी सब्जियां : कच्ची सब्जियों में अमीनो एसिड होता है। इससे सीने की जलन और पेट दर्द हो सकता है।

कार्बोनेटेड ड्रिंक : खाली पेट इसे पीने से श्लेष्मा झिल्ली को चोट पहुंचत सकती है। इससे ब्लड की सप्लाई भी घटती है और खाना पचने में काफी समय लेता है।

केला : केले में मैग्नीशियम होता है जिससे खून में एक तत्व झट से बढ़ जाता है। इस वजह से यह दिल के लिए

संपादकीय

एसआईआर एक घातक ड्रामा

क्या संसद में भी 'ड्रामा' होता है? बेशक हमने संसद के भीतर हंगामे, हुल्लड़बाजी, आसन की ओर किताब फेंकना या सभापति का माइक तोड़ने की कोशिश करना, मेज पर चढ़ कर नृत्य करना आदि अराजकताएं और अनुशासनहीनता तो देखी हैं। वे शाश्वत हैं, क्योंकि विपक्ष ऐसा ही व्यवहार करता रहा है। यही उसकी संवैधानिकता मान ली गई है। भाजपा बिल्कुल भी अछूती नहीं है। संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए। संसद के मायने ही अलग हैं। दरअसल 'ड्रामा' तो 'एसआईआर' (विशेष गहन पुनरीक्षण) और चुनाव आयोग के नाम पर खेला जा रहा है। बीते कल एक वीडियो टीवी चैनलों पर प्रसारित होता रहा। उप्र के एक बीएलओ ने आत्महत्या से पहले यह वीडियो बनाया था। वीडियो में बीएलओ अपनी मां से बार-बार माफी मांग रहा है और चार छोटी-छोटी बेटियों का ख्याल रखने की गुहार कर रहा है। वह व्यक्ति लगातार रो रहा है। कमोबेश इससे ज्यादा मार्मिक और पीड़ित दृश्य नहीं हो सकता, लेकिन ऐसी आत्महत्याओं के बाद भी चुनाव आयोग दावे करता रहा है कि सब कुछ 99 फीसदी हो रहा है। लानत है ऐसी संवैधानिक व्यवस्था पर! संसद में ड्रामा यह किया गया है कि 14 दिसंबर, 1988 की तत्कालीन स्पीकर बलराम जाखड़ (प्रधानमंत्री राजीव गांधी थे) की रूलिंग का हवाला देते हुए सरकार ने संसद में एसआईआर और चुनाव आयोग की भूमिका पर, किसी भी नियम के तहत, चर्चा कराने से इंकार कर दिया है। क्या स्पीकर की रूलिंग और चुनाव आयोग सरीखी संवैधानिक, स्वायत्त संस्था संसद के लिए कोई संवैधानिक विवशता है कि उन्हें लांघा नहीं जा सकता? संसद सर्वोच्च अदालत की संविधान पीठ के फैसले को तो पलट सकती है, लेकिन स्पीकर की रूलिंग लक्ष्मण-रेखा है। दरअसल कोई संवैधानिक बाध्यता अथवा लकीर नहीं है। चुनाव आयोग का बजट संसद पारित करती है। कानून मंत्रालय इसे पेश करता है। आयोग के तीनों सर्वोच्च आयुक्त प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली कमेटी नियुक्त करती है। चूंकि अब सूत्र बता रहे हैं कि 'चुनाव सुधार' के बैनर तले, एसआईआर का नाम लिए बिना ही, संसद में इस मुद्दे पर बहस हो सकती है। विपक्ष का एक धड़ा इसके लिए सहमत है। एसआईआर के कारण अभी तक 40 मौतें (आत्महत्या समेत) हो चुकी हैं। क्या यह आंकड़ा चुनाव आयोग के आयुक्तों को नहीं झकझोरता? क्या इससे भी अधिक घातक कोई व्यवहार और उसका ड्रामा हो सकता है? दरअसल सर्वोच्च अदालत में वरिष्ठ संविधान विशेषज्ञ अभिषेक मनु सिंघवी ने 53 मिनट की अपनी दलीलों में यह स्थापित करने की कोशिश की है कि एसआईआर एक 'असंवैधानिक' और 'अवैध' प्रक्रिया है। यह एक विशेष चुनाव क्षेत्र में की जा सकती है, एक साथ 12 राज्यों अथवा देश भर में नहीं। यह जनप्रतिनिधित्व कानून के भी खिलाफ है।

संसद में हंगामा और कई-कई दिनों तक कार्यवाही को बाधित करने के उसके भी कीर्तिमान दर्ज हैं। चूंकि प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष को निशाना बनाते हुए, उस पर तंज करते हुए, कहा है कि संसद ड्रामा की जगह नहीं है। ड्रामे के लिए पूरा देश खाली पड़ा है। संसद में तो 'डिलीवरी' होनी चाहिए। हम भी मानते हैं कि संसद में राष्ट्र-निर्माण के निर्णय लिए जाने चाहिए, लेकिन 12 मिनट में 4 विधेयक पेश कर दिए जाएं और एक पारित भी कर लिया जाए, तो यह कौन-सा ड्रामा है? याद करें, संसद के मानसून सत्र के दौरान करीब 15 मिनट में 12 बिल पारित कर लिए गए थे। ऐसा कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार के दौरान भी होता रहा है, जब मिनटों में ही बिल पारित कर लिए गए। इस 'हम्माम' में सभी मौजूद हैं। कमोबेश यह संसदीय प्रणाली नहीं, संसद के नाम पर 'ड्रामा' है। संसद पक्ष-विपक्ष की आपसी विरोधी चर्चाओं, आरोपों-प्रत्यारोपों का सबसे बड़ा, गणतांत्रिक मंच है, क्योंकि सभी निर्वाचित सांसद होते हैं। प्रधानमंत्री भी पूरे देश के, विपक्ष के भी, प्रधानमंत्री हैं, लिहाजा उन्हें निर्वाचित सांसदों के लिए गरिमामय, शालीन, सौम्य, संसदीय भाषा का इस्तेमाल करना चाहिए। 'ड्रामा' ऐसा शब्द नहीं है। चुनावी पराजय की हताशा, झुंझलाहट, कुंठा आदि की बात भी राजनीतिक या चुनावी मंचों तक ही सीमित रखनी चाहिए।

बम गिराने की योजना को साकार करने के लिए ड्रोन और रॉकेट बनाने की कोशिश कर रहा था

आतंकवाद के ऐसे व्यापक तंत्र का उत्तर कैसे दें

अवधेश कुमार

देश में जगह-जगह अनगिनत विस्फोट होते और उसमें होने वाली मानवीय एवं संपत्तियों की क्षति का तो आकलन भी नहीं किया जा सकता। सच कहें तो आतंकवाद के दौर की शुरुआत से अब तक पूरे देश में विध्वंस पैदा करने का यह सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है। बताया गया है कि विस्फोट के लिए 32 कारों की व्यवस्था थी जिनमें से कई बरामद हो चुके हैं। इन कारों के अलावा अलग-अलग तरीकों से भी विस्फोटों की तैयारी थी। उनकी तैयारीयों का एक उदाहरण देखिए। कार विस्फोट में आत्मघाती बना उमर उन नबी के जम्मू कश्मीर अनंतनाग के काजीगुंडा के गिरफ्तार साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश से पता चला है कि हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इसराइल पर किए गए ड्रोन और रॉकेट से हमला की पुनरावृति करने की भी तैयारी थी। उसे छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है।

दिल्ली लाल किला आतंकवादी कार विस्फोट की छानबीन से आ रही जानकारियों ने पूरे देश में भय और सनसनाहट पैदा किया हुआ है। अभी तक की जानकारियां बता रही हैं कि अगर आतंकवाद का यह मॉड्यूल सफल हो गया होता तो देश में जगह-जगह अनगिनत विस्फोट होते और उसमें होने वाली मानवीय एवं संपत्तियों की क्षति का तो आकलन भी नहीं किया जा सकता। सच कहें तो आतंकवाद के दौर की शुरुआत से अब तक पूरे देश में विध्वंस पैदा करने का यह सबसे बड़ा तंत्र सामने आया है। बताया गया है कि विस्फोट के लिए 32 कारों की व्यवस्था थी जिनमें से कई बरामद हो चुके हैं। इन कारों के अलावा अलग-अलग तरीकों से भी विस्फोटों की तैयारी थी। उनकी तैयारीयों का एक उदाहरण देखिए। कार विस्फोट में आत्मघाती बना उमर उन नबी के जम्मू कश्मीर अनंतनाग के काजीगुंडा के गिरफ्तार साथी जसीर बिलाल वानी उर्फ दानिश से पता चला है कि हमास द्वारा 7 अक्टूबर, 2023 को इसराइल पर किए गए ड्रोन और रॉकेट से हमला की पुनरावृति करने की भी तैयारी थी। उसे छोटे ड्रोन हथियार बनाने और उन्हें मॉडिफाई करने का तकनीकी अनुभव है। उसने डॉ. उमर को तकनीकी मदद दी और वह भीड़भाड़ वाले इलाके में ड्रोन से बम गिराने की योजना को साकार करने के लिए ड्रोन और रॉकेट बनाने की कोशिश कर रहा था। विस्फोट में इस्तेमाल कार खरीदने के लिए दिल्ली आया राशिद अली भी जम्मू कश्मीर का रहने वाला है। वास्तव में अब तक की छानबीन हमें कई पहलुओं पर गंभीरता से विचार करने को भी विवश करती है। अभी तक इस भयानक आतंकवादी मॉड्यूल में छह ऐसे सम्मिलित डॉक्टर गिरफ्तार किए गए हैं जिनका दिमाग चिकित्सा में अच्छा करने की जगह मजहब के नाम पर हमला हत्या और विध्वंस पैदा करने की दिशा में ही लगा था। श्रीनगर का रहने वाला एक अन्य संदिग्ध डॉ. निसार फरार है। वह डॉक्टर्स एसोसिएशन ऑफ कश्मीर का अध्यक्ष भी है। जम्मू-कश्मीर सरकार ने डॉ. निसार को बर्खास्त कर दिया है। इन्होंने अचानक कर विस्फोट नहीं किया बल्कि पहले से कोशिश चल रही थी। 6 दिसंबर को अयोध्या से लेकर अनेक स्थलों पर विस्फोट करने और उसके बाद इसकी श्रृंखला कायम रखने की तैयारी थी। अलफलाह यूनिवर्सिटी से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई के मोबाइल फोन से प्राप्त डंप डेटा से पता चला है कि उसने और उमर ने इस वर्ष जनवरी में लाल किले क्षेत्र की भी कई बार रेकी की थी। ये रेकी गणतंत्र दिवस पर इसको निशाना बनाने की एक बड़ी साजिश का हिस्सा थी। उस समय क्षेत्र में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के कारण ये ऐसा नहीं कर सके। उच्च शिक्षित होने के कारण ये किस तरह हर प्रकार की तकनीक को समझ कर उसका उपयोग कर पाते थे इसका प्रमाण भी देखिए। उमर उन नबी, डॉ. मुजम्मिल गनई और डॉ. शहीन शाहिद ने स्विट्जरलैंड के

'थ्रीमा' नाम के एनक्रिप्टेड ऐप से बातचीत की थी। इसी ऐप के जरिए वे धमाके की योजना, नक्शे सहित आवश्यक दस्तावेज व जानकारियां साझा कर रहे थे। थ्रीमा ऐप फोन नंबर या ईमेल के बिना काम करता है और हर यूजर को एक यूनिक आईडी देता है, जिससे उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है। हम और आप में से कितने लोगों ने थ्रीमा ऐप का नाम सुना है या उपयोग किया है? पता नहीं अभी इसमें और क्या-क्या जानकारियां सामने आएंगी। डॉक्टर बनने वाला कोई व्यक्ति छात्र के रूप में थोड़ा मेधावी तो होगा ही। इमरान मसूद जैसे नेता इनको भटका हुआ बता दें या हुसैन दलवई जैसे मुस्लिम नेता कहें कि चुनाव के पहले ही विस्फोट क्यों होता है, यह कहा जाए कि आप इसको इस्लामी आतंकवाद ना कहिए तो क्या उत्तर दिया जा सकता है? पुलिस की छानबीन में उनके पहले किसी अपराधी से संपर्क आदि की भी जानकारी नहीं है। एक डॉक्टर को समाज में इज्जत मिलती है और उसकी गतिविधियों पर सहसा संदेश नहीं किया जा सकता। आखिर कानपुर में किसने सोचा होगा कि डॉक्टर शाहीन शाहिद जैश ए मोहम्मद की इतनी बड़ी आतंकवादी होगी और उसके पास एक-47 जैसा हथियार होगा? सामने आया है कि धमाके के लिए 20 से 25 लख रुपए इकट्ठा करने में उसकी प्रमुख भूमिका थी। इसमें हरियाणा और पंजाब से लेकर दिल्ली, गुजरात, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश तक आसानी से लोग आतंकवादी बन जाते हैं तो इसका कारण समझने के लिए अंतरिक्ष विज्ञानी होना आवश्यक नहीं है। बगैर स्थानीय और परिवार के लोगों के सहयोग के इतना बड़ा तंत्र खड़ा हो ही नहीं सकता। फरीदाबाद के धौज मस्जिद के इमाम इश्तियाक और सिरोही मस्जिद के इमाम इमामुद्दीन अगर आतंकवाद इस्लाम का काम या जिहाद मानकर उनकी मदद कर रहे थे तो क्यों? इनने मिलकर पूरी अलफलाह यूनिवर्सिटी को ही आतंकवाद के बड़े केंद्र में बदल दिया था। पठानकोट से गिरफ्तार डॉक्टर रईस अहमद भी पहले अलफलाह यूनिवर्सिटी में काम करता था। इसी तरह हापुड़ के जीएस मेडिकल कॉलेज से गिरफ्तार डॉक्टर फारूक अहमदार अल-फलाह यूनिवर्सिटी में सीनियर रेजिडेंट रह चुका है। वह जम्मू-कश्मीर के बीरवाह जिले के बडगांव, वीरिपुरा के रहने वाला है। डॉ मुजम्मिल जब विस्फोटक जमा कर रहा था तो किसी ने उसको टोका तक नहीं। पुलिस को बताया गया कि जब उससे पूछा तो कहा कि खेती का खाद रख रहे हैं और इसे जम्मू कश्मीर ले जाना है। जब मजहब के चेहरे इमाम तक इसमें शामिल हों तो रोक-टोक होगी कहां से। कोई कह सकता है कि परिवार की इसमें भूमिका नहीं है। डॉ उमर नबी के मोबाइल को तोड़ कर फेंकने वाला परिवार ही था। एनआईए को उसके भाई ने बताया कि डॉ उमर नबी यहां आया था और उसने कहा था कि अगर मेरे बारे में कोई समाचार आए तो मोबाइल को नष्ट करके पानी में फेंक देना और हमने फेंक दिया। क्या भाई और परिवार ने उससे नहीं पूछा कि कौन सा समाचार आएगा? क्या समाचार आने के बाद उनका दायित्व नहीं था कि पुलिस के पास मोबाइल पहुंचायें? आखिर उसने तो अपने को उड़ा लिया था और उसे बचाने की भी समस्या नहीं थी? इसी तरह डॉक्टर शाहीन का भाई डॉ परवेज की भूमिका अभी तक संदिग्ध मानी जा रही है। सीसीटीवी फुटेज बता रहे हैं कि उमर नबी धमाके से पहले हरियाणा के मेवात गया था। फिरोजपुर झिरका टोल प्लाजा फुटेज में उसकी कार दिखाई दी, जिसमें विस्फोटक सामग्री भरी हुई थी। यह फुटेज 10 नवंबर की सुबह, यानी धमाके वाले दिन की है। जांच में पता चला है कि मेवात क्षेत्र -गुरुग्राम, नूंह और आसपास से ही 20 क्विंटल से ज्यादा अमोनियम नाइट्रेट खरीदा गया था। विस्फोटक में इस्तेमाल की गई खाद भी उमर ने मेवात से ही खरीदी थी। स्वयं को कार में उड़ाने के पूर्व उमर नबी का मेवात जाना, होटल में भोजन करना, काफी देर तक रुकना आदि के कोई निहितार्थ हैं या नहीं? इन सबके बावजूद अगर आक्रामक रूप में प्रतिक्रिया है कि इस मुद्दे को बड़ा नहीं बनाया जाए और मुसलमान या एक समुदाय को बदनाम नहीं किया जाए तो यह देश की सामान्य स्थिति नहीं। कोई सांसद उन्हें भटका हुआ बता रहे हैं तो कोई कह रहे हैं कि अभी इसके प्रमाण क्या हैं.. किसी का तर्क है कि पहले भी आतंकवाद के आरोप में गिरफ्तार लोग लंबे समय बाद रिहा किए गए हैं ...क्या हिंदुओं ने आतंकवाद नहीं किया है..आदि आदि। सच कह तो इस तरह की प्रतिक्रियायें उन आतंकवादियों के उन्मादी जेहादी विचारों और हिंसक कृत्यों से ज्यादा खतरनाक माना जाना चाहिए। यही प्रतिक्रिया ऐसे तत्वों का हौसला बढ़ाता है। देश हम सबका है और सभी को विचार करना पड़ेगा कि आखिर आतंकवाद से प्रत्यक्ष संघर्ष की बजाय ऐसी प्रतिक्रियाओं से उनके परोक्ष समर्थन के व्यापक व्यवहार से कैसे निपटा जाए। अभी एक मॉड्यूल हमारे सामने आया है। निश्चित मानिए ऐसे कई मॉड्यूल देश के अलग-अलग जगहों में सक्रिय होकर साजिशों को अंजाम देने में संलिप्त होंगे। किसी तरह वे कुछ करने में सफल हुए या साजिश अंजाम देने के पहले पकड़े गए तब भी सामूहिक प्रतिक्रिया ऐसी ही होगी।

देश दुनिया से

संस्कृत का भारतीय संस्कृति के लिए महत्त्व

तमिलनाडु के डिप्टी सीएम उदयनिधि स्टालिन ने हाल ही में भारतीय संस्कृति की शिरोमणि भाषा संस्कृत को एक मृत भाषा कहा है। उनके इस वक्तव्य को लेकर पूरे देश मे आक्रोश देखा जा रहा है। ऐसा लगता है कि स्टालिन संस्कृत के भारतीयता के लिए महत्व को लेकर कम ज्ञान रखते हैं। उनको, और भी अनेकों को विश्व की अनेक भाषाओं की जननी संस्कृत के महत्व के बारे में ज्ञान हमारा नैतिक और सामाजिक कर्तव्य है। संस्कृत भारत की एक शास्त्रीय भाषा है, जिसका अर्थ 'संस्कारित' है। यह सबसे पुरानी भाषाओं में से एक है और हिंद-यूरोपीय भाषा परिवार की हिन्द-आर्य शाखा से संबंधित है। इसे देवभाषा भी कहते हैं और यह कई आधुनिक भारतीय भाषाओं जैसे हिंदी, मराठी, बंगाली, नेपाली आदि अनेक भाषाओं की जननी है। संस्कृत हिंदू, बौद्ध और जैन धर्मों की एक महत्वपूर्ण दार्शनिक और पवित्र भाषा रही है। इसका साहित्य विश्व के सबसे समृद्ध साहित्य में से एक है। महर्षि पाणिनि जैसे विद्वानों ने इसका वैज्ञानिक और सुस्पष्ट व्याकरण तैयार किया है। इसमें एकवचन और बहुवचन के साथ-साथ द्विवचन का भी प्रयोग होता है। प्राचीन काल से ही संस्कृत भाषा का प्रसार विदेशों में होता रहा है। विभिन्न सांस्कृतिक, धार्मिक, व्यापारिक और बौद्धिक आदान-प्रदान की वजह से यह भाषा विदेशों में भी पहुंची। प्राचीन भारत में जब बौद्ध और जैन धर्म का प्रसार हुआ, तो उसके साथ संस्कृत ग्रंथ भी मध्य एशिया, चीन, तिब्बत, जापान, कोरिया और दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे थाईलैंड, कंबोडिया, वियतनाम) तक पहुंचे। बौद्ध भिक्षुओं ने संस्कृत में लिखे गए सूत्रों और शास्त्रों का अनुवाद किया और इसे विदेशों में ले गए। गुप्त काल में भारत की राजकीय भाषा संस्कृत थी। अंग्रेजों के आने से पहले तक दक्षिण के विद्वान जब उत्तर भारत में आते थे तो संस्कृत भाषा में बातचीत हुआ करती थी। इसी तरह से उत्तर भारत के विद्वान जब दक्षिण भारत में जाया करते थे तो संस्कृत में बात होती थी। हमारा सारा प्राचीन इतिहास जैसे महाभारत, रामायण, वेद, ज्योतिष के ग्रन्थ, योग के ग्रन्थ, आयुर्वेद इत्यादि सब मूल रूप से संस्कृत में लिखे गए हैं, अतः शिक्षा संस्कृत में हुआ करती थी। माना जाता है कि चीनी यात्री ह्वेनसांग और फाहियान ने संस्कृत ग्रंथों को चीन में प्रचारित किया। इसके अलावा प्राचीन भारत के व्यापारी और नाविक दक्षिण-पूर्व एशिया (जैसे इंडोनेशिया, मलेशिया, बाली) में गए, जिसकी वजह से उन्होंने हिंदू धर्म और संस्कृत साहित्य को इन देशों में प्रसारित किया। रामायण और महाभारत जैसे ग्रंथ पूरी दुनिया को प्रभावित करते हैं। ये मूल रूप से संस्कृत में ही थे, जिन्हें दुनियाभर में मान्यता मिली। जैसे इंडोनेशिया में काकाविन रामायण और खमेर साम्राज्य (कंबोडिया) में अंगकोर वाट जैसे मंदिरों में संस्कृत शिलालेख मिलते हैं। तिब्बत में बौद्ध धर्म के साथ संस्कृत ग्रंथों का तिब्बती भाषा में अनुवाद हुआ। इसके अलावा श्रीलंका, नेपाल, भूटान और तिब्बत में संस्कृत का प्रसार धार्मिक और साहित्यिक आदान-प्रदान के माध्यम से हुआ। प्राचीन काल में नालंदा, तक्षशिला और विक्रमशिला जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालयों में विदेशी छात्र पढने आते थे। इन छात्रों के माध्यम से भी संस्कृत भाषा विदेशों में पहुंची। उदाहरण के लिए, चीनी यात्री यी-जिंग ने नालंदा में संस्कृत सीखी। संस्कृत भाषा विशेष रूप से जर्मनी, संयुक्त राज्य अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, ऑस्ट्रेलिया, नेपाल, दक्षिण-पूर्व एशिया, जापान, चीन, भूटान, इजरायल, ऑस्ट्रिया, बेल्जियम, डेनमार्क, फिनलैंड, फ्रांस, इटली, नीदरलैंड, नॉर्वे, रूस, स्वीडन और स्विट्जरलैंड में पढ़ाई जाती है। संस्कृत का प्राचीन इतिहास हमें लगभग 3500 वर्ष पूर्व तक ले जाता है। वैदिक सभ्यता के निर्माण काल में इसकी ध्वनि गूंजती थी। ऋग्वेद, यजुर्वेद, सामवेद, अथर्ववेद, उपनिषद, ब्राह्मण, आरण्यक, स्मृति, पुराण, महाकाव्य, नाटक, अलंकार, इन सबका मूल आधार संस्कृत ही रही है। संस्कृत की उच्च स्थिति केवल भारत तक ही सीमित नहीं रही, बल्कि यह प्राचीन काल में दक्षिण एशिया, पूर्वी एशिया, दक्षिण-पूर्व एशिया और मध्य एशिया के अभिजात्य वर्ग, शासन, दर्शन और साहित्य की भी भाषा बनी। संस्कृत के बिना भारत का दर्शन, काव्य, तंत्र, विज्ञान, चिकित्सा, गणित, नीतिशास्त्र, व्याकरण- सभी शून्य हो जाता। संस्कृत भाषाई विकास की जननी मानी जाती है, जिससे देश की अनेक बोलियों, भाषाओं ने जन्म लिया। संस्कृत, जो कभी केवल मंदिरों, यज्ञों या विद्वानों तक सीमित थी, आज फिर से भारतीय और वैश्विक मंचों पर नई पहचान बना रही है। कर्नाटक के मत्तूर, होसाहल्ली, झिरी (राजस्थान), सासन, गनोड़ा (गुजरात), पथरी (मध्य प्रदेश), कोशावल्ली (कर्नाटक) और देश के अन्य गांवों में संस्कृत जीवन का अंग है। मत्तूर और होसाहल्ली जैसे गांवों में तो दैनिक व्यवहार, शिक्षा, पूजा-पाठ, यहां तक कि छोटे व्यापार भी संस्कृत में होते हैं। इसके परे, जर्मनी, अमेरिका, रूस, स्विट्जरलैंड आदि देशों के विश्वविद्यालयों में संस्कृत पढ़ाई जा रही है। अमेरिका में संस्कृत हेतु विश्वविद्यालय भी स्थापित है और विश्वभर में संस्कृत से जुड़े शोध, जागरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम चल रहे हैं। संस्कृत की वैज्ञानिक संरचना इसे कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), मशीन लर्निंग, भाषा विज्ञान, मनोविज्ञान, संगणक विज्ञान, मशीनी अनुवाद जैसे क्षेत्रों में भी उपयुक्त बना रही है। नासा, अमेरिकी विश्वविद्यालय तथा भारत के कम्प्यूटर वैज्ञानिक संस्कृत आधारित डेटा प्रोसेसिंग और कृत्रिम मेधा के लिए इसकी व्याकरणिक संरचना पर शोध कर रहे हैं। आज भारत के विद्यालयों तथा अनेक निजी संस्थानों में संस्कृत विषय को पुनरीक्षण, सामाजिक व्यवहार, संगीत, योग आदि से भी जोड़ा जा रहा है। संस्कृत भाषा की एक महत्वपूर्ण विशेषता है। इसे कम्प्यूटर और कृत्रिम बुद्धि के लिए सबसे उपयुक्त भाषाओं में से एक माना जाता है। शोध से पता चला है कि संस्कृत पढने से स्मरण शक्ति बढ़ती है। संस्कृत भाषा के महत्व को इस बात से भी समझा जा सकता है कि ये भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में आधिकारिक भाषाओं में से एक है। इसे तेलुगु, तमिल, मलयालम, कन्नड़ और ओडिया के साथ भारत की 6 शास्त्रीय भाषाओं में से एक माना जाता है। संस्कृत दुनिया की सबसे प्राचीन और वैज्ञानिक भाषा है। तमिल भी प्राचीन भाषाओं में से एक है। हमें दोनों भारतीय भाषाओं पर और सभी भारतीय भाषाओं पर गर्व है। स्टालिन को संस्कृत के विकास के लिए किए जा रहे प्रयत्नों को लेकर ईर्ष्यालु होना ठीक नहीं है। रही बात संस्कृत के मृत भाषा होने की तो सनद रहे कि जब तक सूर्य चमकता रहेगा, जब तक तारे टिमटिमाते रहेंगे, तब तक संस्कृत का हमारी संस्कृति के लिए महत्व रहेगा।

आप का नजरिया

जोरावर स्टेडियम की मूंछें

शीतकालीन सत्र की बरसाती के नीचे, आपदा के बुरे वक्त की कहानी में नायक बनी चर्चा का पटाक्षेप तो नहीं हुआ, मगर कुछ विधायकों का दिल पसीज गया। केंद्र से पंद्रह सौ करोड़ की राहत अगर पूरी-पूरी नसीब होती, तो सत्तर लाख आबादी की पलकों पर बैठ जाती यह सद्भावना। शायद अब सद्भावना की मिट्टी सदन में नहीं मिलती। तपोवन में विराजित विधानसभा में कभी सियासत की मिट्टी से शीतकालीन सत्र शिमला से सरक कर कांगड़ा में आया था, लेकिन अब इसके औचित्य में कई मैदानों की मिट्टी खोदी जा रही है। जोरावर सिंह स्टेडियम में हर बार संघर्ष की मूंछें देखी जाती हैं। पेंशनर नहीं दिखा पाए, तो पुलिस ग्राउंड की मिट्टी पर बूढ़ी सांसों को गर्म हवा देते रहे। सरकार चिट्टे के खिलाफ दाड़ी मेला ग्राउंड पर भीड़ बन गई, तो मसला यह शुरू हो गया कि संघर्ष का वारिस किस मैदान को बनाएं। भाजपा जानती है कि जोरावर स्टेडियम की मूंछें सामने तपोवन तक पहुंचती हैं, इसलिए कल का आक्रोश आज साबित कर रहा है कि भीड़ तो यहां भी नारे लगाएगी। सरकार ने समझाया कि जोरावर में आओगे, तो मात्र चार हजार गिने जाओगे। बेहतर है पुलिस स्टेडियम में धौलाधार के सामने टकरा जाओ, तो गिनती ऐतिहासिक हो जाएगी। वैसे भाजपा की जयराम सरकार तो पुलिस ग्राउंड में सबसे बड़ी इन्वेस्टर मीट करवा कर देश के प्रधानमंत्री के कदमों तक को माप चुकी है। खैर जोरावर स्टेडियम की मिट्टी को आक्रोश रैलियों का अनुभव हो चला है। धर्मशाला में भले ही केंद्रीय विश्वविद्यालय को जगह नहीं मिल रही, मगर प्रदेश के गुस्से को शीशे पर उतारने के लिए यहां मैदान ही मैदान हैं। शहर में ही दो दर्जन मैदान इतने काबिल तो हैं कि सारे प्रदेश के गुस्से की गलियां यहां से गुजर जाएं। वैसे जब मुख्यमंत्री खेल भावना से साई मैदान को माप रहे थे, तो भाजपा ने उस परिदृश्य में भी राधे-राधे को तौबा-तौबा कह दिया। बहरहाल, इस समय तपोवन सत्र के बहाने प्रदेश का कहा और प्रदेश का सुना, बता रहा है कि सबके ऊंट किस करवट बैठ रहे हैं। प्रदेश की आर्थिक हिफाजत का एक उल्लेख जोगिंद्रनगर के विधायक प्रकाश राणा करते हैं और कई अन्य भी कर चुके हैं, लेकिन अंतर साधना का है, साध्य का नहीं। जहां कुछ विधायकों ने अपनी बढ़ी हुई तनख्वाह के लिए सदन का समय और प्रदेश के कान छीन लिए, वहीं जिक्र विधायक प्रकाश राणा का उम्दा हालात पैदा करता है। विधायक प्रदेश के आर्थिक संकट की स्थिति में मात्र एक रुपया पगार लेंगे। जाहिर है इस उदाहरण से वे विधायक कुछ सीख लेंगे, जो अपनी विधानसभा के मुद्दों के बजाय अपनी बढ़ी हुई पगार के लिए सदन का नमक खा रहे थे। इसी सदन के सामने हिमाचल के आर्थिक हालात के कई संदर्भ आए हैं। चार सौ से ऊपर खाली इमारतें अगर बेमकसद हैं, तो इस मिट्टी को बचाना होगा। अगर सरकारी बसों के 435 रूट बंद करने पड़ रहे हैं, तो आकाओं की जमीन से कुछ बस डिपो छीनने होंगे। हम कब तक तख्तियों पर जलते जख्म लिखेंगे, आग पेट की कब तक पड़ोसी की नब्ज देखेंगे। क्या सत्ता, क्या विपक्ष, एक बार अपने आक्रोश से बाहर निकल कर सोचें कि हमारी सरकारों ने कितना वक्त गंवाया और क्या सरकारी धन का निवेश सही ढंग से हुआ। हमारा ढांचा हमारी कब्र बन गया, अब घर का चूल्हा घर को जलाने लग गया। आखिर 70 लाख की आबादी को सुशासन, नागरिक सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जुटाने के लिए कितने कार्यालय, कितने अधिकारी, कितने स्कूल, कितने कालेज, कितने विश्वविद्यालय और कितने मेडिकल कालेज चाहिएं। जनता की अनुभूतियों में सरकारी ढांचे की मिट्टी जर्जर हो रही, लेकिन जोरावर स्टेडियम की मिट्टी को विपक्ष गूंथ रहा है। सरकार कोई भी रहे, हिमाचल के पास ऐसी कोई जादू की छड़ी नहीं, जो कर्ज के बोझ को छूमंतर कर दे। तोडने पड़ेंगे कई भ्रम और लाग-लपेट, वरना दफन हो जाएंगे तेरे नारे, इस इबारत में खंजर छुपे हैं।

केंद्र से पंद्रह सौ करोड़ की राहत अगर पूरी-पूरी नसीब होती, तो सत्तर लाख आबादी की पलकों पर बैठ जाती यह सद्भावना। शायद अब सद्भावना की मिट्टी सदन में नहीं मिलती। तपोवन में विराजित विधानसभा में कभी सियासत की मिट्टी से शीतकालीन सत्र शिमला से सरक कर कांगड़ा में आया था, लेकिन अब इसके औचित्य में कई मैदानों की मिट्टी खोदी जा रही है। जोरावर सिंह स्टेडियम में हर बार संघर्ष की मूंछें देखी जाती हैं। पेंशनर नहीं दिखा पाए, तो पुलिस ग्राउंड की मिट्टी पर बूढ़ी सांसों को गर्म हवा देते रहे। सरकार चिट्टे के खिलाफ दाड़ी मेला ग्राउंड पर भीड़ बन गई, तो मसला यह शुरू हो गया कि संघर्ष का वारिस किस मैदान को बनाएं। भाजपा जानती है कि जोरावर स्टेडियम की मूंछें सामने तपोवन तक पहुंचती हैं, इसलिए कल का आक्रोश आज साबित कर रहा है कि भीड़ तो यहां भी नारे लगाएगी। सरकार ने समझाया कि जोरावर में आओगे, तो मात्र चार हजार गिने जाओगे। बेहतर है पुलिस स्टेडियम में धौलाधार के सामने टकरा जाओ, तो गिनती ऐतिहासिक हो जाएगी। वैसे भाजपा की जयराम सरकार तो पुलिस ग्राउंड में सबसे बड़ी इन्वेस्टर मीट करवा कर देश के प्रधानमंत्री के कदमों तक को माप चुकी है। खैर जोरावर स्टेडियम की मिट्टी को आक्रोश रैलियों का अनुभव हो चला है। धर्मशाला में भले ही केंद्रीय विश्वविद्यालय को जगह नहीं मिल रही, मगर प्रदेश के गुस्से को शीशे पर उतारने के लिए यहां मैदान ही मैदान हैं।

कुछ अलग

मिट्टी के माधो सुनें प्लीज...

हे काबिल संतानों के मिट्टी के माधो बापो! मुझे तुम्हारी अपने पर उठती उंगलियों को देख कर तुम पर बहुत दया आ रही है कि अपने मिट्टी के माधो होने के चलते तुमने अपनी काबिल संतानों के लिए कुछ नहीं किया, सिवाय उन्हें काबिल बनाने के। तुम्हारे मिट्टी के माधोपने की वजह से ही तुम्हारी काबिल संतानें काबिल होने के बाद भी हर जगह असफल होती रही थी, रही हैं, और भविष्य में भी शर्तिया असफल होती रहेंगी। मुझ सा काबिल बाप पारस की तरह होता है जो जंग लगे लोहे को भी सोना बना समाज में मजे से बेचता है। हे मिट्टी के माधो बापो! तुम्हारे कान हों तो सुनो! आज के दौर में केवल काबिल संतानें आगे नहीं बढ़तीं। उनके काबिल बाप उनको काबिल दिखा आगे बढ़ाने वाले होते हैं। जो बाप जितना काबिल होता है, वह अपनी औसत से औसत संतान को समाज में उतना ही काबिल बनाकर दम लेता है। काबिल बापों की संतानें चाहे कितनी ही जंग से जंग लगी क्यों न हों, वे एक न एक दिन उनकी काबिलियत के लोहे के चने समाज को चबवा कर ही दम लेते हैं। समाज का क्या! वह तो बिन दांतों के भी लोहे के चने चबाने का आदी हो गया है। हे मुझे गालियां देने वाले अपनी काबिल संतानों के मिट्टी के माधो बापो! मैं काबिल था तो मैंने अपने बेटे को वहां फिट करवा उसकी काबिलियत से जनता को इंट्रोड्यूस कराया। ऐसे में मुझ जैसे काबिल बाप की काबिलियत से ईर्ष्या क्यों? मुझ जैसे बन कर दिखाओ तो बात बने। किसी बाप का काबिल होना पारदर्शी सिस्टम में जुल्म है क्या? देखना, अब वह अपनी काबिलियत के डंडे कैसे गाड़ता है।

दृष्टि कोण

पुतिन के भारत दौरे से पहले फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने तोड़ी कूटनीतिक 'मर्यादा'

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नयी दिल्ली यात्रा से पहले एक अप्रत्याशित कूटनीतिक विवाद उभर कर सामने आया है। दरअसल फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों ने पुतिन की आलोचना करते हुए संयुक्त रूप से एक लेख लिखा है जिस पर भारत ने कड़ी आपत्ति जताई है। वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों का कहना है कि यह कदम "असामान्य" है और "स्वीकार्य कूटनीतिक व्यवहार के दायरे से बाहर" है। हम आपको बता दें कि फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों— थियेरी मथू, फिलिप अकरमैन और लिन्डी कैमरन ने सोमवार को एक प्रमुख भारतीय समाचार पत्र में संयुक्त लेख प्रकाशित किया, जिसमें उन्हों नेराष्ट्रपति पुतिन पर यूक्रे नमें शांति प्र यसों को बाधित करने का आरोप लगाया। लेख में लिखा था कि "दुनिया चाहती है कि युद्ध समाप्त हो, लेकिन रूस गंभीर नहीं दिखता"। तीनों राजदूतों ने लेख में भारत की स्थिति का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री मोदी के कथन— "समाधान युद्धभूमि पर नहीं मिल सकता", को भी उद्धृत किया। भारतीय विदेश मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने इस लेख को अनुचित बताया और कहा कि किसी तीसरे देश के नेता की भारत यात्रा से ठीक पहले इस तरह की सार्वजनिक टिप्पणी "कूटनीतिक संवेदनशीलता" के विरुद्ध है। अधिकारियों के अनुसार, भारत ने इस असामान्य कदम को "नोट" किया है। देखा जाये तो फ्रांस, जर्मनी और ब्रिटेन के राजदूतों द्वारा संयुक्त रूप से प्रकाशित लेख केवल "असामान्य" ही नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कूटनीति की स्थापित मर्यादाओं के संदर्भ में एक गंभीर कूटनीतिक अशिष्टता माना जा रहा है। कूटनीति का मूल सिद्धांत यह है कि किसी मेजबान देश में पदस्थ राजनयिक किसी तृतीय देश के शीर्ष नेतृत्व की यात्रा के समय ऐसी सार्वजनिक टिप्पणियों से परहेज़ करें, जो उस यात्रा के उद्देश्य या वातावरण को प्रभावित कर सकती हों। राजनयिक आचार संहिता—विशेषकर वियना राजनयिक संबंध संधि (1961) की भावना स्पष्ट रूप से यह अपेक्षा रखती है कि राजदूत मेजबान देश की घरेलू या

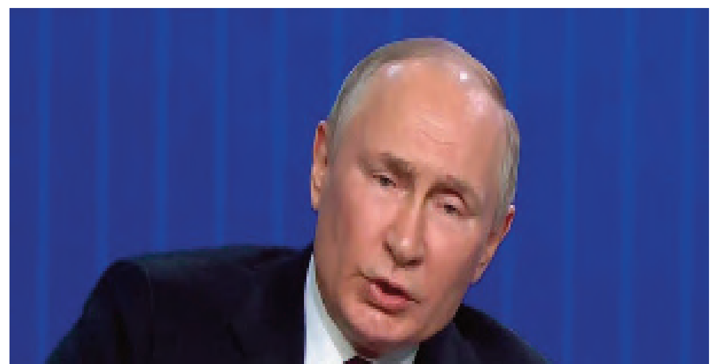

संवेदनशील द्विपक्षीय प्रक्रियाओं में न तो हस्तक्षेप करें और न ही सार्वजनिक रूप से ऐसा आभास होने दें। इस लिहाज़ से, तीनों यूरोपीय दूतों द्वारा प्रकाशित लेख न केवल भारत-रूस वार्ता के पूर्व निर्धारित कूटनीतिक संतुलन में अनावश्यक व्यवधान डालता है, बल्कि यह एक प्रकार की ऐसी पब्लिक डिप्लोमैसी का प्रयोग बन जाता है, जो किसी निष्पक्ष मध्यस्थ वातावरण को बाधित कर सकता है। कूटनीति का सार यही है कि संवाद बंद न हो और संवाद तभी निष्पक्ष माना जाएगा जब राजदूतों का सार्वजनिक आचरण समय, भाषा और उद्देश्य, तीनों में संयमित और संतुलित रहे। तीनों राजदूतों के संयुक्त आलेख से एक सवाल यह भी उठता है कि क्या भारत–रूस निकटता से असहज हैं यूरोपीय देश? देखा जाये तो इस संयुक्त लेख के समय और स्वर से यह अनुमान लगाया जा सकता है कि यूरोपीय देशों में भारत–रूस रणनीतिक निकटता को लेकर एक प्रकार की अंतर्निहित असहजता साफ दिखाई दे रही है। यूक्रेन युद्ध के बाद जब पश्चिमी देशों ने रूस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अलग-थलग करने का प्रयास किया था तब भारत ने अपने दीर्घकालिक सामरिक हितों और ऊर्जा सुरक्षा के आधार पर रूस के साथ संवाद और व्यापार को जारी रखा। इससे यूरोपीय राजधानियों में यह भावना बनी रही कि भारत, उनके व्यापक भू-राजनीतिक आकलन से अलग प्राथमिकताएँ रखता है। ऐसे में पुतिन की दिल्ली यात्रा से ठीक पहले तीन यूरोपीय राजदूतों का एकसाथ सार्वजनिक लेख लिखना एक संदेश-प्रधान कूटनीतिक कदम भी माना जा सकता है।

जलवायु परिवर्तन ने दुनियाभर के शहरों को भीषण गर्मी में धकेला

लंदन, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

जलवायु परिवर्तन की रफ्तार ने दुनिया भर के शहरों को अभूतपूर्व गर्मी में धकेल दिया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक आने वाले दशकों में शहरी तापमान 2 डिग्री से 7 डिग्री सेल्सियस तक बढ़ने की आशंका है। अर्बन हीट आइलैंड प्रभाव के कारण कॉन्क्रीट और भीड़भाड़ वाले इलाकों में गर्मी और ज्यादा असहनीय हो सकती है। इसका सबसे ज्यादा असर गरीब, बच्चे, बुजुर्ग और खुले में काम करने वाले लोगों पर पड़ेगा।

आने वाले दशकों में शहरी तापमान 2 से 7 डिग्री तक बढ़ने की आशंका

रिपोर्ट में बताया गया है कि बढ़ती गर्मी के चलते श्रमिक उत्पादकता में भारी गिरावट दर्ज की जाएगी। 1995 से 2030 के बीच गर्मी के कारण 3.75 मिलियन फुल-टाइम नौकरी के बराबर कामकाजी घंटे खो चुके हैं, जो 2030 तक बढ़कर 8.1 मिलियन के स्तर तक जा सकते हैं। इसके चलते वैश्विक आर्थिक नुकसान करीब 498 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। रिपोर्ट के मुताबिक दिल्ली, टोक्यो, बीजिंग, करांची, ढाका और जकार्ता जैसे बड़े शहरों में अगले वर्षों में भीषण गर्मी, स्वास्थ्य संकट, पानी की कमी और कूलिंग उपकरणों की बढ़ी मांग देखने को मिलेगी। डब्ल्यूएचओ के मुताबिक हीटवेव के कारण हीटस्ट्रोक के मामले वैश्विक स्तर पर तेजी से बढ़ रहे हैं। 2000-2021 के बीच 65 साल से जयादा आयु के लोगों में गर्मी से होने वाली मौतों में 85फीसदी तक वृद्धि दर्ज की गई है। केवल यूरोप में 2022 की गर्मियों में 61,000 से ज्यादा अतिरिक्त मौतें दर्ज की गई। क्लाइमेट विशेषज्ञ बताते हैं कि 2008 से 2019 के बीच भारत के दस प्रमुख शहरों में हर साल औसतन 1,116 लोगों की जान हीटवेव से गई। उनका कहना है कि बढ़ती गर्मी से निपटने तुरंत राहत उपायों और दीर्घकालिक शहरी योजना दोनों जरूरी हैं। शहरों में ग्रीन कवर बढ़ाना, जलाशयों को संरक्षित करना और कंक्रीट के उपयोग को घटाना जरुरी कदम हैं। कृषि पर भी गर्मी का प्रभाव दिख रहा है। वैज्ञानिक कम पानी और गर्मी झेलने वाली फसलों की प्रजातियां विकसित करने में जुटे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे कृत्रिम झीलों और अचानक बाढ़ का खतरा बढ़ रहा है। आने वाले समय में नदियों के जलप्रवाह और मैदानी क्षेत्रों में बाढ़ की आवृत्ति बढ़ सकती है। विशेषज्ञ ने चेतावनी दी हैं कि हीटवेव को हल्के में लेना खतरनाक हो सकता है। अत्यधिक तापमान शरीर के अंगों को क्षति पहुंचा सकता है और समय पर मदद न मिले तो जीवन खतरे में पड़ सकता है।

न्यूज ब्रीफ

79 साल के बुढ़ऊ को युवा पत्नी की तलाश, 30 से 40 वर्ष की युवती से करेंगे शादी

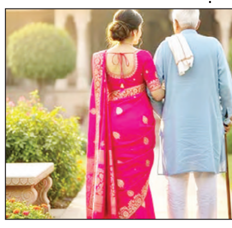

लंदन। ब्रिटेन के अमीर परिवारों में से एक सर बेंजामिन स्लेड को अपना वंश आगे बढ़ाने के लिए एक युवा पत्नी की तलाश है। बेंजामिन की उम्र 79 साल की हो चुकी है। उन्होंने 30 से 40 वर्ष की युवति से शादी करने की इच्छा जाहिर की है। इसके लिए विज्ञापन निकाला है। वह अपनी पत्नी को 59 लाख रुपए वार्षिक वेतन और अन्य सुविधाएं देने की पेशकश विज्ञापन में की है। अमीर कारोबारी बेंजामिन 1772 से चली आ रही मानस्ल हाउस की वंशावली के उत्तराधिकारी हैं। उनके पास ब्रिटेन में 1300 एकड़ की विशाल संपत्ति है। वह अपनी विरासत को आगे बढ़ाने के लिए उत्तराधिकारी के लिए बुढ़ापे में शादी करना चाहते हैं। 2021 में वह आईवीएफ तकनिकी से एक बेटी के पिता बने थे। बेटी अभी अपनी मां के साथ रहती है। ब्रिटिश कानून के अनुसार बेरोनेट सर की उपाधि और संपत्ति सिर्फ पुरुष वारिश को ही मिलती है। वह एक ऐसी पत्नी की तलाश में है। जो उनके लिए एक पुत्र को जन्म दे सके। इसके लिए उन्होंने फ्रीज्ड़ स्पर्म भी सुरक्षित कर के रखा हुआ है। पत्नी मिलने के बाद वह अपने परिवार की वंशावली को आगे बढ़ा सकें । सर बेंजामिन की पहली शादी पॉलिन मायवर्ग से हुई थी। उनसे कोई संतान नहीं थी। 1991 में पहली पत्नी से उनका तलाक हो गया था। बिल्लियों के कारण यह तलाक हुआ था। उनकी पत्नी को बिल्ली रखना पसंद नहीं था। 2021 में आईवीएफ के जरिए अमेरिका की कवियत्री सहारा संडे स्पेन से बच्ची पैदा हुई। उसके बाद से वह लड़के की तलाश में शादी के लिए पत्नी तलाश रहे हैं। इसके लिए उन्होंने विज्ञापन निकाला है। जिसकी बड़ी चर्चा ब्रिटेन में हो रही है।

हमारा दिमाग कई बार खुद को नया रूप देता है: शोध

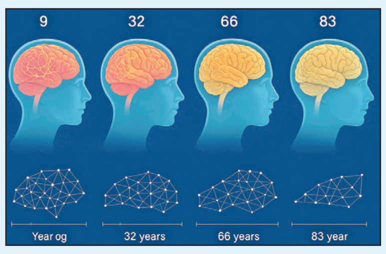

लंदन। इंसान का दिमाग बचपन में विकसित होकर स्थिर नहीं हो जाता, बल्कि पूरे जीवन में कई बार खुद को नया रूप देता है। यह ताला खुलासा किया है यूनाइटेड किंगडम की कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के न्यूरोसाइंटिस्ट्स ने। शोध में वैज्ञानिकों ने दिमाग में होने वाले चार बड़े टर्निंग पॉइंट की पहचान की है 9 साल, 32 साल, 66 साल और 83 साल जब दिमाग की वायरिंग में भारी परिवर्तन होता है और सोचने की क्षमता एक नई दिशा लेती है। यह अध्ययन 0 से 90 वर्ष की उम्र के 3,802 लोगों के एमआरआई डिफ्यूजन स्कैन पर आधारित है, जिससे साबित हुआ कि दिमाग समय-समय पर अपनी संरचना और कनेक्टिविटी को रीवायर करता रहता है। पहला बड़ा परिवर्तन 9 वर्ष की उम्र में आता है, जिसे बचपन से आगे की यात्रा का आरंभ माना गया है। इस समय दिमाग अतिरिक्त सिनैप्स को हटाकर केवल आवश्यक कनेक्शन्स को मजबूत करता है। इसी प्रक्रिया के चलते बच्चे की सीखने, समझने और निर्णय लेने की क्षमता तेजी से विकसित होती है। हालांकि, यही अवधि मानसिक स्वास्थ्य विकारों के उभरने के लिए सबसे संवेदनशील भी मानी गई है। दूसरा और सबसे शक्तिशाली परिवर्तन 32 वर्ष की उम्र में होता है। शोधकर्ताओं के मुताबिक, इसी समय दिमाग अपनी सबसे मजबूत संरचनात्मक स्थिति में पहुंचता है और 'एडल्ट मोड' में बदल जाता है।

सोना ढूंढने निकले थे, मिल गया पूरा ब्रह्मांड! देखकर वैज्ञानिक भी हैरान

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न में रहने वाले डेविड होल खजाना खोजी हैं। उन्होंने मेलबर्न के पास मैरीबरो रीजनल पार्क में साल 2015 में ऐसा पत्थर मिला, जिसने न सिर्फ उन्हें बल्कि वैज्ञानिकों को भी हैरानी में डाल दिया। मेटल डिटेक्टर के साथ खोजबीन करते हुए होल को पीली मिट्टी में दबा एक लाल रंग का, बेहद भारी पत्थर मिला था। इस पत्थर पर पीली मिट्टी लिपटी थी और इलाका गोल्डफील्ड्स का था, तो डेविड को लगा कि अंदर सोने की डल्ली होगी। घर लाकर उन्होंने पत्थर को खोलने की हर मुमकिन कोशिश की। हर तरीका आजमाया, लेकिन पत्थर पर खरोंच तक नहीं आई! मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आखिरकार डेविड थक-हारकर मेलबर्न म्यूजियम ले गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक वहां जियोलॉजिस्ट ने एक नजर में पहचान लिया। ये कोई साधारण पत्थर नहीं, बल्कि अंतरिक्ष से आया दुर्लभ उल्कापिंड है। उन्होंने बताया कि इसकी सतह पर गड्ढेदार और पिघला हुआ लुक था। ये तब बनता है जब उल्कापिंड वायुमंडल से गुजरते हुए बाहर से पिघल जाता है और हवा उसे तराशती है। म्यूजियम के दूसरे जियोलॉजिस्ट ने कहा कि धरती पर ऐसा पत्थर उठाओगे तो इतना भारी नहीं लगेगा। ये वजन ही इसकी पहचान है।

बिहार में जन्मे रूसी विधायक अभय सिंह ने कहा भारत को एस-400 हासिल करना चाहिए

मॉस्को, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन भारत की दो दिवसीय यात्रा पर हैं। यह चार साल बाद उनकी पहली भारत यात्रा है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ उनकी मुलाकात पर दोनों देशों के रक्षा व रणनीतिक संबंधों की खास नजर है। इसी बीच बिहार के पटना में जन्मे रूसी विधायक अभय सिंह ने भारत सरकार से खास अपील की है कि पुतिन के इस दौरे में एस-500 एयर डिफेंस सिस्टम को हासिल करने का गंभीर प्रयास किया जाए।

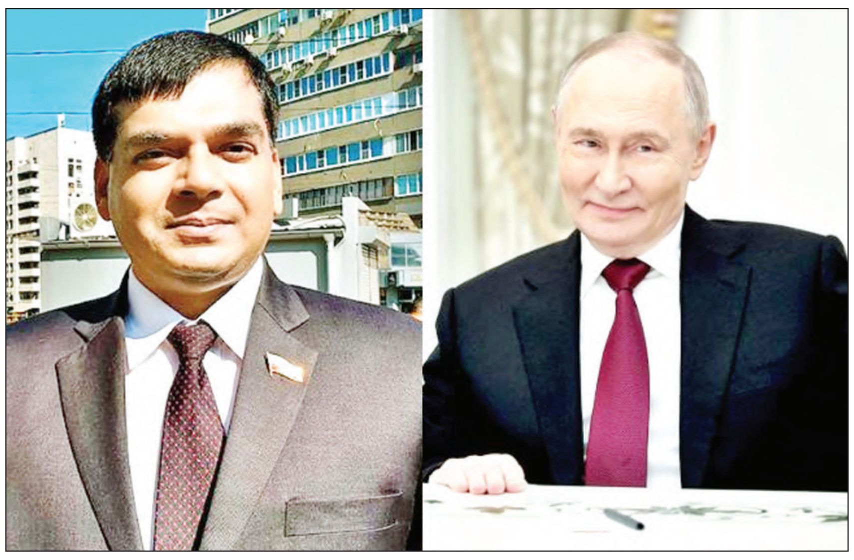

अभय सिंह कुर्स्क क्षेत्र से रूसी संसद के सदस्य हैं और राष्ट्रपति पुतिन की सत्तारूढ़ यूनाइटेड रशिया पार्टी से जुड़े हैं। उनके क्षेत्र की सीमा यूक्रेन से लगती है। उन्होंने कहा, 'एस-400 ने ऑपरेशन सिंदूर में शानदार काम किया, लेकिन एस-500 उससे कहीं आगे की तकनीक है। यह अभी केवल रूस के पास है। कोई दूसरा देश इसे नहीं रखता, चीन के पास भी नहीं। अगर रूस भारत को दे दे तो भारत दुनिया का पहला देश होगा जिसके पास एस-500 होगा। मुझे पूरा यकीन है कि भारत को यह मौका नहीं छोड़ना चाहिए।

उन्होंने आगे कहा, सुखोई-57 लड़ाकू विमान भी बहुत उम्दा है। भारत-रूस की दोस्ती बहुत पुरानी और भरोसेमंद है। यह दौरा दोनों देशों की रणनीतिक साझेदारी को नई ऊंचाई देगा। अभय सिंह का मानना है कि पुतिन पिछले चार-पांच साल में पहली बार भारत आ रहे हैं, इसलिए यह दौरा ऐतिहासिक हो सकता है।

अभय सिंह का जन्म पटना में हुआ था। उन्होंने लोयोला हाई स्कूल, पटना से स्कूली शिक्षा पूरी की। साल 1991 में मेडिकल की पढ़ाई के लिए सोवियत संघ पहुंचे और कुर्स्क स्टेट मेडिकल यूनिवर्सिटी से डॉक्टरी की डिग्री ली। कुछ साल पटना में प्रैक्टिस करने के बाद वे दोबारा कुर्स्क लौट गए। वहां फार्मास्यूटिकल कारोबार शुरू किया, फिर रियल एस्टेट में हाथ आजमाया और धीरे-धीरे राजनीति में सक्रिय हो गए। कुर्स्क ओब्लास्ट डूमा में विधायक हैं और रूसी समाज में खासी पहचान रखते हैं। गौरतलब है कि अक्टूबर 2018 में भारत ने अमेरिकी चेतावनी और प्रतिबंधों के डर के बावजूद रूस से पांच एस-400 रेजिमेंट खरीदने का पांच अरब डॉलर का सौदा किया था। अब जबकि एस-400 की तैनाती लगभग पूरी हो चुकी है और इसने अपनी क्षमता साबित कर दी है, रक्षा विशेषज्ञ भी मानते हैं कि अगला कदम एस-500 हो सकता है। यह सिस्टम हाइपरसॉनिक मिसाइलों और अंतरिक्ष से आने वाले खतरों को भी रोकने में सक्षम है। पुतिन-मोदी मुलाकात में रक्षा सहयोग हमेशा अहम मुद्दा रहता है। बिहार से रूस तक का सफर तय करने वाले अभय सिंह की इस अपील ने एस-500 को लेकर एक नई चर्चा शुरू कर दी है।

बांग्लादेश के पूर्व आर्मी जनरल ने भारत के टुकड़े होने की बात कही

ढाका। बांग्लादेश के पूर्व आर्मी जनरल ने भारत के खिलाफ एक बार फिर घटिया टिप्पणी की है जहां उन्होंने देश के टुकड़े होने की बात कही है। बता दें की रिटायर्ड आर्मी जनरल अब्दुल्लाहिल अमान आजमी जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख गुलाम आजमी के बेटे हैं। भारत के खिलाफ यह बयान आजमी में ढाका में नेशनल प्रेस क्लब के किसी इवेंट के दौरान कहा। अब्दुल्लाह अमान आजमी कोई और नहीं बल्कि जमात-ए-इस्लामी के प्रमुख रह चुके गुलाम आजम के बेटे हैं। ढाका में एक नेशनल प्रेस क्लब के किसी इवेंट में पूर्व जनरल ने ये सारी बातें कही हैं। अपने भाषण में आजमी ने कहा जब तक की भारत टुकड़ों में नहीं बंट जाता तब तक बांगलादेश में पूरी तरह से शांति नहीं आ जाएगी। इस घटिया टिप्पणी पर भारत ने भी कड़ी आपत्ति जताई है। उन्होंने अपने बयान में कहा कि भारत की राजधानी दिल्ली हर वक्त अशांती को जिंदा रखती है। बता दें की आजमी के पिता जमात-ए-इस्लामी के 1971 के मुक्ति संग्राम के दौरान हिंदुओं और मुक्ति समर्थक बंगालियों के नरसंहार के लिए भी जिम्मेदार थे। इसी के साथ उन्होंने भारत पर साल 1975 से 196 तक चटगांव हिल्स पर अशांति और दंगों को बढ़ावा देने का भी आरोप भी लगाया है। बता दें की चटगांव बांग्लादेश और भारतीय सीमा के दक्षिण-पूर्वी हिस्से का एक पहाड़ी क्षेत्र है जिसमें कुल तीन जिले शामिल हैं।

लेबनान के प्रधानमंत्री ने कहा- इजराइल से शांति होने पर ही संभव आर्थिक सहयोग

बेयरूत, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने बुधवार को कहा कि यदि लेबनान और इजराइल के बीच स्थायी शांति स्थापित होती है, तो दोनों देशों के बीच संबंध सामान्य करने और आर्थिक सहयोग की दिशा में रास्ता खुल सकता है। हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया कि मौजूदा तनावपूर्ण हालात में यह लक्ष्य अभी बहुत दूर है।

प्रधानमंत्री सलाम से इजराइल द्वारा लेबनान के साथ आर्थिक सहयोग बढ़ाने की इच्छा संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया मांगी गई थी। इस पर उन्होंने कहा, 'आर्थिक वार्ता सामान्यीकरण का हिस्सा होगी, और सामान्यीकरण शांति के बाद ही संभव है। उससे पहले नहीं। हम अभी उस मुकाम से काफी दूर हैं।'

लेबनान और इजराइल दशकों से एक-दूसरे के प्रतिद्वंद्वी माने जाते रहे हैं। इजराइल ने कई बार दक्षिण लेबनान में सैन्य अभियान चलाए हैं। दोनों पक्षों के बीच 2024 तक लगभग एक साल तक सीमा पर तनाव बना रहा, जिसके बाद नवंबर 2024 में युद्धविराम हुआ। इसके बावजूद इजराइली सेना दक्षिण लेबनान में कई स्थानों पर तैनात है और हिज्बुल्लाह पर 'फिर से हथियार जुटाने और नई कार्रवाई की योजना बनाने' के आरोपों के बीच हवाई हमले भी जारी हैं।

सलाम ने कहा कि किसी भी अगले राजनीतिक या आर्थिक कदम पर विचार करने से पहले 2024 के युद्धविराम समझौते को पूरी तरह लागू करना अनिवार्य है। इसमें इजराइल को अपनी सेना वापस बुलानी होगी और हमलों को रोकना होगा, जबकि हिज्बुल्लाह को पूर्ण निरस्त्रीकरण सहित तय प्रतिबद्धताओं का पालन करना होगा।

उन्होंने कहा, 'हिज्बुल्लाह को अपनी प्रतिबद्धताओं पर खरा उतरना होगा।' हालांकि हिज्बुल्लाह ने अपने पूरे हथियार भंडार को छोड़ने से इंकार किया है, लेकिन उसने उस युद्धविराम समझौते को स्वीकार किया है, जो केवल राज्य को हथियार रखने का अधिकार देता है। प्रधानमंत्री सलाम के इन बयानों से स्पष्ट है कि क्षेत्र में स्थायी शांति और आर्थिक सहयोग की संभावनाएं तब तक साकार नहीं होंगी, जब तक दोनों पक्ष युद्धविराम समझौते के प्रावधानों पर पूर्णतया अमल नहीं करते।

पाक में महामारी का रुप ले चुका एड्स..........

करांची। पाकिस्तान में ह्यूमन इम्यूनोडेफिशिएंसी वायरस (एचआईवी) का संक्रमण अब महामारी का रूप ले चुका है। बीते 15 सालों में पाकिस्तान में एचआईवी के मामलों में 200 फीसदी से अधिक की बढ़ोतरी हुई है। यानी पाकिस्तान में मामले तीन गुना बढ़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार, साल 2010 में जहां कुल मामले 16000 थे, वहीं 2024 तक बढ़कर 48000 हो गई। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, पाकिस्तान पूर्वी भूमध्यसागरीय क्षेत्र में एचआईवी की सबसे तेजी से फैलने वाली महामारी का सामना कर रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, यह जानकारी विश्व एड्स दिवस के मौके पर डब्ल्यूएचओ और यूएनएआईडीएस द्वारा आयोजित जागरूकता वॉक में साझा की गई। सबसे चिंताजनक बात यह है कि पहले एचआईवी मुख्य रूप से उच्च जोखिम वाले समूहों (जैसे नशीले पदार्थों का इंजेक्शन लेने वाले) तक सीमित था, लेकिन अब यह बच्चों, जीवनसाथियों और सामान्य आबादी तक तेजी से फैल रहा है। इलाज और जांच सुविधाओं तक सीमित पहुंच रिपोर्ट के अनुसार, अनुमान है कि पाकिस्तान में वास्तव में करीब 3.5 लाख लोग एचआईवी से पीड़ित हैं, लेकिन इनमें से लगभग 80 प्रतिशत लोग अपनी स्थिति से पूरी तरह अनजान हैं। बच्चों पर इसका असर विशेष रूप से भयावह है। 0-14 साल के बच्चों में नए एचआईवी मामले 2010 में 530 थे, जो 2023 तक बढ़कर 1800 हो गए।

हिजाब महिलाओं की गरिमा को बचाता है, वहीं पश्चिम उन्हें भोग की वस्तु बनाता है: खामेनेई

तेहरान, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

ईरान के सर्वोच्च नेता आयतुल्लाह अली खामेनेई ने एक बार फिर अनिवार्य हिजाब और सख्त ड्रेस कोड का खुलकर बचाव किया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार पोस्ट करते हुए उन्होंने पश्चिमी देशों पर तीखा हमला बोला और दावा किया कि इस्लाम महिलाओं को सच्ची आजादी और सम्मान देता है, जबकि पश्चिमी पूंजीवादी व्यवस्था उन्हें महज यौन वस्तु बना देती है। यह बयान ऐसे समय आया है जब ईरान की संसद के 150 से ज्यादा सांसदों ने न्यायपालिका पर हिजाब कानून को ढीला करने का आरोप लगाया था। ठीक एक दिन बाद खामेनेई ने जवाब दिया। उन्होंने लिखा, समाज का पहला कर्तव्य है महिलाओं की सुरक्षा, गरिमा और शांति सुनिश्चित करना। इस्लाम ठीक यही करता है। पश्चिम में पूंजीवाद महिलाओं को विज्ञापनों, फिल्मों और फैशन की भेंट चढ़ाता है। वहाँ औरत को सिर्फ शरीर समझा जाता है। खामेनेई ने पश्चिमी समाज में लैंगिक वेतन असमानता का भी जिक्र किया। उनका कहना था कि वहाँ महिलाओं से समान काम करवाया जाता है, लेकिन वेतन कम दिया जाता है और उनका शारीरिक शोषण आम है। इसके उलट इस्लाम में महिला को घर का फूल बताया गया है। उन्होंने हदीस का हवाला देते हुए लिखा, 'महिला

नौकरानी नहीं है। वह फूल है, जिसकी देखभाल करनी है। उसकी खुशबू और रंग पूरे घर को महकाते हैं। उसे सम्मान और सुरक्षा दो, वह तुम्हें समृद्ध करेगी। खामेनेई ने यह भी कहा कि हिजाब और पर्दे का कानून औरत को सड़क पर चलते हुए पुरुषों की भूखी नजरों से बचाता है और उसे एक सम्मानजनक पहचान देता है। उनके मुताबिक पश्चिमी आजादी का मतलब सिर्फ नग्नता और भोग है, जबकि इस्लामी व्यवस्था औरत को सशक्त बनाती है, उसे पढ़ने-लिखने, आगे बढ़ने और अपनी पहचान बनाने का पूरा हक देती है। 2022 में महसा अमीनी की हिरासत में मौत के बाद ईरान में हिजाब विरोधी बड़े आंदोलन हुए थे। उसके बाद से कानून को और सख्त करने की मांग तेज हो गई थी। खामेनेई के ताजा बयानों ने उस बहस को फिर हवा दे दी है। सरकार अब नए कानून पर काम कर रही है, जिसमें हिजाब न पहनने पर भारी जुर्माना और जेल की सजा का प्रावधान होगा।

समुद्री जीव 'वैम्पायर स्क्विड' वैज्ञानिकों के लिए बना बड़ा रहस्य

लंदन, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

हाल ही में यूनिवर्सिटी ऑफ विएना और जापान के वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययन में समुद्री के रहस्यमयी जीव 'वैम्पायर स्क्विड' के बारे में ऐसा खुलासा किया है जिसने विज्ञान जगत में हलचल मचा दी है। शोधकर्ता बताते हैं कि यह जीव विकास की उस कड़ी का हिस्सा है जिसे वर्षों से वैज्ञानिक खोजते आ रहे थे। इसका जीनोम अब तक का सबसे बड़ा सेफलोपोड जीनोम है, जिसने ऑक्टोपस और स्क्विड के विकास की कहानी को नए सिरे से समझने का रास्ता खोल दिया है।

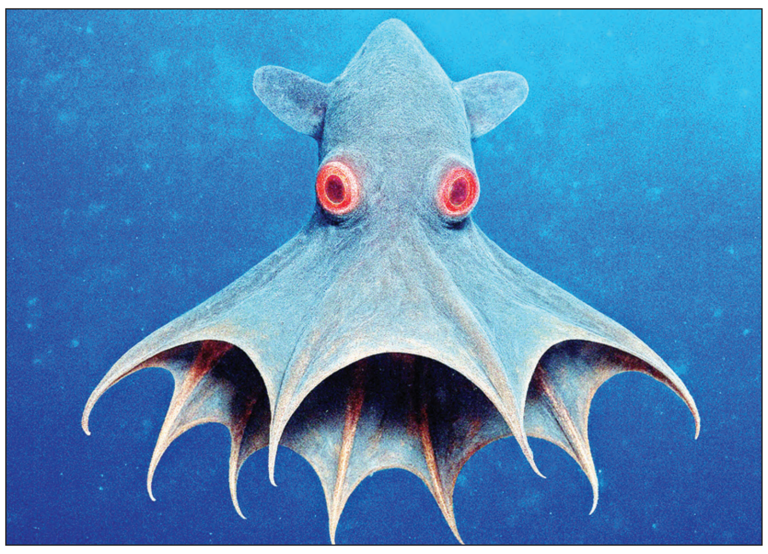

दिखने में यह जीव बेहद डरावना लगता है काला शरीर, चमकती लाल या नीली आंखें और भुजाओं के बीच फैली जाली जो किसी लबादे जैसी दिखाई देती है। इसी भयानक रूप ने इसे 'वैम्पायर' नाम दिलाया। लेकिन इसकी जीवनशैली बिल्कुल अलग है। यह न तो खून चूसता है और न ही जीवित प्राणियों का शिकार करता है। बल्कि यह समुद्र में तैरते हुए मृत जीवों के अवशेष और जैविक कचरा खाता है। इसे जापान में 'कोमोरी-डाको' यानी 'चमगादड़ ऑक्टोपस' कहा जाता है। शांत और सफाई करने वाला यह जीव प्रकृति के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वैज्ञानिकों के सामने असली चुनौती इसके विशाल जीनोम को डिकोड करना था। वैम्पायर स्क्विड के डीएनए में 11 बिलियन बेस पेयर्स पाए गए, यानी मानव जीनोम से लगभग चार गुना ज्यादा। इसके बावजूद इसमें समय के साथ बहुत कम परिवर्तन हुआ है, इसलिए इसे 'जीनोमिक लिविंग फॉसिल' का दर्जा दिया गया है। यह जीव करोड़ों वर्षों से लगभग उसी रूप में समुद्र में जीवित है, और इसके जीन में पृथ्वी के समुद्री विकास का इतिहास दर्ज है। शोध में खुलासा हुआ है कि लगभग 30 करोड़ वर्ष पहले सेफलोपोड्स दो अलग समूहों में विभाजित हो गए थे। एक समूह में 10 भुजाओं वाले स्क्विड और कटलफिश थे, जबकि दूसरे में 8 भुजाओं वाले ऑक्टोपस और वैम्पायर स्क्विड। हालांकि नाम में स्क्विड होने के बावजूद इस जीव के पास ऑक्टोपस जैसी आठ भुजाएं हैं, लेकिन इसका क्रोमोसोम ढांचा स्क्विड जैसा है। यह दोनों के बीच खोई हुई विकास कड़ी है। वैज्ञानिकों के मुताबिक आधुनिक ऑक्टोपस के विकास में क्रोमोसोम के पुनर्गठन ने सबसे बड़ी भूमिका निभाई, जिससे उन्हें अपनी खास विशेषताएं मिलीं। दूसरी ओर वैम्पायर स्क्विड ने अपने पुराने गुण और संरचना को सुरक्षित रखा। अध्ययन में इसकी तुलना 'पेपर नॉटिलस' नामक एक अन्य विचित्र ऑक्टोपस प्रजाति से भी की गई।

कोच का दांव सफल, शिंटोमन ने केआईयूजी में 110 मीटर हर्डल्स का तोड़ा रिकॉर्ड

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। महात्मा गांधी विश्वविद्यालय के धावक सीबी शिंटोमन ने बुधवार को खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स (केआईयूजी) 2025 में पुरुषों की 110 मीटर हर्डल्स स्पर्धा में नया कीर्तिमान स्थापित कर सबको चौंका दिया। 23 वर्षीय शिंटोमन ने 14.32 सेकंड का समय लेकर गोल्ड मेडल अपने नाम किया और पिछले मीट रिकॉर्ड (14.40 सेकंड) को तोड़ डाला।

फुटबॉल खेलते हुए हुई 'टैलेंट की खोज'

केरल के इडुक्की जिले के एरटायर गांव के शिंटोमन की जिंदगी 2021 तक पढ़ाई, स्कूल फुटबॉल और छुट्टियों में इलायची बागानों में मजदूरी तक सीमित थी। उन्होंने कभी सिंथेटिक ट्रैक पर कदम भी नहीं रखा था, लेकिन एक स्कूल फुटबॉल मैच के दौरान केरल स्पोर्ट्स काउंसिल अकादमी के कोच बैजू जोसेफ की नजर उन पर पड़ी। उनकी मजबूत बॉडी और स्वाभाविक एथलेटिक क्षमता को देखते हुए कोच ने उन्हें एथलेटिक्स की ओर मोड़ा। 400 मीटर और हाई जंप से शुरुआत हुई और धीरे-धीरे वह अपने सही इवेंट 110 मीटर हर्डल्स तक पहुंचे।

दो साल में चौंकाने वाली प्रगति

महज दो साल में शिंटोमन ने अद्भुत सुधार किया है। जयपुर के सवाई मानसिंह स्टेडियम में हुए रोमांचक फाइनल में उन्होंने मामूली फासले से शिवाजी विश्वविद्यालय के विकास आनंद खोड़के (14.516 सेकंड) और कैलिकट विश्वविद्यालय के रहील साकीर वीपी (14.518 सेकंड) को पछाड़ते हुए गोल्ड पर कब्जा जमाया। शिंटोमन ने जीत के बाद साई मीडिया से कहा, 'यह मेरा पहला केआईयूजी गोल्ड है और मुकाबला काफी कड़ा था। इतने प्रतिस्पर्धी फील्ड में हिस्सा लेना और पहली बार में ही गोल्ड जीतना मेरे लिए बहुत खास है।'

परिवार नहीं जानता उपलब्धियों के बारे में

मजदूरी कर घर चलाने वाले एक पेंटर के बेटे शिंटोमन का बचपन खेलों से दूर बीता। वह बताते हैं कि उनका परिवार आज भी उनकी उपलब्धियों से अधिक परिचित नहीं है। उन्होंने कहा, 'घर में खेल का माहौल कभी नहीं रहा। आज भी उन्हें बहुत कुछ पता नहीं है। लेकिन मेरे कॉलेज और कोच के सपोर्ट से ही मैं यहां तक पहुंच पाया हूं।'

राष्ट्रीय रिकॉर्ड पर नजर

पिछले वर्ष उन्होंने ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 14.18 सेकंड का अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया था। इस सीजन उन्होंने इंटर स्टेट सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में 14.25 सेकंड का समय निकाला। अब उनका लक्ष्य तेजस शिर्से के 13.41 सेकंड वाले राष्ट्रीय रिकॉर्ड को चुनौती देना है।

भारतीय टीम में जगह बनाने का सपना

इलायची के खेतों में मजदूरी करने से लेकर राष्ट्रीय स्तर पर रिकॉर्ड तोड़ने तक का सफर शिंटोमन के लिए जीवन बदलने वाला साबित हुआ है। वह कहते हैं, 'यह गोल्ड मुझे और मेहनत करने की प्रेरणा देता है। देश का प्रतिनिधित्व करने के लिए मुझे अपनी स्पीड और तकनीक को और बेहतर करना होगा।' अब शिंटोमन, कोट्टायम स्थित सेंट डॉमिनिक कॉलेज में जूलियस जे. मनयानी की देखरेख में ट्रेनिंग ले रहे हैं और 2026 के व्यस्त सीजन की तैयारी जल्दी ही शुरू करने वाले हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

दूसरे एशेज टेस्ट से पहले ऑस्ट्रेलिया का बड़ा फैसला, नाथन लायन बाहर, नेसर और इंग्लिस को मौका

ब्रिस्बेन। डे-नाइट एशेज टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन मैच शुरू होने से पहले ऑस्ट्रेलिया ने चौंकाने वाला निर्णय लेते हुए अनुभवी स्पिनर नाथन लायन को टीम से बाहर कर दिया। ब्रिस्बेन के गाबा मैदान पर खेले जा रहे दूसरे एशेज टेस्ट में घरेलू दर्शकों के सामने माइकल नेसर की वापसी हुई है, जबकि इंजर्ड उस्मान ख्वाजा की जगह जोश इंग्लिस को शामिल किया गया है। इंग्लिस पहली बार अपने घरेलू मैदान पर टेस्ट खेलेंगे और उन्हें बल्लेबाजी क्रम में नंबर 7 पर उतारा जाएगा। ट्रैविस हेड पर्थ टेस्ट की तरह इस मैच में भी ओपनिंग करेंगे। हेड ने मैच से पहले कहा, 'लगता है कि मैं ही पारी की शुरुआत करूंगा, मैंने उसी हिसाब से तैयारी की है।' यह इंग्लिस का चौथा टेस्ट और पहला एशेज मुकाबला होगा, जबकि नेसर तीन साल बाद बैगी ग्रीन पहनते नजर आएंगे। खास बात यह है कि नेसर के अब तक तीनों टेस्ट मैच डे-नाइट रहे हैं और वे पिंक-बॉल स्पेशलिस्ट माने जाते हैं। कप्तान पैट कमिंस की वापसी की उम्मीद थी, लेकिन उनकी पीठ की चोट पूरी तरह ठीक न होने के कारण उन्हें अभी भी आराम दिया गया है। इससे स्टीव स्मिथ टीम की कमान संभालते रहेंगे। 38 वर्षीय नाथन लायन को लगातार दूसरे पिंक-बॉल टेस्ट से बाहर किया गया है। सीजन की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया ने कहा था कि वे लायन को फिर से बाहर करने की संभावना कम रखते हैं, लेकिन पर्थ में उन्होंने सिर्फ दो ओवर फेंके और टीम मैनेजमेंट ने पिंक-बॉल कंडीशंस को देखते हुए नेसर पर भरोसा जताया। नेसर की मौजूदगी ऑस्ट्रेलिया के निचले क्रम की बल्लेबाजी को भी मजबूत करती है, क्योंकि उनके पास फर्स्ट-क्लास क्रिकेट में पांच शतक हैं और लगभग 30 का औसत है। इंग्लैंड ने अपनी प्लेइंग 11 पहले ही घोषित कर दी थी। पर्थ में आठ विकेट से हार के बाद उन्होंने एक बदलाव किया है—मार्क वुड की जगह ऑफ-स्पिनिंग ऑलराउंडर विल जैक्स को शामिल किया गया है ताकि बल्लेबाजी में गहराई लाई जा सके।

जीत के बाद बोले बावुमा, भारतीय टीम के खिलाफ खेलना बेहद कठिन

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट टीम के कप्तान तेंबू बावुमा ने भारतीय टीम के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में मिली रिकार्ड जीत पर खुशी जतायी है। बावुमा की कप्तानी में दक्षिण अफ्रीका की टीम ने भारत के खिलाफ दूसरे एकदिवसीय में 359 रनों के कठिन लक्ष्य को भी हासिल कर लिया। यह एकदिवसीय में लक्ष्य का पीछा करते हुए विदेशी धरती पर किसी भी टीम की संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है। बावुमा ने दूसरा एकदिवसीय चार विकेट से जीतने के बाद कहा, मुझे खुशी है कि हमने जीत की दहलीज पार कर ली। इस मैच में आते हुए हमारा ध्यान था कि गेंदबाजी कैसे बेहतर की जा सके। वहीं बल्लेबाजी में शीर्ष क्रम ने अच्छा प्रदर्शन किया। एडेन मार्करम और मैथ्यू ब्रीटजके के अलावा कॉर्बिन बॉश ने भी अच्छा खेल दिखाया है। फिनिशिंग भी अच्छी रही। यह प्रकार से ये कठिन लक्ष्य हासिल किया गया। उससे साफ है कि भारतीय टीम के खिलाफ खेलना कितना मुश्किल है। हमें आगे भी इसी प्रकार के प्रदर्शन की जरुरत होगी।

सुरक्षा घेरा तोड़कर विराट से मिलने पहुंचा प्रशंसक

रायपुर। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की सुरक्षा से खिलवाड़ का मामला फिर सामने आया है। यहां छत्तीसगढ़ के रायपुर में दक्षिण अफ्रीका के साथ हुए दूसरे मैच में भी एक प्रशंसक सुरक्षा घेरे को लांघकर विराट के करीब पहुंच गया। ये घटना टी ब्रेक के दौरान हुई। उस समय विराट क्रीज पर थे, तभी एक युवक मैदान में पहुंच गया। हालांकि सुरक्षाकर्मियों ने उस काबू कर मैदान से बाहर कर दिया। वहीं इससे पहले रांची में खेले गए मुकाबले के दौरान भी एक प्रशंसक मैदान के अंदर आ गया था और उसने कोहली के पैर छूने का प्रयास किया था। ये युवक विराट से मिलना चाहता था पर सुरक्षा टीम ने स्थिति को संभल लिया और उसे पकड़कर बाहर कर दिया। इससे किसी भी तरह की परेशानी नहीं आयी।

जूनियर हॉकी वर्ल्ड कप के क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना मजबूत बेल्जियम से

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

भारत ने पूल-बी में दमदार प्रदर्शन करते हुए 29 गोल दागकर और एक भी गोल न खाते हुए भले ही शानदार रिकॉर्ड बनाया हो, लेकिन असली चुनौती अब शुरू होने जा रही है। शुक्रवार को चेन्नई के मेयर राधाकृष्णन हॉकी स्टेडियम में होने वाले क्वार्टर फाइनल में भारत का सामना मजबूत बेल्जियम से होगा। पी.आर. श्रीजेश की कोचिंग में खेल रही भारतीय टीम जानती है कि चिली, ओमान और स्विट्जरलैंड जैसी कमजोर टीमों के खिलाफ मिले आसान जीत अब इतिहास हो चुके हैं। अब जरा-सी गलती 2016 के बाद दोबारा घरेलू धरती पर खिताब जीतने के सपने को तोड़ सकती है।

भारतीय फॉरवर्ड लाइन ने अब तक बेहतरीन प्रदर्शन किया है। दिलराज सिंह (6 गोल) और मनमीत सिंह (5 गोल) ने आक्रमण में लय बनाए रखी, जबकि रोशन कुजूर की अगुआई में मिडफील्ड भी सॉलिड रहा है। इसके बावजूद कोच श्रीजेश ने चेतावनी दी है कि टीम को सर्कल एंट्री को गोल या पेनल्टी कॉर्नर में बदलने की क्षमता और मजबूत करनी होगी। साथ ही डिफेंस को कसा हुआ रखने की जरूरत है ताकि बेवजह पेनल्टी कॉर्नर न मिलें।

पेनल्टी कॉर्नर कन्वर्ज़न भी भारत की लगातार चिंता रही है। पिछले मैच में शारदा नंद तिवारी ने दो गोल कर सुधार जरूर दिखाया, लेकिन रोहित और अनमोल एक्का को बेल्जियम की मजबूत रक्षा पंक्ति के खिलाफ अपने स्ट्राइक रेट में और सुधार करना होगा।

दूसरी ओर, बेल्जियम को हल्के में लेना भारत के लिए बड़ी भूल होगी। स्पेन के पीछे पूल-डी में दूसरे स्थान पर रहने के बावजूद बेल्जियम टूर्नामेंट की सबसे खतरनाक आक्रामक टीमों में से एक मानी जा रही है। पूल चरण में टीम ने 22 गोल किए, जिनमें फील्ड गोल और पेनल्टी कॉर्नर गोल की संख्या बराबर रही।

भारतीय डिफेंस अब तक लगभग अनटेस्टेड रहा है, जिसे अब सबसे कड़ी परीक्षा से गुजरना होगा। स्विट्जरलैंड के खिलाफ 5-0 की जीत में गोलकीपर प्रिंस दीप सिंह और बिक्रमजीत सिंह ने कुछ बेहतरीन सेव किए, लेकिन बेल्जियम का आक्रमण इससे कहीं कठिन होगा। कप्तान रोहित, तालेम प्रियबर्ता और आमिर अली की अगुआई में भारतीय बैकलाइन को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता दिखानी होगी। अन्य क्वार्टरफाइनल मुकाबलों में स्पेन का सामना न्यूजीलैंड से, फ्रांस का मुकाबला जर्मनी से (पिछले संस्करण के फाइनल की पुनरावृत्ति) और नीदरलैंड्स का मुकाबला अर्जेंटीना से होगा।

अर्जुन एरिगेसी ने विश्वनाथन आनंद को हराकर जीता यरूशलम मास्टर्स 2025 खिताब

नई दिल्ली। भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगेसी ने बुधवार को पूर्व विश्व चैंपियन विश्वनाथन आनंद को फाइनल में हराते हुए यरूशलम मास्टर्स 2025 का खिताब अपने नाम कर लिया। रैपिड चरण के शुरुआती दो गेम ड्रॉ रहने के बाद एरिगेसी ने पहले ब्लिट्ज गेम में सफेद मोहरों से निर्णायक जीत दर्ज की। दूसरे ब्लिट्ज गेम में भी वे बेहतर स्थिति में थे, लेकिन सुरक्षित ड्रॉ स्वीकार कर खिताब अपने नाम किया। 22 वर्षीय एरिगेसी को इस खिताबी जीत के साथ 55,000 अमेरिकी डॉलर की पुरस्कार राशि मिली। फाइनल में पहुंचने के लिए एरिगेसी ने सेमीफाइनल में रूस के पीटर स्विडलर को हराया था, जबकि आनंद ने दूसरे सेमीफाइनल में इयान नेपोमनियाची पर जीत दर्ज की थी। दोनों भारतीय खिलाड़ियों ने अपने-अपने सेमीफाइनल की दूसरी रैपिड गेम में जीत दर्ज की थी। तीसरे स्थान के लिए हुए मुकाबले में स्विडलर ने अपने हमवतन नेपोमनियाची को 2.5-1.5 से हराया। निर्णायक बढ़त उन्हें दूसरे ब्लिट्ज गेम में मिली। प्रारंभिक राउंड-रॉबिन चरण में स्विडलर ने 8/11 स्कोर के साथ टॉप किया, जबकि नेपोमनियाची, आनंद और एरिगेसी ने 7.5/11 अंक हासिल कर संयुक्त रूप से दूसरा स्थान साझा किया।

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी: केरल ने मुंबई को 15 रन से हराया, शरफुद्दीन चमके

लखनऊ, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के अटल बिहारी वाजपेयी इकाना स्टेडियम में गुरुवार को खेले गए सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एलीट ग्रुप 'ए' मैच में केरल ने मुंबई को 15 रन से हरा दिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए केरल की टीम ने निर्धारित 20 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 178 रन बनाए। जवाब में मुम्बई की टीम 19.4 ओवर में 163 रन पर ऑलआउट हो गई और 15 रन से मुकाबला गंवा दिया। गेंद और बल्ले दोनों से उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले केरल के खिलाड़ी शरफुद्दीन को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

मुकाबले में जीत के साथ केरल अंक तालिका में अपने ग्रुप में 12 अंकों के साथ तीसरे पायदान में पहुंच गई है जबकि हार के बावजूद मुंबई 16 अंकों के साथ पहले स्थान में बरकरार है।

लक्ष्य का पीछा करते हुए मुंबई की शुरुआत खराब रही और आयुष म्हात्रे (03) सस्ते में आउट हुए। इसके बाद अजिंक्य रहाणे (32), सरफराज खान (52) और सूर्यकुमार यादव (32) ने मुंबई को मैच में बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन बीच-बीच में गिरते विकेटों ने टीम की लय तोड़ दी। मुंबई की पारी 19.4 ओवर में 163 रन पर सिमट गई।

केरल की ओर से केएम आसिफ ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 5 विकेट झटके। वहीं विग्नेश पुथुर ने दो विकेट लिए तथा शरफुद्दीन, एमडी निधीश, अब्दुल बसीथ को एक-एक विकेट मिला।

इससे पहले केरल ने बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में पांच विकेट पर 178 रन बनाए। टीम के कप्तान संजू सैमसन ने 28 गेंदों में 46 रन की आक्रामक पारी खेली, जबकि विष्णु विनोद ने 43 रन की नाबाद पारी से टीम को स्थिरता दी। मोहम्मद अजहरुद्दीन ने 25 गेंदों पर 32 रन बनाए। आखिर में शरफुद्दीन ने सिर्फ 15 गेंदों में नाबाद 35 रन ठोककर रनगति में तेजी लाई और केरल को मजबूत स्कोर तक पहुंचाया।

मुम्बई की ओर से शार्दुल ठाकुर, अथर्व अंकोलेकर, शम्स मुलानी, साईराज पाटिल और शिवम दुबे ने एक-एक विकेट लिया।

'ओवल इनविंसिबल्स' में रिलायंस ने हिस्सेदारी खरीदी, टीम अब मुंबई इंडियंस लंदन बनी

मुम्बई। क्रिकेट से सबसे छोटे प्रारुप द हंड्रेड की सबसे सफल टीम 'ओवल इनविंसिबल्स' अब मुंबई इंडियंस लंदन बन गयी है। इसे भारत की सबसे बड़ी निजी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज और सरे काउंटी क्रिकेट क्लब ने इसे खरीदा है। इसी के बाद ही इस फ्रेंचाइजी का नाम बदलकर मुंबई इंडियंस लंदन कर दिया गया है। दोनों पक्षों के बीच करार जुलाई में ही हो गया था हालांकि अब इसे आधिकारिक रुप से घोषित किया गया है। इसी को देखते हुए रिलायंस और सरे ने एक संयुक्त बयान में कहा, 'सौदे में फ्रेंचाइजी में रिलायंस का 49 फीसदी और सरे का 51 फीसदी हिस्सा है वहीं मालिकाना अधिकार इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) से स्थानांतरित किया गया है।' इस नयी साझेदारी के तहत अगले साल से पुरुष और महिला दोनों टीमें मुंबई इंडियंस लंदन के नाम से जानी जाएगी।' गौरतलब है कि ओवल इनविंसिबल्स 'द हंड्रेड' की सबसे सफल टीम है उसने पांच साल में पांच खिताब जीते हैं।

रचिन व लेथम के शतकों से न्यूजीलैंड मजबूत वेस्टइंडीज पर ली 481 रन की बड़ी बढ़त

क्राइस्टचर्च, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। हैगली ओवल में खेले जा रहे पहले टेस्ट मैच में रचिन रवींद्र और टॉम लेथम की शानदार शतकीय पारियों ने न्यूजीलैंड को वेस्ट इंडीज के खिलाफ मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया है। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने तक कीवी टीम ने दूसरी पारी में 417/4 रन बना लिए थे और 481 रन की अजेय बढ़त हासिल कर ली थी। न्यूजीलैंड ने दिन की शुरुआत 32/0 से की और शुरुआती साझेदारी को 84 रन तक पहुंचाया। ओजाय शील्ड्स ने पहले डेवोन कॉनवे (84 रन की साझेदारी के बाद आउट) को गहरा प्वाइंट पर कैच करवाया, फिर कप्तान केन विलियमसन (9) को भी पवेलियन भेज दिया। इस समय न्यूजीलैंड 100/2 था और 164 रन की बढ़त हासिल कर चुका था। इसके बाद रचिन रवींद्र और टॉम लेथम ने वेस्ट इंडीज की गेंदबाज़ी पर जोरदार हमला बोला। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 279 रन की विशाल साझेदारी करते हुए कैरेबियाई गेंदबाज़ों को पूरी तरह बैकफुट पर धकेल दिया। रचिन ने 52 गेंदों में अर्धशतक जमाया, जबकि लेथम ने टी ब्रेक से ठीक पहले अपना 14वां टेस्ट शतक पूरा किया। टी के समय रचिन 70 रन पर खेल रहे थे। टी ब्रेक के बाद भी कीवी बल्लेबाज़ों ने उसी आक्रामक अंदाज़ को जारी रखा। रचिन ने 107 गेंदों में चौथा टेस्ट शतक पूरा किया। दोनों बल्लेबाज़ स्कोर को 400 रन की बढ़त के पार ले गए। आखिरकार केमार रोच ने लेथम को 145 के स्कोर पर आउट करते हुए यह साझेदारी तोड़ी। रचिन भी अंत में शील्ड्स की यॉर्कर पर 176 रन बनाकर आउट हो गए। अंत में भले ही वेस्ट इंडीज को दो विकेट मिले, लेकिन न्यूजीलैंड ने अंतिम सत्र में 184 रन जोड़कर मुकाबले पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

संक्षिप्त स्कोर:

न्यूजीलैंड: 231 व 417/4 (रचिन रवींद्र 176, टॉम लेथम 145; केमार रोच 2/61)

वेस्ट इंडीज: 167

न्यूजीलैंड 481 रन की बढ़त के साथ आगे।

ला लीगा में एम्बाप्पे के दो गोल की बदौलत रियल मैड्रिड ने एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराया

मैड्रिड, 04 दिसंबर (एजेंसियां)।

रियल मैड्रिड ने बुधवार को खेले गए ला लीगा मुकाबले में एथलेटिक बिलबाओ को 3-0 से हराकर अपनी तीन मैचों की जीत-विहीन कड़ी को खत्म किया। मैच में किलियन एम्बाप्पे का शानदार प्रदर्शन देखने को मिला, जिन्होंने दो बेहतरीन गोल दागे। इस जीत के साथ मैड्रिड 15 मैचों में 36 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर बरकरार है, जो लीडर बार्सिलोना से सिर्फ एक अंक पीछे है।

मैच की शुरुआत से ही रियल मैड्रिड ने आक्रामक रुख अपनाया। शुरुआती मिनटों में ही बिलबाओ के गोलकीपर उनाई सिमोन को लगातार बचाव करने पड़े। हालांकि, सातवें मिनट में मेजबान टीम की रक्षा ढह गई। एम्बाप्पे ने हाफवे लाइन के पास गेंद पाकर दो डिफेंडरों को पछाड़ते हुए बॉक्स के बाहर से शानदार कर्लिंग शॉट लगाया, जो सीधा टॉप कॉर्नर में जा घुसा।

एम्बाप्पे और विनीसियस जूनियर की जोड़ी ने पहले हाफ में बिलबाओ की डिफेंस को खूब परेशान किया, हालांकि कई मौकों पर मैड्रिड के फॉरवर्ड गोल के सामने चूकते भी दिखे। 24वें मिनट में बिलबाओ ने बराबरी का सुनहरा मौका बनाया, लेकिन गुरुज़ेटा की जोरदार शॉट को थिबाऊ कोर्टवा ने शानदार रिफ्लेक्स सेव से रोक दिया। इसके तुरंत बाद कोर्टवा ने अलेक्स बेरेंगुएर के नजदीकी शॉट को भी नाकाम किया।

हाफटाइम से ठीक पहले मैड्रिड ने बढ़त 2-0 कर दी। धैर्यपूर्ण बिल्ड-अप प्ले के बाद ट्रेंट अलेक्जेंडर-अर्नोल्ड ने दाएं छोर से सटीक क्रॉस भेजा, जिसे एम्बाप्पे ने हेड से पास में बदला और वहीं मौजूद एडुआर्डो कामाविंगा ने आसानी से हेडर से गोल दाग दिया। ब्रेक से पहले कोर्टवा ने जैउरेगिज़ार के तेज शॉट को भी शानदार तरीके से रोककर पहली पारी का अंत मैड्रिड के पक्ष में कर दिया।

दूसरे हाफ में मैड्रिड ने रफ्तार थोड़ी धीमी की, लेकिन एम्बाप्पे का जादू जारी रहा। 59वें मिनट में उन्होंने गोलकीपर सिमोन को थोड़ा बाहर पोजिशन में देखते हुए बॉक्स के बाहर से एक और शानदार कर्लर दाग दिया, जिसने रियल मैड्रिड की जीत पक्की कर दी। यह एम्बाप्पे का इस सीजन के 15 ला लीगा मैचों में 16वां गोल था, जो दूसरे स्थान पर मौजूद बार्सिलोना के रॉबर्ट लेवांडोव्स्की के आठ गोलों से दोगुना है।

मैच के बाद रियल मैड्रिड के मैनेजर ज़ाबी अलोंसो ने कहा,

'यह महत्वपूर्ण मैच था क्योंकि हमें खराब दौर को खत्म करना था। टीम ने बेहद संतुलित और शानदार प्रदर्शन किया। यह हमारा अब तक का सबसे संपूर्ण मैच था, वो भी इतने कठिन मैदान पर।' रियल मैड्रिड अब रविवार को सेल्टा वीगो का सामना करेगा, जिसके बाद 10 दिसंबर को सैंटियागो बर्नब्यू में मैनचेस्टर सिटी के खिलाफ बहुप्रतीक्षित चैंपियंस लीग मुकाबला खेला जाएगा।

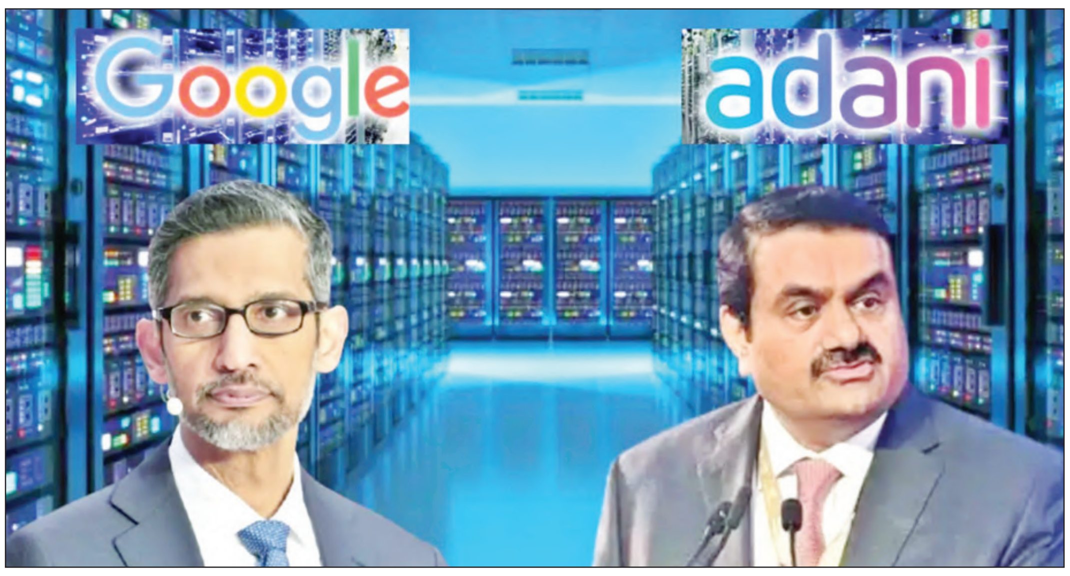

आंध्र प्रदेश सरकार ने अडाणी-गूगल एआई डेटा सेंटर के लिए 480 एकड़ जमीन आवंटित की

परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार 22,000 करोड़ तक प्रोत्साहन भी देगी

अमरावती, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

आंध्र प्रदेश सरकार ने गूगल की कंपनी रैडेन इन्फोटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए विशाखापत्तनम और अनकापल्ली जिलों में 480 एकड़ भूमि आवंटित की है। भूमि आवंटन अदाणी इंफ्रा (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड को 'प्राथमिक अधिसूचित भागीदार' के रूप में किया गया है। अन्य अधिसूचित भागीदारों में अदाणी कॉनेक्स, अदाणी पावर, भारती एयरटेल और नेक्सट्रा डेटा/विजाग शामिल हैं। यह आवंटन अंतिम सर्वेक्षण के पूरा होने पर लागू होगा। रैडेन एआई डेटा सेंटर का कुल निवेश 15 अरब डॉलर (लगभग 1.25 लाख करोड़ रुपये) तक पहुंच गया है। परियोजना चरणबद्ध तरीके से विकसित की जाएगी और सरकार से 22,000 करोड़ रुपये तक के प्रोत्साहन भी दिए जाएंगे। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने इस परियोजना के लिए विशेष प्रोत्साहनों का आश्वासन दिया है। डेटा सेंटर गूगल की सेवाओं जैसे सर्च, यूट्यूब और वर्कस्पेस के संचालन मानकों के अनुसार विकसित किया जाएगा। इसकी क्षमता 1 गीगावाट होगी, जो पूर्ण संचालन पर मुंबई की वार्षिक बिजली खपत का लगभग 50 प्रतिशत उपयोग करेगा। परियोजना आंध्र प्रदेश में डिजिटल और तकनीकी निवेश को बढ़ावा देगी, नई नौकरियां सृजित करेगी और राज्य की वैश्विक तकनीकी छवि मजबूत करेगी। रैडेन के साथ अधिसूचित भागीदार सभी प्रोत्साहनों का लाभ उठा सकेंगे। सरकारी आदेश 2 दिसंबर 2025 को जारी किया गया और इसमें मंत्रिपरिषद की 28 नवंबर की बैठक में प्रस्ताव की मंजूरी का उल्लेख किया गया है।

न्यूज़ ब्रीफ

भारत और कनाडा ने व्यापार समझौते पर बातचीत की रूपरेखा पर चर्चा की

नई दिल्ली। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल और कनाडा के अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू ने बुधवार को प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करने के लिए रूपरेखा, उद्देश्यों और तौर-तरीकों पर चर्चा की। दोनों पक्ष हाल ही में इस समझौते पर बातचीत फिर से शुरू करने पर सहमत हुए हैं, जिसे आधिकारिक तौर पर व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) कहा जाता है। इसका उद्देश्य 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर तक बढ़ाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री ने 'एक्स' पोस्ट पर जारी बयान में बताया कि कनाडा के साथ व्यापार और वाणिज्यिक जुड़ाव को आगे बढ़ाने के लिए अंतरराष्ट्रीय व्यापार मंत्री मनिंदर सिद्धू के साथ एक अच्छी बातचीत हुई। गोयल ने आगे लिखा है कि हमने व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए) बातचीत शुरू करने की तैयारी के हिस्से के तौर पर समग्र दृष्टिकोण, रूपरेखा, मैक्रो उद्देश्य और तौर-तरीके पर शुरुआती स्कोपिंग और बड़ी बातचीत की है। गोयल ने बताया कि दोनों देश नए साल में कनाडा में एक उच्च-स्तरीय व्यापार और निवेश प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने पर भी सहमत हुए हैं। गौरतलब है कि साल 2023 में कनाडा ने भारत के साथ समझौते के लिए बातचीत रोक दी थी, जब तत्कालीन प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारत का संभावित लिंक होने के आरोपों के बाद दोनों देश के द्विपक्षीय संबंध बहुत खराब हो गए थे।

फिच ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान बढ़ाकर 7.4 फीसदी किया

नई दिल्ली। वैश्विक रेटिंग एजेंसी फिच रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर के अनुमान को 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है। एजेंसी ने इसके पीछे उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी और जीएसटी सुधारों से बेहतर आर्थिक माहौल को प्रमुख कारण बताया है। फिच रेटिंग्स ने गुरुवार को दिसंबर के लिए जारी अपनी ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 7.4 फीसदी रहने का अनुमान है। इससे पहले रेटिंग एजेंसी ने 6.9 फीसदी आर्थिक वृद्धि दर रहने का अनुमान जताया था। एजेंसी का कहना है कि उपभोक्ता खर्च में बढ़ोतरी, व्यावसायिक माहौल में सुधार और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) में सुधारों से बढ़ी अर्थव्यवस्था की रफ्तार इस तेज वृद्धि के प्रमुख कारण हैं। फिच ने जारी बयान में दिसंबर के लिए अपनी ग्लोबल इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट में कहा, 'चालू वित्त वर्ष 2025-26 (मार्च के आखिर तक) के बचे हुए समय में ग्रोथ कम होगी, लेकिन हमने अपने पूरे साल के ग्रोथ के अनुमान को सितंबर के 6.9 फीसदी से बढ़ाकर 7.4 फीसदी कर दिया है।

भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात बढ़कर 1.47 अरब डॉलर पहुंचा

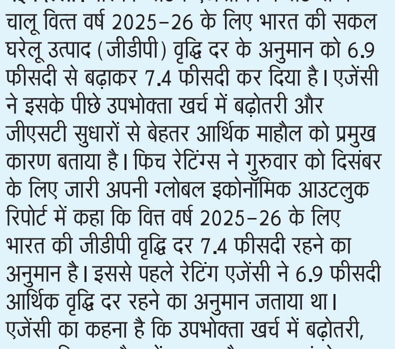

नई दिल्ली। भारत का अमेरिका को स्मार्टफोन निर्यात अक्टूबर 2025 में तीन गुना से अधिक बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हो गया। पिछले साल इसी महीने यह केवल 46 करोड़ डॉलर था। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, इस वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि में अमेरिका को कुल निर्यात 10.78 अरब डॉलर रहा, जबकि पिछले साल समान अवधि में यह 3.60 अरब डॉलर था। मासिक आधार पर निर्यात में उतार-चढ़ाव देखा गया। अप्रैल में यह 1.65 अरब डॉलर, मई में 2.29 अरब डॉलर था। जून में 1.99 अरब डॉलर, जुलाई में 1.52 अरब डॉलर, अगस्त में 96 करोड़ डॉलर और सितंबर में 88 करोड़ डॉलर तक गिर गया। अक्टूबर में निर्यात फिर बढ़कर 1.47 अरब डॉलर हुआ। अधिकारियों ने कहा कि शुल्क और नीति संबंधी अनिश्चितताओं के बावजूद निर्यात की गति कायम रही। भारत के वैश्विक स्मार्टफोन निर्यात में भी तेजी आई है। अप्रैल-अक्टूबर 2025 में यह 15.95 अरब डॉलर तक पहुंच गया, जबकि पिछले साल की समान अवधि में 10.68 अरब डॉलर था।

आईआईटी प्लेसमेंट में उछाल, हेज फंड और ट्रेडिंग कंपनियों की भागीदारी बढ़ी

आईआईटी कानपुर को पहले दिन अब तक के सबसे ज्यादा 672 ऑफर

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

देश के प्रमुख भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों (आईआईटी) में 1 दिसंबर से शुरू हुए प्लेसमेंट सीज़न में इस बार हेज फंड, प्रोप्राइटरी ट्रेडिंग और एल्गोरिदमिक ट्रेडिंग कंपनियों की बड़ी उपस्थिति देखने को मिल रही है। सूत्रों के अनुसार छात्रों को 90 लाख रुपए से लेकर 3 करोड़ रुपये सालाना तक के आकर्षक पैकेज ऑफर किए जा रहे हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित नई भूमिकाओं और उभरते क्षेत्रों के कारण कई आईआईटी इस साल नौकरी प्रोफाइल में विविधता लाने पर विशेष जोर दे रहे हैं, ताकि प्लेसमेंट केवल टेक कंपनियों और स्टार्टअप तक सीमित न रहे। आईआईटी रुड़की में पहले स्लॉट के दौरान डीई शॉ, दा विंची डेरिवेटिव्स, एनके सिक्योरिटीज रिसर्च और रूब्रिक जैसी प्रमुख ट्रेडिंग कंपनियों ने छात्रों को ऑफर दिए। इसके साथ ही अमेज़न, अमेरिकन एक्सप्रेस, एनवीडिया, क्वालकॉम, डेटाब्रिक्स, फ्लिपकार्ट, जोमैटो (इटरनल) और गूगल जैसी बड़ी टेक कंपनियां भी भर्ती प्रक्रिया में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रही हैं। निवेश क्षेत्र की दिग्गज कंपनी स्क्वायरपॉइंट कैपिटल से भी ऑफर प्राप्त हुए हैं। आईआईटी के विभिन्न परिसरों को पहले दो दिनों में कुल 555 ऑफर मिले हैं, जिनमें कम से कम आठ अंतरराष्ट्रीय स्तर के हैं। आईआईटी कानपुर ने इस साल रिकॉर्ड प्रदर्शन किया और पहले ही दिन 672 ऑफर हासिल किए। यह संख्या पिछले वर्ष की तुलना में 16 प्रतिशत अधिक है। इनमें से नौ ऑफर विदेश से प्राप्त हुए हैं। संस्थान ने कहा कि कुछ परिणाम अभी लंबित हैं, इसलिए कुल ऑफरों की संख्या और बढ़ने की उम्मीद है। दिल्ली, मुंबई, मद्रास, खड़गपुर और आईआईटी-बीएचयू जैसे पुराने एवं प्रतिष्ठित आईआईटी परिसरों में भी समान रुझान देखने को मिल रहा है। आईआईटी मद्रास में इस बार इंफ्रास्ट्रक्चर सेक्टर और स्टार्टअप कंपनियों की भागीदारी बढ़ी है। हालांकि पैकेज की पुष्टि संस्थान ने नहीं की, लेकिन सूत्रों का दावा है कि ऑफर 3 करोड़ रुपये तक पहुंच रहे हैं।

सोने के वायदा भाव में नरमी, चांदी में हल्की तेजी

नई दिल्ली। सोने-चांदी के वायदा बाजार में गुरुवार को कारोबार की शुरुआत तेज रुख के साथ हुई, हालांकि सत्र के आगे बढ़ने के साथ सोने के भाव पर दबाव देखने को मिला। घरेलू मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का फरवरी वायदा कॉन्ट्रेक्ट 337 रुपये की मजबूती के साथ 1,30,799 प्रति 10 ग्राम पर खुला था, जबकि पिछले सत्र का बंद भाव 1,30,462 रुपए था। इस समय सोना 1,30,274 रुपए पर आ गया, जो शुरुआती स्तर से 188 रुपये की गिरावट दर्शाता है। दिन के दौरान इसने 1,30,799 रुपए का उच्च और 1,30,228 रुपए का निम्न स्तर छुआ। सोने ने इस वर्ष 1,31,699 रुपए का सर्वोच्च स्तर बनाया था। दूसरी ओर, चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 269 रुपये की तेजी के साथ 1,82,621 रुपये पर खुला। पिछला बंद भाव 1,82,352 रुपये था। इस समय यह 2,45 रुपये की तेजी के साथ 1,82,597 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। इस समय इसने 1,82,697 रुपये के भाव पर दिन का उच्च और 1,82,021 रुपये के भाव पर दिन का निचला स्तर छू लिया। चांदी के वायदा भाव ने इस साल 1,84,743 रुपये किलो के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी मिले-जुले रुझान दिखाई दिए। कॉमेक्स पर सोना 4,234.50 डॉलर प्रति औंस पर खुलकर लगभग 4,223.10 डॉलर पर आ गया, जो लगभग 9.40 डॉलर की गिरावट दर्शाता है। इस वर्ष सोने का उच्चतम स्तर 4,398 डॉलर रहा है।

डॉलर बांड की मांग कमजोर! भारतीय कंपनियों का भरोसा अब रुपए पर

इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं भारतीय कंपनियां

नई दिल्ली, 04 दिसंबर (एजेंसियां) ।

भारतीय कंपनियां इस साल डॉलर में कर्ज लेने से बच रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है अमेरिका में लगातार ऊंची चल रही ब्याज दरें और वैश्विक स्तर पर बढ़ता आर्थिक व भू-राजनीतिक तनाव। ऐसे माहौल में कंपनियों को रुपये में कर्ज लेना अपेक्षाकृत सुरक्षित और सस्ता लग रहा है। यही कारण है कि रुपये बॉन्ड ज़ार तेजी से बढ़ रहा है और 2025 में इसके नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है।

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार जब तक वैश्विक परिस्थितियां सामान्य नहीं हो जातीं और विदेशी ब्याज दरें ऊंची बनी रहती हैं, भारतीय कंपनियां रुपये-आधारित कर्ज को ही प्राथमिकता देंगी। बड़ी भारतीय कंपनियों से लेकर मल्टीनेशनल कंपनियां अब विदेशों की बजाय भारत के घरेलू बाज़ार से पूंजी जुटा रही हैं, क्योंकि यहां कर्ज उपलब्धता अधिक है और ब्याज दरों में उतार-चढ़ाव भी कम देखने को मिलता है। इस वर्ष अब तक 12.6 लाख करोड़ के रुपये बॉन्ड बिक चुके हैं, जबकि डॉलर में जारी बॉन्ड केवल 9 अरब डॉलर के रहे, जो पिछले साल की तुलना में 32 फीसदी कम है। इससे रुपये बॉन्ड मार्केट की मजबूती साफ दिखाई देती है। इसी रुझान को देखते हुए विदेशी बैंक भी भारतीय रुपये बॉन्ड बाजार में अपनी मौजूदगी बढ़ाने में जुट गए हैं। हालांकि विदेशी बैंकों को एक्सिस बैंक, एचडीएफसी बैंक जैसे घरेलू दिग्गजों से कड़ी प्रतिस्पर्धा मिल रही है। इनके पास मजबूत जमा आधार, विस्तृत शाखा नेटवर्क और सरकारी बैंकों को मिलने वाला सरकारी समर्थन उन्हें और अधिक प्रभावी बनाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि विदेशी बैंक अब समझ चुके हैं कि भारत में रुपये-आधारित कर्ज ही आगे बढ़ने का रास्ता है, लेकिन इसके लिए उन्हें भारतीय बैंकों से सीधी टक्कर लेनी होगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत खुशकिस्मत...

तो भारत को वही विशेषाधिकार क्यों नहीं मिलना चाहिए।

पुतिन ने कहा, जहां तक रूस से भारत की ऊर्जा संसाधनों की खरीद का सवाल है, मैं यह बताना चाहूँगा और पहले भी इसका उल्लेख कर चुका हूँ, अमेरिका खुद अपने परमाणु ऊर्जा संयंत्रों के लिए हमसे परमाणु ईंधन खरीदता है।

रूसी राष्ट्रपति ने मॉस्को पर पश्चिमी प्रतिबंधों के मद्देनजर रूस से कच्चे तेल की खरीद में भारत द्वारा कमी लाने से जुड़े सवाल का भी जवाब दिया।

उन्होंने कहा, ठीक है, इस साल के पहले नौ महीनों के दौरान कुल व्यापार कारोबार में कुछ गिरावट आई है। यह केवल एक मामूली समायोजन है। कुल मिलाकर, हमारा व्यापार कारोबार लगभग पहले के स्तर पर ही बना हुआ है।

उन्होंने कहा, मैं अभी आपको सटीक मासिक आंकड़े नहीं दे सकता, लेकिन पेट्रोलियम उत्पादों और कच्चे तेल का व्यापार, साथ ही तेल उपभोक्ताओं, रूसी तेल के लिए पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन, भारत में सुचारू रूप से चल रहा है।ङ्क्ष

पुतिन ने यह भी कहा कि भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं किया जा सकता जैसा कि दशकों पहले किया जाता था।

उन्होंने कहा,प्रधानमंत्री मोदी वह व्यक्ति नहीं हैं जो आसानी से दबाव के आगे झुक जाते हैं। भारतीय लोग निश्चित रूप से अपने नेता पर गर्व कर सकते हैं। यह बिल्कुल स्पष्ट है। उन्होंने कहा, उनका रुख अटल और सीधा है, टकराव वाला नहीं। हमारा लक्ष्य संघर्ष को भड़काना नहीं है; बल्कि, हमारा लक्ष्य अपने वैध अधिकारों की रक्षा करना है। भारत भी ऐसा ही करता है।

यूक्रेन संघर्ष पर, पुतिन ने कहा कि उनका मानना है कि अमेरिका सक्रिय रूप से इस समस्या का समाधान तलाश रहा है। मुझे पूरी तरह से यकीन है, इसमें कोई संदेह नहीं है, कि वह (ट्रम्प) ईमानदारी से शांतिपूर्ण समाधान का लक्ष्य रखते हैं।

पुतिन ने कहा कि ट्रम्प वास्तव में शत्रुता को समाप्त करना और आगे जानमाल के नुकसान को रोकना चाहते हैं। लेकिन रूस और यूक्रेन के बीच टकराव को समाप्त करने से जुड़े राजनीतिक हित भी हो सकते हैं, या आर्थिक मकसद भी हो सकते हैं।

द्विपक्षीय व्यापार पर, पुतिन ने कहा कि हमारे 90 प्रतिशत से अधिक लेनदेन पहले ही राष्ट्रीय मुद्राओं में किए जा रहे हैं।

उन्होंने कहा, हालांकि कई बिचौलियों की उपस्थिति के कारण कुछ जटिलताएँ उत्पन्न होती हैं, लेकिन समाधान भी मौजूद हैं।

रूसी राष्ट्रपति ने पीएम मोदी के नेतृत्व की भी तारीफ की।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री मोदी के साथ हमारे सहयोगी प्रयासों का महत्वपूर्ण महत्व है क्योंकि वे हमारे आपसी संबंधों से परे हैं।

उन्होंने कहा, दोनों राष्ट्रों के लिए इसकी सीधी प्रासंगिकता को देखते हुए, जुड़ाव के प्रमुख क्षेत्रों में स्थिरता सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह हमारे उद्देश्यों की पूर्ति को सुरक्षित करने में मदद करता है। प्रधानमंत्री मोदी देश के लिए - और सबसे पहले अपने लिए, फिर प्रशासन के लिए, और अंततः राष्ट्र के लिए बहुत चुनौतीपूर्ण कार्य निर्धारित करते हैं, उन्होंने कहा।

रूसी राष्ट्रपति ने इस सवाल का सीधा जवाब नहीं दिया कि क्या भारत ड-400 मिसाइल प्रणालियों के अतिरिक्त बैच खरीदने पर विचार कर रहा है।

उन्होंने कहा, भारत इस क्षेत्र में हमारे विश्वसनीय और विशेषाधिकार प्राप्त भागीदारों में से एक है। हम केवल भारत को कुछ बेच नहीं रहे हैं और भारत केवल रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में हमसे कुछ खरीद नहीं रहा है।

उन्होंने कहा, यह एक अलग स्तर, एक अलग गुणवत्ता का संबंध है जो हमारा भारत के साथ है, और हम इसकी कद्र करते हैं। हम देखते हैं कि भारत भी इस रिश्ते को कितना महत्व देता है।

पुतिन ने कहा कि रूस केवल भारत को रक्षा प्रौद्योगिकी बेच नहीं रहा है, बल्कि इसे देश के साथ साझा कर रहा है।

उन्होंने कहा, सैन्य-तकनीकी सहयोग के क्षेत्र में ऐसी चीज बहुत कम देखने को मिलती है। यह दोनों देशों के बीच विश्वास के स्तर और दोनों लोगों के बीच विश्वास के स्तर को दर्शाता है।

उन्होंने कहा, हमारे पास वास्तव में एक व्यापक पोर्टफोलियो है, जिसमें नौसेना निर्माण, रॉकेट और मिसाइल इंजीनियरिंग, और विमान इंजीनियरिंग शामिल हैं,ङ्क्ष उन्होंने जोड़ा।

धरने पर बैठी छात्राएं...

इस फैसले के खिलाफ गुरुवार को जमकर विरोध प्रदर्शन किया। साथ ही कई छात्राएं अपनी मांगों को लेकर धरने पर भी बैठ गईं। प्रदर्शनकारी छात्राओं का कहना है कि यह प्रतिबंध मनमाना और धार्मिक स्वतंत्रता का उल्लंघन है। छात्राओं कहा कहना है कि यदि उन्हें पहले पता होता कि कॉलेज इस तरह का कोई नियम भी लागू कर सकता है तो वो यहां एडमिशन भी नहीं लेतीं। वहीं, दूसरी तरफ कॉलेज प्रशासन का दावा है कि यह फैसला पिछले साल हुई एक घटना के बाद लिया गया है, जब बुर्का पहनकर एक महिला नकल करते पकड़ी गई थी। यह प्रतिबंध अनुशासन बनाए रखने और परीक्षाओं में धोखाधड़ी रोकने के लिए एक सख्त उपाय है। कॉलेज ने सर्कुलर में साफ किया है कि हिजाब पहनने की अनुमति है, लेकिन बुर्का या नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक है। वहीं, लड़कों के लिए भी धार्मिक प्रतीक वाली टोपी या बैज पहनना प्रतिबंधित है।

अब इस इस विवाद में एआईएमआईएम की भी एंट्री हो गई है। मुंबई महिला विंग की उपाध्यक्ष और वकील जहानारा शेख मौके पर पहुंचीं और छात्राओं के समर्थन में खड़ी हो गईं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब अन्य छात्र तिलक या कलावा जैसे धार्मिक प्रतीक पहन सकते हैं, तो केवल बुर्का पहनने वाली छात्राओं को क्यों रोका जा रहा है। एआईएमआईएम की वकील जहानारा शेख ने इस निर्देश को भेदभावपूर्ण बताते हुए प्रिंसिपल और पुलिस को लिखित शिकायत दी है और इसे वापस लेने की मांग की है।

छात्राओं ने कॉलेज प्रशासन को चेतावनी दी है कि अगर ये प्रतिबंध तुरंत वापस नहीं लिया गया, तो वे भूख हड़ताल शुरू कर देंगी। विरोध प्रदर्शन और राजनीतिक दखल के चलते कॉलेज प्रशासन पर नियम बदलने का दबाव लगातार बढ़ रहा है। प्रशासन की ओर से कोई नया बयान नहीं आने के कारण स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है और आंदोलन के और उग्र होने की आशंका है।

कॉलेज ने सर्कुलर में साफ किया है कि हिजाब पहनने की अनुमति है, लेकिन बुर्का या नकाब जैसे पूरे चेहरे को ढकने वाले परिधानों पर रोक है ।

भारत-रूस ने कहा, हमारे ...

बता दें कि भारत और रूस के बीच रक्षा सहयोग का यह सबसे महत्वपूर्ण द्विपक्षीय ढांचा है। इसकी अध्यक्षता भारत के रक्षा मंत्री और रूस के रक्षा मंत्री संयुक्त रूप से करते हैं। इस आयोग की बैठक हर वर्ष दोनों देशों में बारी-बारी से आयोजित होती है। बैठक के समापन पर, दोनों मंत्रियों ने 22वें भारत-रूस अंतर सरकारी आयोग-सैन्य एवं सैन्य तकनीकी सहयोग सत्र के प्रोटोकॉल पर हस्ताक्षर किए। इसमें वर्तमान और भविष्य के सहयोग क्षेत्रों को रेखांकित किया गया है।

बैठक से पहले राजनाथ सिंह और रूसी रक्षा मंत्री ने राष्ट्रीय युद्ध स्मारक, नई दिल्ली में शहीद वीरों को श्रद्धांजलि अर्पित की। रूसी मंत्री ने तीनों सेनाओं की औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर की भी समीक्षा की। रक्षा मंत्रालय का मानना है कि यह बैठक भारत-रूस रक्षा सहयोग को और मजबूत करते हुए भविष्य के सामरिक, तकनीकी एवं औद्योगिक साझेदारी के मार्ग को सुदृढ़ करती है।

भारत और रूस के बीच मजबूत रक्षा संबंध हैं। पनडुब्बी, लड़ाकू नौसैनिक जहाज से लेकर फाइटर जेट जैसे क्षेत्रों में दोनों देश सहयोग करते हैं। हाल ही में दोनों देशों की सेनाओं ने आतंकवाद के खिलाफ एक बड़ा संयुक्त युद्धाभ्यास भी अंजाम किया है। इसके अलावा दोनों देशों की कंपनियों के बीच नागरिक विमान को लेकर भी महत्वपूर्ण समझौता हो चुका है।

वीजा जारी करना...

वीजा जारी करना किसी सरकार का संप्रभु अधिकार होता है। जहां तक अमेरिका की बात है तो वहां की सरकार का मानना है कि प्रत्येक वीजा निर्णय राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा निर्णय है। इसलिए, वे वीजा पर निर्णय लेने का अधिकार सुरक्षित रखते हैं, जो किसी व्यक्ति विशेष की स्थिति के अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा निहितार्थों के उनके आकलन पर आधारित होता है।जयशंकर ने कहा, मफ्इसके अलावा, उन्होंने सार्वजनिक रूप से यह भी कहा है कि जहां तक छात्र वीजा का सवाल है, तो वे सभी आवेदकों से अपनी इंटरनेट मीडिया सेटिंग्स को गोपनीयता सेटिंग्स से सार्वजनिक सेटिंग्स में समायोजित करने के लिए कहेंगे ताकि वे उन लोगों की इंटरनेट मीडिया पोउस्टग की जांच कर सकें जिनके पास संभावित रूप से या वास्तव में अमेरिका में वीजा है। यह एक ऐसा रुख है जो उन्होंने सार्वजनिक रूप से अपनाया है।

अर्थव्यवस्था में तेजी...

यह न भूलें कि भारत का मूलभूत आर्थिक ढाँचा मजबूत बना हुआ है। एफवाई 26 की तीसरी तिमाही में, देश की जीडीपी 7.3% के अनुमान से कहीं ज्यादा 8.2% रही। महँगाई भी रिकॉर्ड निचले स्तर पर है, और कॉर्पोरेट कमाई भी सुधर रही है।

ऐसे समय में जब देश यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की टैरिफ धमकियों के डर से अपनी सॉवरेनिटी और आत्मसम्मान का सौदा कर रहे हैं, भारत अकेला ऐसा देश है जो प्रेशर पॉलिटिक्स के आगे नहीं झुका है और किसी भी एकतरफा सौदे के लिए सहमत नहीं हुआ। आर्थिक और जियोपॉलिटिकल दबाव का सामना करने की एक कीमत चुकानी पड़ती है। ट्रंप ने बेतुके दावे किए कि भारत किसी तरह रूसी वॉर मशीन को ङ्गफंडिंगफ कर रहा है और न जाने क्या-क्या, ताकि 50% टैरिफ लगाया जा सके।

ट्रंप ने भारत की इकॉनमी को ङ्गडेड इकॉनमीफ कहा, जबकि इंडियन इकॉनमी मज़बूत, स्थिर और बढ़ रही है, लेकिन सब कुछ ठीक नहीं हो सकता। टैरिफ बढ़ाने की घोषणा के बाद से, भारतीय रुपया णड्ड के मुकाबले 5.5% कम हो गया है।

डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में तेजी से आई गिरावट तब और बढ़ गई जब इस साल की शुरुआत में यूएस में ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन ने इंडियन एक्सपोर्ट पर 50% टैरिफ लगा दिए। इससे अलग-अलग सेक्टर में सालाना लगभग 45 बिलियन के एक्सपोर्ट पर सीधा असर पड़ा।

यूएस दुनिया के सबसे बड़े एक्सपोर्ट मार्केट में से एक है। इसमें भारी कमी की वजह से भारत का एक्सपोर्ट तेजी से गिरा। अक्टूबर 2025 में मर्चेंडाइज़ एक्सपोर्ट साल-दर-साल 11.8% गिरकर 34.4 बिलियन के ग्यारह महीने के सबसे निचले स्तर पर आ गया। इसकी वजह यूएस के बढ़े हुए टैरिफ और खराब बेस थे। यह याद रखना चाहिए कि अक्टूबर 2024 में, एक्सपोर्ट में 16.6% की मजबूत बढ़ोतरी हुई थी।गौरतलब है कि यूएस एक्सपोर्ट में गिरावट को कम करने के लिए, भारत नए मार्केट की तलाश कर रहा है। जुलाई 2025 में इंडिया-यूके एफटीए इस दिशा में काफी अहम है, जो टैक्स में कटौती और एक्सपोर्ट प्रमोशन मिशन और एक्सपोर्टर्स के लिए क्रेडिट गारंटी जैसे सरकारी सपोर्ट उपायों को लागू करके घरेलू डिमांड को बढ़ा रहा है।

ग्लोबल क्रूड की कीमतों में गिरावट के कारण तेल की कीमतों में 10.5% की गिरावट आई, जो नौ महीने के सबसे निचले स्तर 3.9 बिलियन पर आ गई। नॉन-ऑयल एक्सपोर्ट में भी यही हाल रहा है, जो 12% घटकर 30.4 बिलियन रह गया, जो ग्यारह महीने का सबसे निचला स्तर है। इलेक्ट्रॉनिक सामान, जिसमें इंजीनियरिंग सामान, जेम्स एंड ज्वेलरी, केमिकल्स और रेडीमेड गारमेंट्स शामिल हैं, को छोड़कर लगभग हर एक्सपोर्ट कैटेगरी में साल-दर-साल गिरावट देखी गई।

मिथुन राशि में प्रवेश करेंगे देवगुरु बृहस्पति आज

देवगुरु बृहस्पति 05 दिसंबर को मिथुन राशि में गोचर करेंगे। बृहस्पति देव मिथुन राशि में 01 जून, 2026 तक रहेंगे। इसके अगले दिन यानी 02 जून को कर्क राशि में गोचर करेंगे। गुरु के राशि परिवर्तन करने से कई राशि के जातकों को लाभ मिलेगा। श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर की निदेशिका ज्योतिषाचार्या एवं टैरो कार्ड रीडर नीतिका शर्मा ने बताया कि गुरु ग्रह इस समय वक्री है और वक्री रहते हुए 5 दिसंबर 2025 को शाम 5:22 मिनट पर मिथुन राशि में गोचर करेंगे। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में देवगुरु बृहस्पति को धन, सुख-समृद्धि, विवाह, बुद्धि और विस्तार का कारक ग्रह माना जाता है। 05 दिसंबर 2025 को देवगुरु बृहस्पति बुध के स्वामित्व वाली राशि मिथुन में गोचर करेंगे। बुध को तटस्थ और गुरु को शुभ ग्रह माना जाता है। गुरु के मिथुन राशि में गोचर करने से इसका सभी 12 राशियों के जातकों पर प्रभाव पड़ता है। वर्तमान समय में गुरु अतिचारी गति में कर्क राशि में गोचर कर रहे हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार ग्रह की अतिचारी गति को शुभ नहीं माना गया है, लेकिन कभी- कभी अतिचारी गति कुछ राशि वालों के लिए बेहद उत्तम मानी जाती है। इस बार गुरु की अतिचारी कुछ राशि के जातकों के लिए बहुत सारे शुभ समाचार लेकर आने वाली है।

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार बृहस्पति ग्रह ज्ञान, आध्यात्मिकता, धन और सौभाग्य का कारक माना जाता है। जब बृहस्पति वक्री होकर बुध की मिथुन राशि में प्रवेश करता है, तो इसका प्रभाव बुद्धि, निर्णय क्षमता और संवाद कौशल पर विशेष रूप से पड़ता है। यह समय नई रणनीति बनाने, कौशल विकसित करने और पुराने प्रयासों को फिर गति देने का होता है। हालांकि वक्री अवस्था में ग्रह व्यक्ति को सोच-समझकर कदम उठाने की चेतावनी भी देते हैं। ऐसे में जल्दबाजी से बचकर आगे बढ़ना लाभकारी रहेगा। आपको बता दें कि गुरु साल 2025 में दो बार गोचर करेंगे, दरअसल देवगुरु बृहस्पति के अतिचारी होने के कारण साल में दो बार राशि बदलेंगे। अतिचारी का मतलब गुरु अपनी सामान्य गति से तेज चलने के कारण दो बार राशि परिवर्तन करेंगे। गुरु 12 नवंबर को वक्री हो गएं।

असर – व्यापार में तेजी आएगी। देश में कई जगह ज्यादा बारिश होगी। प्राकृतिक घटनाएं होगी। भूकंप आने की संभावना है। तूफान, बाढ़, भूस्खलन, पहाड़ टूटने, सड़के और पुल भी टूटने की घटनाएं हो सकती हैं। बस और रेलवे यातायात से जुड़ी बड़ी दुर्घटना होने की भी आशंका है। बीमारियों का संक्रमण बढ़ सकता है। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। सामुद्रिक तूफान और जहाज-यान दुर्घटनाएं भी हो सकती हैं। खदानों में दुर्घटना और भूकंपन से जन-धन हानि होने की आशंका बन रही है। रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। आय में इजाफा होगा। राजनीति में बड़े स्तर पर परिवर्तन देखने को मिलेगा। दुनियाभर के कई देशों में सत्ता पक्ष के खिलाफ जनाक्रोश तीव्र हो सकता है। लोगों का धैर्य टूटने लगेगा, और सड़कों पर विरोध-प्रदर्शन, जन आंदोलन और राजनीतिक अस्थिरता देखने को मिल सकती है। कुछ राष्ट्रों में यह आंदोलन इतने उग्र रूप ले सकते हैं कि वहां सत्ता परिवर्तन, तख्तापलट, या सेना द्वारा सत्ता ग्रहण जैसी स्थितियां बन सकती हैं। शासन-प्रशासन और राजनैतिक दलों में तेज संघर्ष होंगे। हवाई जहाज़, ट्रेनों, और जहाजों में तकनीकी खराबी या मानवीय भूलों के कारण गंभीर घटनाएं होंगी। इसके अलावा, आगजनी, विस्फोट, गैस लीक, और फैक्ट्रियों में हादसे बढ़ सकते हैं। रक्षा उपकरणों और बिजली संयंत्रों में भी छोटी लापरवाहियां भारी तबाही का कारण बन सकती हैं।

उपाय – देवगुरु बृहस्पति को प्रसन्न करने के लिए प्रतिदिन ॐ भगवते वासुदेवाय नमः मंत्र का एक माला जाप करें। साथ ही भगवान विष्णु को संभव हो तो पीले रंग के फल का भोग लगाकर प्रसाद के रूप में बांटें। देवगुरु को प्रसन्न करने के लिए बृहस्पतिवार के दिन दाल, हल्दी, पीले वस्त्र, बेसन के लड्डू आदि किसी योग्य ब्राह्मण को दान करें और केले के वृक्ष पर जल चढ़ाएं। जिन जातकों को रोग, शत्रु, आदि से परेशानी के साथ-साथ अपने कामकाज में अचानक से तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा हो, वे नियमित रुप से राम रक्षा स्तोत्र का पाठ करें। देवगुरु बृहस्पति का यह उपाय परम कल्याणकारी सिद्ध होगा। प्रतिदिन भगवान श्री विष्णु की आराधना के बाद हल्दी और चंदन का तिलक करें। हं हनुमते नमः, ॐ नमः शिवाय, हं पवननंदनाय स्वाहा का जाप करें। प्रतिदिन सुबह और शाम हनुमान जी के समक्ष सरसों के तेल का दीपक जलाएं। लाल मसूर की दाल शाम 7:00 बजे के बाद हनुमान मंदिर में चढ़ाएं। हनुमान जी को पान का भोग और दो बूंदी के लड्डू का भोग लगाएं। ईश्वर की आराधना संपूर्ण दोषों को नष्ट एवं दूर करती है। महामृत्युंजय मंत्र और दुर्गा सप्तशती पाठ करना चाहिए। माता दुर्गा, भगवान शिव और हनुमानजी की आराधना करनी चाहिए।

नीतिका शर्मा
ज्योतिषाचार्या एवं फेमस टैरो कार्ड रीडर
श्री लक्ष्मीनारायण एस्ट्रो सॉल्यूशन अजमेर, अजमेर

गुरु के मिथुन राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर कैसा असर दिखेगा

मेष राशि –गुरु इस राशि के तीसरे भाव में रहेगा, इसका सीधा असर भाई-बहनों और साहस पर होगा। आपके आत्मविश्वास और पराक्रम में वृद्धि होगी, लेकिन आपको अपने शब्दों पर नियंत्रण रखना होगा। यात्राओं की अधिकता रहेगी।

वृषभ राशि –इस राशि के दूसरे भाव गुरु रहेगा, धन और वाणी पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति आपके लिए आर्थिक दृष्टि से शुभ रहेगी। धन संचय के प्रयास सफल होंगे और पारिवारिक मामलों में आपकी वाणी प्रभावशाली होगी। हालांकि, वक्री होने से कुछ गलतफहमियां भी हो सकती हैं।

मिथुन राशि– गुरु इसी राशि में रहेगा। ये ग्रह व्यक्तित्व, स्वास्थ्य और निर्णय क्षमता को प्रभावित करेगा। इन लोगों के मान-सम्मान में वृद्धि होगी और ज्ञान में विस्तार होगा। विवाह और साझेदारी के मामलों में सफलता मिलेगी। वक्री स्थिति के कारण स्वास्थ्य पर नकारात्मक असर हो सकता है, खान-पान का ध्यान रखें।

कर्क राशि– गुरु इस राशि से निकलकर बारहवें भाव में यानी मिथुन में चला जाएगा। गुरु धन संबंधी मामलों पर असर डालेगा, खासकर व्ययों पर। ये समय विदेशी कामों पर खर्च करवा सकता है। आध्यात्मिक उन्नति हो सकती है। अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें।

सिंह राशि– गुरु आपके ग्यारहवें भाव में रहेगा। ये ग्रह आय और लाभ को प्रभावित करेगा। ये स्थिति आर्थिक लाभ दे सकती है। आपके सामाजिक दायरे में वृद्धि होगी और भाई-बहनों से सहयोग मिलेगा। प्रेम संबंध में मजबूती आएगी।

कन्या राशि– गुरु इस राशि के दसवें भाव में है। ये ग्रह कर्म और करियर पर सीधा असर डालेगा। ये समय आपके करियर और व्यवसाय के लिए महत्वपूर्ण रहेगा। कार्यस्थल पर प्रतिष्ठा बढ़ेगी और पदोन्नति की संभावना है। वक्री गुरु के कारण काम का दबाव भी हो सकता है।

तुला राशि – ये ग्रह तुला राशि के नवम भाव में रहेगा। गुरु भाग्य, धर्म और उच्च शिक्षा के क्षेत्र पर असर डालेगा। समय भाग्य का पूरा साथ दिलाएगा और धार्मिक यात्राएं हो सकती हैं। उच्च शिक्षा से जुड़े लोगों के लिए सफलता का समय है।

वृश्चिक राशि– गुरु इस राशि के आठवें भाव में रहेगा। गुरु के कारण अचानक लाभ मिलने के योग बनेंगे। पैतृक संपत्ति से जुड़े मामले हल हो सकते हैं। आपकी रुचि गूढ़ विज्ञान, ज्योतिष या शोध में बढ़ेगी। सेहत का ध्यान रखें। वाहन चलाते समय विशेष सावधानी बरतनी होगी।

धनु राशि–इस राशि के लिए गुरु सातवें भाव में रहेगा। गुरु वैवाहिक जीवन और साझेदारी के कामों पर असर डालेगा। वैवाहिक जीवन और व्यावसायिक साझेदारी के लिए महत्वपूर्ण समय है। अविवाहितों लोगों के विवाह के योग बनेंगे। पार्टनरशिप वाले व्यापार में वृद्धि होगी। वक्री होने के कारण जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा।

मकर राशि – गुरु इस राशि के छठे भाव में रहेगा। गुरु रोग, शत्रु और ऋण संबंधी कामों पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति शत्रुओं पर विजय दिलाने में सहायक होगी। कार्यस्थल पर सुधार होगा। ऋण से मुक्ति मिल सकती है। स्वास्थ्य पर ध्यान देना होगा।

कुंभ राशि – गुरु इस राशि के पांचवें भाव में रहेगा और संतान, प्रेम और शिक्षा पर सीधा असर डालेगा। ये स्थिति संतान संबंधी कामों में लाभ देगी। विद्यार्थियों के लिए उत्तम समय है। प्रेम संबंध में मजबूती आएगी। रचनात्मकता और बौद्धिक क्षमता बढ़ेगी। निवेश में सावधानी बरतनी होगी।

मीन राशि–गुरु इस राशि के चौथे भाव में रहेगा। गुरु माता, भवन और वाहन से संबंधित कामों सीधा असर डालेगा। ये स्थिति भौतिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि करेगी। नया घर या वाहन खरीदने का योग बन सकता है। माता का स्वास्थ्य बेहतर होगा और उनसे संबंध मजबूत होंगे।

पौष महीना आज से शुरू, सेहत और समृद्धि के लिए पौष महीने में क्या करें क्या न करें

पौष मास हिंदू पंचांग का दसवां महीना होता है। इसकी शुरुआत मार्गशीर्ष पूर्णिमा के अगले दिन से होती है। इसे पूस का महीना भी कहा जाता है और धार्मिक दृष्टि इसे अत्यंत पवित्र माना जाता है। इस दौरान पितरों की शांति के लिए दान और सेवा विशेष फलदायी मानी जाती है। यह महीना विशेष रुप से सूर्य देव से जुड़ा हुआ है, इसलिए भगवान सूर्यदेव की आराधना के लिए इसे अत्यंत पवित्र माना गया है। पौष माह में सूर्य उपासना करने से सौभाग्य और स्वास्थ्य की प्राप्ति होती है। इस महीने में भागवत कथा, रामायण पाठ, जप-तप और सत्संग करने से पाप क्षय होता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इस दौरान मांगलिक और शुभ कार्यों की मनाही होती है।

इस अवधि में कई प्रमुख व्रत और पर्व मनाए जाते हैं। इसमें सफला एकादशी, संकष्टी चतुर्थी, मासिक शिवरात्रि, प्रदोष व्रत और पौष अमावस्या विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं। इस साल पौष माह की शुरुआत 5 दिसंबर 2025 शुक्रवार को होगी और इसकी समाप्ति 3 जनवरी 2026 सोमवार को हो जाएगी। वहीं, सूर्य संक्रांति के अनुसार 15 तारीख को सूर्य के धनु राशि में आने से पौष मास का आरंभ होगा। पौष मास के अंत में सूर्य के मकर राशि में प्रवेश करने से मकर संक्रांति का पर्व मनाया जाएगा।

जानिए पौष माह में क्या करें?

तांबे के लोटे में शुद्ध जल, लाल चंदन और लाल फूल डालकर ऊँ सूर्याय नमः मंत्र का जाप करते हुए सूर्यदेव को अर्घ्य दें। इससे रोगों का नाश होता है और मान-सम्मान बढ़ता है।

इस मास में प्रतिदिन आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करें। यह स्तोत्र जीवन के कष्टों को कम करने में अत्यंत प्रभावी माना गया है।

अमावस्या, संक्रांति, पूर्णिमा और एकादशी पर पितरों का श्राद्ध, तर्पण और दान करना शुभ माना गया है। इससे पितृ दोष दूर होता है और जीवन की परेशानियाँ कम होती हैं।

पूरे पौष माह में श्री हरि विष्णु की पूजा करें और मंदिर में दान-पुण्य करें। इससे भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी दोनों की कृपा प्राप्त होती है।

जानिए पौष माह में क्या नहीं करें?

पौष मास आध्यात्मिक रुप से जप-तप का समय है। इसलिए इस अवधि में मांसाहार और शराब का सेवन पूर्ण रूप से त्याग दें।

इस अवधि में बैंगन, मूली, मसूर दाल, उड़द दाल और फूलगोभी जैसे भोजन का सेवन अशुभ माना जाता है। इनसे परहेज करें।

पौष मास में ताजे फल, सब्जियां, दूध, दही और शुद्ध सात्विक भोजन का सेवन करना उत्तम माना जाता है। तामसिक और भारी भोजन से दूरी रखें।

इस अवधि में तप, जप और साधना करें। विवाह, गृह प्रवेश या अन्य मांगलिक कार्य इस महीने नहीं किए जाते। यह अवधि आध्यात्मिक उन्नति के लिए विशेष मानी जाती है।

पाप और पुण्य का फल, प्रकट होते ही पल भर में समाप्त हो जाता है

महाभारत में राजा ययाति की कथा आती है। इस राजा ने असंख्य यज्ञ, दान, तप वगैरह पुण्य-कर्म किए, जिनके प्रभाव से वह इन्द्र के सिंहासन पर बैठने का अधिकारी हो गया। इससे वह राजा स्वर्ग में इंद्र के दरबार में पहुंचा । इंद्र ने राजा ययाति को अपने सिंहासन पर बैठाया और स्वयं नीचे खड़े रहकर दोनों हाथ जोड़कर राजा ययाति द्वारा किये गये यज्ञ, दान और तप का ब्यौरेवार यशोगान भरी सभा में करने लगे ।

इंद्र ने कहा, 'राजन् आपने अनेक हीरा, मानिक, मोती दान में दिये हैं।' राजा ने हामी भरते हुए सम्मति-सूचक अपना सिर हिलाया । इंद्र ने कहा, राजन् अनेक स्वर्ण मोहरें दान दी हैं। आपने स्वर्ण धातु से गायों की सींग मढ़कर, असंख्य गायें दान में दी हैं। आपने असंख्य बावली, कुएं, तालाब, धर्मशालाएं, आश्रम, गुरुकुल, औषधालय बनवाए हैं। आपने असंख्य धर्मक्षेत्र और अन्नक्षेत्र खोले हैं। आपने गरीबों को अन्न, वस्त्र, भरपेट दिया जिससे आपके राज्य में अब कोई गरीब और निरक्षर नहीं रह गया। आपने अनेक यज्ञ करवाये और गौ-ब्राह्मण, ऋषि-मुनियों, संतों को खूब संतुष्ट किया, इत्यादि, इत्यादि।

इस प्रकार राजा द्वारा किए गये एक-एक पुण्य-कर्म को इंद्र अलग अलग ब्यौरेवार गिनाते गये और राजा इंद्र के सिंहासन पर बैठे-बैठे अहंकार में सम्मति-सूचक सिर हिलाते गये। इस प्रकार राजा के तमाम पुण्यों का पूरा-पूरा वर्णन समाप्त हुआ और राजा के सतत सिर हिलाकर तमाम पुण्य कर्मों को खुले स्वीकार करते साथ ही तुरंत इंद्र ने राजा से कहा कि आप महाराज अब इंद्र के सिंहासन से नीचे उतर आइये, क्योंकि आपके तमाम पुण्य-कर्म प्रकट हो गये यानी उजागर हो गए। परिणामतः अब आप इंद्र के सिंहासन के ऊपर बैठने के अधिकार से वंचित हो गये। आपके पुण्य-कर्मों के फलस्वरूप इंद्र की सभा में आपकी वाहवाही हुई आपकी प्रशंसा की गई और गुणगान गाया गया और इस प्रकार आपके पुण्यों का फल आपको प्राप्त हो गया तथा आपके कर्म आपको तात्कालिक फल देकर अब शांत हो गये। अब वे कर्म संचित में जमा होने के लिए दोबारा नहीं आएंगे।'

जो व्यक्ति दान-पुण्य करके उसे दूसरों के सामने प्रचारित करते हैं, उनका किया हुआ दान उसी क्षण निष्फल हो जाता है। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति अपने पाप कर्मों को भी सार्वजनिक कर दे, तो उसका दुष्परिणाम भी क्षीण हो जाता है, ऐसा तत्ववेत्ताओं का कहना है।

सुनफा योग का संयोग से देवी लक्ष्मी रहेंगी मिथुन और तुला समेत अन्य राशियों पर मेहरबान

आज यानी 5 दिसंबर दिन है शुक्रवार और आज तिथि रहेगी पौष मास की कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा। ऐसे में आज के देवता देवी लक्ष्मी के साथ भगवान विष्णु रहेंगे। जबकि आज चंद्रमा का गोचर उच्च राशि कर्क में होगा। और आज गुरु का गोचर कर्क उपरांत मिथुन राशि में होगा जिससे आज सुनफा योग बनेगा। साथ ही आज चंद्रमा और मंगल के बीच समसप्तक योग बनने से धन योग का भी निर्माण हो रहा है। और इसके साथ ही आज रोहिणी नक्षत्र के शुभ संयोग में सिद्ध और साध्य योग भी प्रभावी होने जा रहा है। ऐसे में आज का दिन देवी लक्ष्मी की कृपा और सुनफा योग के संयोग से मिथुन, सिंह, तुला, धनु और कुंभ के जातको को भाग्यशाली बनाएगा। तो आइए जानते हें आज का लकी राशिफल और साथ ही जानें आज शुक्रवार के उपाय भी।

मिथुन – मिथुन राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन अच्छा है। विशेष रूप से दिन का दूसरा भाग आपके लिए बेहतर होगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में जहां अनुकूल माहौल मिलेगा। वहीं आप बिजनेस में भी बेहतर कमाई कर पाएंग। आप आज अपनी बुद्धि और चतुराई से कठिन काम को भी पूरा कर पाने मे सफल रहेंगे। आपको भाग्य कुछ लाभदायक अवसर प्रदान करने वाला है। आपके घर में कोई शुभ काम का आयोजन हो सकता है। जीवनसाथी के साथ आपका प्रेम और तालमेल बना रहेगा भाई बहनों से आपको सहयोग मिलेगा। उपहार और सम्मान मिलने का भी योग बना हुआ है। लव लाइफ के मामले मे भी आज के दिन आप भाग्यशाली रहेंगे।

उपाय : दिन की शुभ स्थिति को और भी बेहतर बनाने के लिए आपको आज 'औम श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये नमः' मंत्र क जप करना चाहिए।

सिंह – सिंह राशि के जातको के लिए आज शुक्रवार का दिन लाभदायक होने के साथ ही साथ रोमांचक भी रहेगा। आपको आज कार्यक्षेत्र में कोई बड़ा अवसर मिल सकता है। अधिकारियों से भी आपको आज पूरा सपोर्ट मिलेगा और नौकरी में पद वृद्धि का संयोग बनैगा। आपको सामाजिक और राजनीतिक संपर्क का फायदा मिल सकता है। आपको आज के दिन बिजनेस में कोई अच्छा कॉन्ट्रैक्ट मिलने का भी योग बना हुआ है। घर परिवार में आज आपको पिता और चाचा की ओर से लाभ मिलने का योग बना है। परिवार के साथ यात्रा का भी संयोग बन सकता है। लव लाइफ में आपको प्रेमी से कुछ सरप्राइज मिलने का योग है।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए। पिता से आशीर्वाद लें।

तुला – तुला राशि के जातको के लिए आज का दिन शुभ और भाग्यशाली रहेगा। आप आज कोई नया काम शुरू कर सकते हे। कार्यक्षेत्र में आपको कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है। आर्थिक मामलों मे आज आपको धन का लाभ मिलने का योग बना हुआ है। आपका पैसा कहीं फंसा है तो वह आपको मिल सकता है। जो जातक मार्केटिंग और शिक्षण के काम से जुड़े हुए हैं उनके लिए आज का दिन विशेष रूप से उत्तम रहेगा। आप लव लाइफ में आज खुशियां पाएंगे। प्रेमी के साथ आपको रोमांटिक समय बिताने का मौका मिलेगा। कोई उपहार भी आपको मिल सकता है। परिवार मे आपके चहल-पहल का माहौल रहेगा। बीमार चल रहे जातको के स्वास्थ्य में सुधार होगा।

उपाय : तुला राशि के जातकों को आज दिन को शुभ बनाए रखने के लिए खीर मे शहद मिलाकर देनी लक्ष्मी को अर्पित करना चाहिए और शाम को चंद्रमा को अर्घ्य भी देना चाहिए।

धनु – धनु राशि के लिए आज का दिन करियर और कामकाज के लिहाज से उत्तम रहेगा। आपको आज भाग्य विभिन्न क्षेत्रों से लाभ प्रदान करेगा। आपकी रुचि आध्यात्मिक विषयों में होने से आपको पुण्य लाभ प्राप्त होगा। नौकरी में आपका प्रभाव और सम्मान बढेगा। कोई बड़ी चाहत आपकी पूरी होगी। अधिकारी वर्ग से आपको सहयोग प्राप्त होाग। सहकर्मियों से भी आपका तालमेल बना रहेग। जो लोज ज्वेलरी और साज श्रृंगार का काम करते हैं उनके लिए आज का दिन बहुत ही लाभदायक रहेगा। आपको आज दिन के दूसरे भाग में बिजनेस में लाभ का मौका मिलेगा। कोई अच्छी खबर भी आपको मिल सकती है। विवाह योग्य जातको के लिए आज विवाह की बात भी हो सकती है।

उपाय : धनु राशि के जातकों को आज उपाय के तौर पर कनकधारा स्तोत्र का पाठ करना चाहिए। देवी लक्ष्मी को सफेद मिठाई अर्पित करें।

कुंभ – आज शुक्रवार का दिन कुंभ राशि के जातको के लिए सुख सुविधाओं में वृद्धि करने वाला रहेगा। आप आज अपने लिए कुछ खरीदारी कर पाएंगे जिससे आपको खुशी मिलेगी। परिवार में आज आपको जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा और आप पारिवारिक मामलों को सुलझाने में सफल होंगे। नौकरी मे आज आपको टीम से सहयोग मिलेगा। बिजनेस में आपकी आपकी कमाई में वृद्धि होगी। जो जातक बिजली के उपकरण का काम करते हैं उनकी कमाई में आज वृद्धि होगी। आप प्रतियोगिता और शिक्षा में सफलता पाएंगे। आपको किसी पुण्य काम में भाग लेने का मौका मिलेगा।

उपाय : आपको आज उपाय के तौर पर श्रीसूक्त का पाठ करना चाहिए। देवी लक्ष्मी को लौंग अर्पित करें।

बिग बॉस 19 से बेघर होने पर टूटी अशनूर कौर, बोलीं

काश तान्या की चोट के बारे में किसी ने पहले बताया होता

रियलिटी शो 'बिग बॉस 19' में एक्ट्रेस अशनूर कौर ने साफ-सुथरी और सादगी भरी इमेज के साथ लोगों के दिलों में खास जगह बनाई है। दर्शकों को उनसे उम्मीद थी कि वह शो में लंबा सफर तय करेंगी, लेकिन उस समय सभी को झटका लगा, जब तान्या मित्तल के साथ हुए विवाद के बाद उन्हें घर से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। फिनाले से बस एक हफ्ते पहले उनकी बेघर होने की खबर ने फैंस को हैरान कर दिया। बाहर आने के बाद अशनूर ने इस अचानक हुए एलिमिनेशन, घरवालों की प्रतिक्रियाओं और खासकर तान्या को लगी चोट को लेकर पहली बार खुलकर बात की। आईएएनएस ने अशनूर से जब पूछा कि मालती चाहर द्वारा उन्हें 'सेल्फिश' और 'बच्ची' कहे जाने पर उनका क्या कहना है, तो उन्होंने जवाब में कहा, ''हर किसी को अपनी राय रखने का पूरा अधिकार है। मैं दूसरों के शब्दों से अपनी पहचान तय नहीं करती। मैं खुद को अच्छी तरह से जानती हूं, इसलिए बाहरी टिप्पणियों को अपने ऊपर हावी नहीं होने देती। मैं विवादों में उलझने के बजाए आगे बढ़ने में विश्वास रखती हूं।'' दरअसल, मामला तब बढ़ा जब शो में 'टिकट टू फिनाले' टास्क के दौरान अशनूर और तान्या मित्तल के बीच हुई बहस अलग लेवल पर चली गई थी। टास्क के दौरान घरवालों को एक-दूसरे को हराने की कोशिश करनी थी, यानी लकड़ी के दोनों तरफ लगे हुए कटोरों में भरे रेड और ग्रीन पानी को गिराना था।

जैसे ही तान्या ने अशनूर के कटोरों को गिराया, अशनूर ने गुस्से में लकड़ी को घुमाया जिससे तान्या को चोट लग गई। हालांकि तान्या ने इस बात को लेकर कोई मुद्दा नहीं बनाया, लेकिन 'वीकेंड का वार' में सलमान खान ने उनकी क्लास लगाई और 'बिग बॉस' के घर का अहम नियम तोड़ने के लिए उन्हें घर से बाहर कर दिया। उनका घर से एविक्ट होना दर्शकों के लिए काफी चौंकाने वाला था, क्योंकि अशनूर आम तौर पर शांत स्वभाव के लिए पहचानी जाती हैं। खुद अशनूर भी इस फैसले से भावुक नजर आईं और उन्होंने बताया कि वह फिनाले से महज एक हफ्ते दूर थीं। उन्हें ऐसा लगा जैसे उनका सपना अचानक छीना गया हो।

आईएएनएस ने इंटरव्यू में उनसे पूछा, क्या आप शो के अंदर कुछ अलग करना चाहती थीं? इस पर उन्होंने कहा, काश मुझे पहले ही बताया गया होता कि तान्या को चोट लगी है। अगर यह बात समय रहते बता दी जाती, तो मैं तुरंत माफी मांग लेतीं और शायद बात इतनी न बढ़ती।

घर के अंदर किस कंटेस्टेंट ने उन्हें चौंकाया? इस पर बात करते हुए अशनूर ने बताया कि शो में जाने से पहले उन्हें लगता था कि आवेज और नगमा से उनकी नहीं बनेगी, लेकिन दोनों ने उन्हें गलत साबित किया। उन्होंने कहा, दोनों बेहद अच्छे थे और उनसे मेरी दोस्ती जल्दी हो गई। शो ने मुझे रिश्तों के बारे में एक नई सीख दी है। मुझे अभिषेक जैसा सच्चा दोस्त मिला है, लेकिन साथ ही यह भी महसूस हुआ कि कुछ लोग मुश्किल समय आने पर आपका साथ आसानी से छोड़ सकते हैं।

'बिग बॉस' के बाद अशनूर अब अपनी निजी जिंदगी और करियर पर ध्यान दे रही हैं। उन्होंने बताया कि हर साल की तरह इस बार भी वह नया साल नांदेड़ साहिब गुरुद्वारे में मनाने जाएंगी, जिसे वह लगभग एक दशक से निभा रही हैं। इसके अलावा उनके आने वाले प्रोजेक्ट्स पर भी बातचीत चल रही है, जिनके बारे में वह जल्द ही जानकारी साझा करेंगी।

कलाकार को जीवन भर के संघर्ष के बाद सिर्फ मरने के बाद ही सम्मान मिलता है : दिलजीत दोसांझ

साल 2024 में दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'चमकीला' आई थी, जोकि पंजाबी लोकगायक अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म को कई कैटगिरी में नॉमिननेट किया गया, लेकिन फिल्म एक भी अवॉर्ड अपने नाम नहीं कर पाई। अब दिलजीत ने नेटफ्लिक्स के साथ मिलकर एक वीडियो रिलीज किया है, जिसमें उन्होंने फिल्म और एक आर्टिस्ट के संघर्ष के बारे में बात की है। उनका कहना है कि जब तक कलाकार जिंदा होता है, तब तक उसे परेशान किया जाता है, लेकिन मरने के बाद उन्हें सम्मान मिलता है। दिलजीत दोसांझ ने अपने इंस्टाग्राम पर वीडियो शेयर किया है और बताया कि एक कलाकार को सफल बनने के लिए क्या कुछ झेलना पड़ता है। वे वीडियो में कहते हैं, एक कलाकार को अपनी जिंदगी में हर तरह की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है और जब तक वो मर नहीं जाता, तब तक लोग उसे महान नहीं कहते हैं और अपना प्यार भी नहीं देते। जब वे मर जाते हैं या चमकीला की तरह मार दिए जाते हैं, तभी उन कलाकारों को 'महान' कहा जाता है या लोगों का प्यार मिलता है। उसके बाद ही उनके काम की सराहना की जाती है क्योंकि एक तो वो जिंदा नहीं है, दूसरा आपका कॉम्पीटिशन नहीं है, और तीसरा मरे हुए इंसान को सम्मान देना इंसानों का स्वभाव है।

उन्होंने आगे कहा कि ये दुनिया एक फिल्मी सेट की तरह है और हर कोई अपना किरदार निभा रहा है। जब तक कलाकार जिंदा है, उसे कोई नहीं पूछता, उसे मारने की धमकी दी जाती है, परेशान किया जाता है क्योंकि जो वह कर रहे हैं, वो समाज को बर्दाश्त नहीं हो पाता, और मरने के बाद कहते हैं, 'वाह, क्या गाना था।

इसके अलावा, उन्होंने अपनी फिल्म 'चमकीला' को लेकर भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा कि दिलजीत यहां वेलिडेशन के लिए नहीं आया है, बल्कि चमकीला के लिए आया है। अपने फिल्म से जुड़े अनुभवों पर सिंगर ने कहा कि फिल्म में एक शॉट है। यह शॉट मैंने इसलिए किया क्योंकि कोई दूसरा कलाकार इसे समय पर नहीं कर सकता था। मुझे शॉट देखकर कहा कि चमकीला मुझे कहीं से देख रहा है और वो सीन देखकर मैं भावुक हो उठा। मेरे लिए ये करना आसान नहीं था।

बता दें कि फिल्म 'चमकीला' अमर सिंह चमकीला की जिंदगी पर फिल्म है, जिसमें उनके संघर्ष और उनकी हत्या की कहानी दिखाई गई है। उन्हें पंजाब का पहला 'रॉकस्टार' कहा जाता था, क्योंकि उनके गानों में लोकगीतों के साथ नए संगीत की झलक भी दिखती थी। उनके गाने रूढ़िवादी विषयों को चुनौती देते थे और समाज में वे इसी वजह से खटकने लगे। साल 1998 में अमर सिंह चमकीला और उनकी पत्नी अमरजोत को गोलियों से भून दिया गया था और दोनों की मौत हो गई थी।

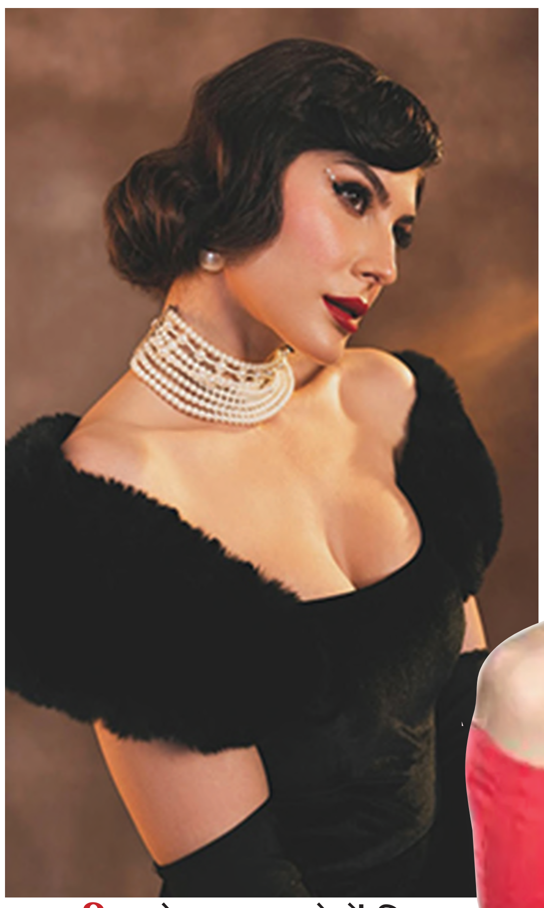

मस्ती 4 **को साइन करने में झिझक रही थीं एलनाज नोरौजी, कहा**

इमेज पर गलत असर पड़ने का था डर

आज के दौर में फिल्मों और वेब सीरीज में बोल्ड कंटेंट को लेकर दर्शकों की राय पहले से कहीं ज्यादा बंटी हुई है। छोटे से छोटे सीन या डायलॉग्स भी अक्सर बड़े विवाद का कारण बन जाते हैं। इसी माहौल में जब कोई कलाकार एडल्ट-कॉमेडी जैसी संवेदनशील शैली में कदम रखने का फैसला करता है, तो यह उनके लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जाता है। इसी तरह का अनुभव अभिनेत्री एलनाज नोरौजी ने भी किया। उन्होंने 'मस्ती 4' जैसी बोल्ड कॉमेडी फिल्म का हिस्सा बनने से पहले काफी सोच-विचार किया था। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में एलनाज नोरौजी ने कहा, मस्ती 4 में काम करने को लेकर मैं शुरू में काफी झिझक रही थी। आज के समय में दर्शक जिस तरह से बोल्ड कॉमेडी पर प्रतिक्रिया देते हैं, उससे कलाकारों पर ज्यादा दबाव बन जाता है। मुझे डर था कि कहीं मेरी छवि पर इसका गलत असर न पड़े। लेकिन, जैसे-जैसे फिल्म की कहानी पढ़ी, मेरा नजरिया बदलता गया। उन्होंने कहा, ''इस बार की कहानी सिर्फ पहले वाली फिल्मों की तरह चुटकुलों और मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें कुछ नया, अलग और ज्यादा मनोरंजक जोड़ने की कोशिश की गई है। इस खासियत के चलते मैंने इस प्रोजेक्ट से जुड़ने का फैसला लिया।''

उन्होंने कहा, ''इस फिल्म ने मुझे अपने अभिनय का एक अलग पहलू पर्दे पर दिखाने का मौका दिया। एक कलाकार के रूप में मैं हमेशा से चाहती हूं कि दर्शक मुझे केवल एक ही तरह के किरदारों में सीमित न देखें। इस फिल्म में बिंदिया का रोल मेरी एक्टिंग रेंज को सामने लाने का मौका था, और इसलिए मैंने इसे स्वीकार किया।''’'मस्ती 4' एक एडल्ट-कॉमेडी फिल्म है, जिसे मिलाप मिलन जावेरी ने निर्देशित किया है। यह मशहूर 'मस्ती' फिल्म सीरीज का चौथा भाग है। फिल्म में रितेश देशमुख, विवेक ओबेरॉय और आफताब शिवदासानी पहले की तरह लीड रोल में नजर आ रहे हैं। 'मस्ती 4' सिनेमाघरों पर 21 नवंबर को रिलीज हो चुकी है।

एक घर, एक दिन और ढेर सारी अफरातफरी

द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली का मजेदार ट्रेलर रिलीज

भारतीय सिनेमा में पारिवारिक कहानियां हमेशा से दर्शकों के दिल के करीब रही हैं। बदलते समय के बावजूद, भारतीय घरों में मौजूद प्यार, उलझन, दखलअंदाजी और उम्मीदें आज भी उतनी ही मजबूत हैं। इसी जटिल रिश्तों को एक बार फिर निर्देशक अनुषा रिजवी बड़े पर्दे पर पेश करने जा रही हैं। वह एक नई कॉमेडी-ड्रामा 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' लेकर आ रही हैं, जो आधुनिक परिवार की हलचल और भावनात्मक खींचतान को एक मजेदार कहानी के जरिए सामने रखती है। अनुषा रिजवी ने अपनी पहली फिल्म 'पीपली लाइव' से काफी लोकप्रियता हासिल की थी। इसमें उन्होंने भारतीय समाज की बारीकियों को चुटीले लेकिन गंभीर अंदाज में दिखाया था।

फिल्म के बारे में बात करते हुए अनुषा रिजवी ने कहा, ''यह कहानी इस बारे में है कि हमारा परिवार हमें कैसे ढालता है। चाहे परिवार कितना भी झुंझलाहट भरा क्यों न लगे, उसकी मौजूदगी हमारी पहचान और हमारे फैसलों को गहराई से प्रभावित करती है।'' 'द ग्रेट शम्सुद्दीन फैमिली' का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जिसमें अभिनेत्री कृतिका कामरा 'बानी अहमद' का किरदार निभा रही हैं, जो घर की बड़ी बेटी है और प्रोफेशनल तौर पर एक लेखक है। उसे महज 12 घंटों के अंदर अपना एक अहम प्रोजेक्ट पूरा करना होता है, लेकिन उसी दिन उसके घर में ऐसा हंगामा मचता है कि उसका पूरा ध्यान हट जाता है। परिवार के अलग-अलग लोग अपनी-अपनी समस्याएं लेकर उसके पास जाते हैं। यहां तक कि उसका एक्स ब्वॉयफ्रेंड भी उसी दिन उससे मिलने आता है, जिससे वह अपने प्राइवेट स्पेस के लिए जूझती नजर आती है।कहानी दिखाती है कि कैसे एक दिन में ही बानी को परिवार, रिश्तों, और अपने भविष्य के बीच उलझना पड़ता है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि बानी के सामने एक बड़ा सवाल खड़ा होता है कि वह यूएस में अपने करियर को आगे बढ़ाए या अपने परिवार के बीच रहकर वही जीवन चुने जिसे वह हमेशा निभाती आई है।

विद्या बालन के 5 सबसे आइकॉनिक डायलॉग्स के साथ आइए मनाएं द डर्टी पिक्चर का 14 साल का जश्न

14 साल पहले 'द डर्टी पिक्चर' सिर्फ़ रिलीज़ नहीं हुई थी, बल्कि उसने बॉक्स ऑफिस और दर्शकों की सोच, दोनों पर कब्ज़ा कर लिया था। मिलन लूथरिया की यह फ़िल्म एक तूफ़ान की तरह आई और इसने उन सभी अनकहे नियमों को तोड़ डाला, जो सालों से महिला-केंद्रित फ़िल्मों पर लागू होते थे। इस फ़िल्म ने मेनस्ट्रीम फिल्मों में महिलाओं की जगह को न सिर्फ परिभाषित किया, बल्कि विद्या बालन को भारतीय सिनेमा की सबसे निडर और परिवर्तनकारी कलाकारों में शामिल भी कर दिया। 'सिल्क' के किरदार में विद्या ने जिस तरह स्त्री मन की इच्छाओं, कोमलताओं, महत्वाकांक्षाओं और बेफिक्री को आत्मविश्वास से अपनाया, वो आज भी काबिले गौर है। उस वर्ष की राष्ट्रीय पुरस्कार के साथ फिल्मफेयर और ढेर सारे पुरस्कारों को जीत-नेवाली इस फिल्म ने उस दौर में एक मापदंड बनाया, जिससे यह साबित हो गया कि कंटेंट-ड्रिवन, महिला-केंद्रित कहानियाँ भी बॉक्स ऑफिस पर राज कर सकती हैं। यही वजह है कि डायलॉग, संगीत और फ़िल्म की बिंदास कहानी ने 'द डर्टी पिक्चर' न सिर्फ एक पॉप-कल्चर फेनोमेना बनाया, बल्कि एक ऐसा 'मील का पत्थर' बनाया जिसके डायलॉग्स 14 साल बाद भी, सोशल मीडिया, रील्स, मीम्स और आम बातचीत में बार-बार दो-हराई जाती हैं। तो आइए फिल्म की 14वीं सालगिरह के मौके पर आइए एक बार फिर दोहराते हैं, 'द डर्टी पिक्चर' के टॉप 5 आइकॉनिक डायलॉग्स, जिसने इस फिल्म को एक कल्ट क्लासिक बना दिया। कुछ लोगों का नाम उनके काम से होता है। मेरा बदनाम होकर हुआ है। यह डायलॉग सिल्क के सच्चे, बिंदास और विद्रोही तेवर को पहली ही झलक में सामने लेकर आता है। यही वजह है कि ट्रेलर के साथ वायरल हो चुकी इस लाइन ने सिल्क की पहचान को बिना फिल्टर, बिना डर के परिभाषित किया था।

फ़िल्में सिर्फ़ तीन चीज़ों की वजह से चलती हैं एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट, एंटरटेनमेंट और मैं एंटरटेनमेंट हूँ।बॉलीवुड इतिहास की सबसे यादगार लाइनों में से एक, यह डायलॉग इतना लोकप्रिय हुआ कि इसके अलग-अलग रूप राजनीति, मार्केटिंग, कॉर्पोरेट, इन्फ्लुएंसर कल्चर हर जगह सुनाई देने लगे थे। और इसी ने सिल्क को अल्टीमेट एंटरटेनर के रूप में अमर कर दिया।

जब ज़िंदगी एक बार मिली है तो दो बार क्यों सोचें?

सिल्क का जीवन, फिलॉसफी निडर, आवेगी और चाहतों से भरा था, जिसमें यह लाइन उसकी महत्वाकांक्षा, उसकी भूख और उसकी खुली सोच को दर्शाती है। इसे फिल्म के साथ-साथ ज़िंदगी का भी सबसे प्रेरणादायक और रिलेटेबल डायलॉग कहा जा सकता है।रात को बारह की सुई की तरह चिपके रहते हो और दिन में छ: की तरह।तेज़, चुटीला और बेहद शार्प, इस डायलॉग में विद्या की असाधारण कॉमिक टाइमिंग झलकती है। नसीरुद्दीन शाह के साथ उनकी यह मज़ेदार नोकझोंक तुरंत वायरल हो गई थी और इसी ने सिल्क के आत्मविश्वासी, दबंग व्यक्तित्व को और मज़बूत किया था।

तारीफ़ में गाली दे रहे हो या गाली में तारीफ़ कर रहे हो?

सिल्क की कमबैक लाइनें हमेशा परफेक्ट होती थीं, और यह उनमें से सबसे शानदार है। ताने और तनाव के बीच बोला गया यह डायलॉग उसके बेबाक अंदाज़ और हर परिस्थिति पर पकड़ को दिखाता है। सच पूछिए तो यह सिर्फ 'द डर्टी पिक्चर' के डायलॉग नहीं, बल्कि एक ऐसी महिला की आवाज़ हैं, जिसने अपनी कहानी खुद लिखी और भारतीय सिनेमा में एक नई कहानी कहने का दौर शुरू किया।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अपने जीवनसाथी के साथ धन से जुड़े किसी मामले को लेकर आज आपका झगड़ा हो सकता है। हालांकि अपने शांत स्वभाव से आप सबकुछ ठीक कर देंगे। परिवार के सदस्यों की ज़रूरतों को तरजीह दें। उनके सुख-दुःख के भागीदार बनें, ताकि उन्हें महसूस हो कि आप वाक़ई उनका ख़याल रखते हैं। एकतरफ़ा लगाव आपके लिए सिर्फ दिल तोड़ने का काम करेगा। ऐसे बदलाव लाएँ जो आपके रूप-रंग में निखार ला सके और संभावित साथियों को आपकी ओर आकर्षित करे। आपके जीवनसाथी की मांगें तनाव का कारण बन सकती हैं।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज बिना किसी की सलाह लिये बिना आज आपको पैसा कहीं भी इनवेस्ट नहीं करना चाहिए। घरेलू ज़िंदगी सुकूनभरी और ख़ुशनुमा रहेगी। यात्रा के चलते रुमानी संबंध को बढ़ावा मिलेगा। अगर आप अपनी चीज़ों का ध्यान नहीं रखेंगे, तो उनके खोने या चोरी होने की संभावना है। आप अपने जीवनसाथी के प्यार की मदद से ज़िन्दगी की मुश्किलों का आसानी से सामना कर सकते हैं। आपके घर का कोई सदस्य आज आपसे प्यार से जुड़ी कोई समस्या शेयर कर सकता है। आपको उन्हें उचित सलाह देनी चाहिए।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आपको आर्थिक फ़ायदा होगा । पुरखों की जायदाद की ख़बर पूरे परिवार के लिए ख़ुशी ला सकती है। खाली समय में आप कोई खेल आज के दिन खेल सकते हैं लेकिन इस दौरान किसी तरह की दूर्घटना होने की भी संभावना है इसलिए संभलकर रहें। मुमकिन है कि आज आपका जीवनसाथी ख़ूबसूरत शब्दों में यह बताए कि आप उनके लिए कितने क़ीमती हैं। जिन्दगी आपके अनुसार तभी चल सकती है जब आप सही विचार और सही लोगों की संगति में रहें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दोस्तों को अपने उदार स्वभाव का ग़लत फ़ायदा न उठाने दें। थोड़े बहुत टकराव के बावजूद भी आज आपका प्रेम जीवन अच्छा रहेगा और आप अपने संगी को खुश रखने में कामयाब होंगे। जो भी आपसे मिले, उसके साथ विनम्र और सुखद व्यवहार करें। बहुत कम लोग ही आपके इस आकर्षण का राज़ जान पाएंगे। कुछ लोग सोचते हैं कि वैवाहिक जीवन ज़्यादातर झगड़ों और सेक्स के इर्द-गिर्द ही घूमता है, लेकिन आज आपके सब कुछ शान्त रहने वाला है। धन को इतनी अहमियत न दें कि आपके रिश्ते ही खराब हो जाएँ।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

इस राशि के कुछ लोगों को आज जमीन से जुड़े किसी मुद्दे को लेकर धन खर्च करना पड़ सकता है। गृह-प्रवेश के लिए शुभ दिन है। ज़िन्दगी की हक़ीक़त का सामना करने के लिए आपको अपने प्रिय को कम-से-कम कुछ वक़्त के लिए भूलना पड़ेगा। दूसरों की राय को ग़ौर से सुनें- अगर आप आज वाक़ई फ़ायदा चाहते हैं तो। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

किसी करीबी दोस्त की मदद से आज कुछ करोबारियों को अच्छा-खासा धन लाभ होने की संभावना है। यह धन आपकी कई परेशानियों को दूर कर सकता है। परिवार के लिए किसी अच्छे और ऊँचे लक्ष्य को हासिल करने के नज़रिए से समझ-बूझकर थोड़ा ख़तरा उठाया जा सकता है। चूके मौक़ों की वजह से डरें नहीं। आपकी बातें घरवालों को परेशान कर सकती हैं लेकिन इन बातों का हल अवश्य निकलेगा। आपको महसूस होगा कि आपका जीवनसाथी इससे बेहतर पहले कभी नहीं हुआ। सेहत के लिहाज़ से दौड़ लगाना आपके लिए फ़ायदेमंद रहेगा ।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

दिन की शुरुआत भले ही अच्छी हो लेकिन शाम के वक्त किसी वजह से आपका धन खर्च हो सकता है जिससे आप परेशान होंगे। आपके माता-पिता की सेहत चिंता और घबराहट का कारण बन सकती है। आज आप हर तरफ़ प्यार-ही-प्यार फैलाएं-गे। बातचीत में कुशलता आज आपका मज़बूत पक्ष साबित होगी। थोड़ी-सी कोशिश करें तो यह दिन आपके वैवाहिक जीवन के सबसे विशेष दिनों में से एक हो सकता है। आज आप किसी दोस्त या करीबी रिश्तेदार से अपने दिल के गम साझा कर सकते हैं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। यह परिवार में दबदबा बनाए रखने की अपनी आदतों को छोड़ने का वक़्त है। ज़िंदगी के उतार-चढ़ाव में उनके कंधे से कंधा मिलाकर साथ दें। आपका बदला हुआ बर्ताव उनके लिए ख़ुशी का सबब साबित होगा। अगर आप वैवाहिक तौर पर लंबे समय से कुछ नाख़ुश हैं, तो आज के दिन आप हालात बेहतर होते हुए महसूस कर सकते हैं। शांति का वास आपके दिल में रहेगा और इसीलिए आप घर में भी अच्छा माहौल बना पाने में कामयाब होंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

ख़ुद को सेहतमंद और दुरुस्त रखने के लिए वसायुक्त और तली-भुनी चीज़ों से दूर रहें। आज यदि आप अपने दोस्तों के साथ कहीं घूमने जा रहे हैं तो पैसा सोच समझकर खर्च करें। धन हानि हो सकती है। जितना आपने सोचा था, आपका भाई उससे ज़्यादा मददगार साबित होगा। आज आप बच्चों के साथ बच्चों के जैसा ही व्यवहार करेंगे जिससे आपके बच्चे सारे दिन आपसे चिपके रहेंगे।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज नवयुवकों को स्कूल प्रोजेक्ट की बाबत कुछ राय लेने की ज़रूरत हो सकती है। घर में परेशानियाँ पैदा हो सकती हैं- लेकिन अपने साथी को छोटी-छोटी बातों के लिए ताने देने से बचें। आज काफ़ी दिमागी कसरत मुमकिन है। आपमें से कुछ भविष्य की योजनाओं पर गहराई से सोच सकते हैं। अकेलापन कई बार काफ़ी दिक़्क़त भरा हो सकता है, ख़ास तौर से उन दिनों में जब कि आपके पास ज़्यादा कुछ करने के लिए न हो। इससे छुटकारा पाने की कोशिश करें और अपने दोस्तों के साथ थोड़ा समय व्यतीत करें।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

जो लोग अब तक पैसे को बिना सोचे विचारे उड़ा रहे थे उन्हें आज पैसे की बहुत आवश्यकता पड़ सकती है और आज आपको समझ में आ सकता है कि पैसे की जीवन में क्या अहमियत है। आपको अपने रोज़मर्रा के कामों से छुट्टी लेकर आज दोस्तों के साथ घूमने का कार्यक्रम बनाना चाहिए। खेलकूद जीवन का जरुरी हिस्सा है लेकिन खेलकूद में इतने भी व्यस्त न हो जाएं कि आपकी पढ़ाई में कमी आ जाए। अपने प्रिय के साथ पर्याप्त समय बिताने की संभावना है। ऐसा हो भी क्यों न, ऐसे पल ही तो किसी संबंध को प्रगाढ़ बनाते हैं।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

अपनी शारीरिक सेहत सुधारने के लिए संतुलित आहर लें आज के दिन आप ऊर्जा से लबरेज़ रहेंगे और मुमकिन है कि अचानक अनदेखा मुनाफ़ा भी मिले। आपको अपनी भावनाओं को नियन्त्रित करने में कठिनाई होगी, लेकिन आस-पास के लोगों से झगड़ा न करें नहीं तो आप अकेले रह जाएंगे। याद रखिए कि आँखें कभी झूठ नहीं बोलतीं। आपका अपने जीवनसाथी के साथ तनावपूर्ण संबंध रह सकता है। जहां तक सम्भव हो बात को बढ़ने न दें। अपने साथी के लिए कोई बेहतरीन पकवान बनाना आपके फीके पड़े रिश्तों में गर्मजोशी भर सकता है।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 दिसंबर 2025 , शुक्रवार
विक्रम संवत : 2082
मास : पोष ,कृष्ण पक्ष
तिथि : प्रतिपदा रात्रि 12:58 तक
नक्षत्र : रोहिणी प्रातः 11:47 तक
योग : सिद्ध प्रातः 08:08 तक
करण : बालव दोपहर 02:50 तक
चन्द्रराशि : वृषभ रात्रि 10:16 तक
सूर्योदय : 06:32, सूर्यास्त 05:40 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:28, सूर्यास्त 05:52 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:43 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:22, सूर्यास्त 05:33 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चंचल : 06:00 से 07:30
लाभ : 07:30 से 09:00
अमृत : 09:00 से 10:30
शुभ : 12:00 से 01:30
राहुकाल : प्रातः 10:30 से 12:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : दूध पीकर यात्रा करें
दिन विशेष : पोष कृष्ण पक्ष आरंभ

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

राजस्थानी मूल के अधिकारियों का राज्य को निवेश का हब बनाने में अहम योगदान : भजनलाल

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान आज विकास की नई ऊंचाईयां छू रहा है और राज्य सरकार की मंशा है कि प्रदेश की इस प्रगति यात्रा में प्रवासी राजस्थानियों की सक्रिय भागीदारी हो। इसी अनुरूप राज्य सरकार आगामी 10 दिसम्बर को प्रवासी राजस्थानी दिवस का भव्य आयोजन करने जा रही है, जिसके लिए हर क्षेत्र से भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। श्री शर्मा ने विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों को आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान को निवेश का हब बनाने में इनकी अहम भूमिका है। इन अधिकारियों के अनुभव, सुझाव और संपर्क राज्य की प्रगति के लिए महत्वपूर्ण हैं।

भजनलाल शर्मा गुरूवार को मुख्यमंत्री निवास से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों के साथ प्रवासी राजस्थानी दिवस के संबंध में आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि क्षेत्रफल की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है। राज्य में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। पर्यटन, ऊर्जा, पानी, बिजली, उद्योग सहित विभिन्न क्षेत्रों में राज्य सरकार निरन्तर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि गत वर्ष राज्य सरकार द्वारा राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का आयोजन किया गया था। इस समिट में 35 लाख करोड़ रूपये के एमओयू किए गए थे, जिनमें से 7 लाख करोड़ रूपये के विभिन्न कार्यों की ग्राउण्ड ब्रेकिंग की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न राज्यों में पदस्थापित राजस्थानी मूल के अधिकारियों का अपनी कर्मभूमि के साथ ही जन्मभूमि से भी भावनात्मक जुड़ाव रहता है। इन अधिकारियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में विभिन्न नवाचार किए हैं। उन्होंने कहा कि ये अधिकारी राज्य सरकार और प्रवासी राजस्थानियों के बीच एक मजबूत सेतु हैं। उन्होंने इन अधिकारियों से अपील करते हुए कहा कि वे प्रवासी राजस्थानी, उद्यमियों और निवेशकों को राजस्थान में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करें। साथ ही, अधिकारी इस आयोजन में शामिल होकर अपने अमूल्य सुझाव भी दें।

भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रवासी राजस्थानियों ने मेहनत और उद्यमशीलता से विश्वपटल पर अपनी पहचान बनाई है। इन्होंने देश-विदेश में राजस्थान का मान-सम्मान बढ़ाया है। हमारी सरकार प्रवासी राजस्थानियों को मातृभूमि से जोड़ने के लिए निरन्तर कार्य कर रही है। इनके हितों और उनसे जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देने के लिए एक विशेष प्रवासी राजस्थानी विभाग का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि आगामी प्रवासी राजस्थानी दिवस के वृहत् आयोजन से प्रवासी राजस्थानियों को प्रदेश में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा, जिससे राज्य में विकास के नए आयाम स्थापित हो सकें।

इस दौरान विभिन्न राज्यों में पदस्थापित अखिल भारतीय एवं विभिन्न केन्द्रीय सेवा अधिकारियों ने मुख्यमंत्री द्वारा की गई इस पहल की सराहना की। अधिकारियों ने कहा कि राजस्थान हमारी जन्मभूमि होने से राज्य से सदैव जुड़ाव रहता है। राजस्थान सरकार द्वारा निवेश को बढ़ावा देने के लिए अभूतपूर्व कार्य किया जा रहा है। ईज ऑफ डूइंग बिजनेस तथा निवेश अनुकूल नीतियों से उद्यमियों के लिए प्रदेश में निवेश के नए द्वार खुले हैं। इस दौरान अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अपने-अपने राज्यों में निवेश के लिए किए जा रहे नवाचारों की जानकारी देते हुए कई रचनात्मक सुझाव दिए। इसके साथ ही उन्होंने सिंगल विंडो सिस्टम का सुदृढीकरण करने, पर्यटन की ब्राडिंग को और सुदृढ़ करने, सुनियोजित नगरीय विकास, इको टूरिज्म, लॉजिस्टिक्स एवं वेयर हाउसिंग एवं टैक्सटाईल में निवेश को बढ़ावा देने सहित विभिन्न क्षेत्रों में अपने सुझाव दिए।

सिखवाल समाज पाली ने श्रृंग ऋषि वाटिका के लिए भूमि खरीदी

कोलार ट्रस्ट ने दी 11,21,111 रुपये की सहयोग राशि

पाली (राजस्थान), 04 दिसंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज संस्था पाली की भूमि खरीदी और वृक्षारोपण योजना के तहत समाज को एक बड़ा प्रोत्साहन मिला है। समस्त सिखवाल समाज को यह सूचित किया गया है कि सभी की प्रेरणा व आशीर्वाद से पाली में सिखवाल समाज द्वारा श्रृंग ऋषि वाटिका हेतु मंडली@सुमेरपुर चौराहे से आगे डेंडा–कूरना रोड पर 11.50 बीघा जमीन खरीदी गई है। यह वाटिका सिखवाल समाज भवन से लगभग 7.5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।

भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए यह भूमि खरीद अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें समाज का आशीर्वाद व सहयोग अपेक्षित है। वाटिका के लिए सहयोग राशि रु. 11,21,111 बंसीलालजी पार्वतीदेवी चैरिटेबल ट्रस्ट, कोलर द्वारा सिखवाल समाज पाली को भूदान के रूप में प्रदान की गई।

पाली भवन में आयोजित इस अवसर पर अध्यक्ष व सभी पदाधिकारियों द्वारा लक्ष्मीनारायण जी कोलारिया का सम्मान कर बधाई दी गई। कार्यक्रम में घीसुलालजी व्यास, सोहनलाल उपाध्याय, जीवराज उपाध्याय, रामदेव नागला, ओंकारजी कोलारिया, बंकटलाल कोलारिया, नंदकिशोर नागला, रतनलाल ओझा सहित समाज के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

मुख्य आयुक्त के निर्देशों पर वाणिज्यिक कर विभाग की बड़ी कार्यवाही

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्य आयुक्त राज्य कर कुमार पाल गौतम के परिवहन जांच संबंधी निर्देशों पर वाणिज्यिक कर विभाग की स्टेट जीएसटी प्रवर्तन शाखा ने बड़ी कार्यवाही करते हुए लगभग 15 दिनों तक गोपनीय तरीके से राष्ट्रीय राजमार्गों पर संचालित होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों पर यात्री के रूप में ठहरकर कर चोरी में संलग्न वाहनों के बारे में मानवीय आसूचना एकत्र की। इसके साथ ही मुखबिर तंत्र को भी सक्रिय किया गया। कुमार पाल गौतम ने बताया कि जीएसटी पोर्टल और ह्यूमन इंटेलिजेंस के आधार पर यह कार्रवाई की गई जिसके परिणामस्वरूप मार्बल एवं ग्रेनाइट, लैड स्क्रेप, परचून, ब्रास मेटल और सुपारी से लदे हुए कुल 14 वाहनों को विधिवत निरूद्ध किया गया। इन वाहनों में जिन फर्मों के बिल लगाए गए थे, वे सभी विभागीय जांच में अस्तित्वहीन और बोगस पाई गईं। उन्होंने आगे बताया कि परचून के नाम पर ब्रास मेटल स्क्रेप बिना विधिक दस्तावेजों के दिल्ली से गुजरात भेजा जा रहा था। इसी प्रकार कर्नाटक से सुपारी के दस्तावेजों के आधार पर नागपुर भेजे जाने की योजना थी लेकिन सुपारी से लदा वाहन नागपुर की बजाय दिल्ली की ओर जा रहा था जिसे सवाईमाधोपुर के निकट विभाग की टीम ने निरूद्ध किया।

विभाग द्वारा इन सभी प्रकरणों में गहनता से विश्लेषण किया जा रहा है ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन संगठित गिरोहों द्वारा बिना उचित विधिक दस्तावेजों और बिना कर चुकाए मूल्यवान माल का परिवहन कर राजस्व को नुकसान पहुंचाया जा रहा है।

सुंदरपुरा के सूबेदार रामसिंह गुर्जर का जम्मू कश्मीर में निधन

कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने अर्पित की श्रद्धांजलि

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। जम्मू.कश्मीर के नचलाना स्थित 23 राष्ट्रीय राजपूताना राईफल्स में कार्यरत सूबेदार रामसिंह गुर्जर का निधन हो गया।

राज्य सरकार के उद्योग एवं वाणिज्य तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ गुरुवार को दिवंगत सैनिक के अंतिम संस्कार में शामिल हुए। उन्होंने दिवंगत शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सूबेदार रामसिंह जी के साहस, दृढ़ संकल्प और देश की सेवा के लिए हमेशा याद किया जाएगा, उनके साहस को नमन। कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने शहीद के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात कर उन्हें ढांढस बंधाया।

दिवंगत शहीद के अंतिम संस्कार के समय उपस्थित ग्रामवासियों को संबोधित करते हुए कर्नल राज्यवर्धन ने कहा कि शहीद सूबेदार सेना के ऑपरेशन्स के साथ-साथ एडमिनिस्ट्रेशन का भी ध्यान रखते थे। वे बेहद मजबूत साथी थे और ऑपरेशन के दौरान उन्होंने अपना बलिदान दिया है।

आमजन के व्यापक हितार्थ राज्य सरकार आयोजित करेगी 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व एवं नगरीय विकास एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा के निर्देशन में राज्य सरकार द्वारा शहरी नागरिकों की समस्याओं के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण के उद्देश्य से 17 से 24 दिसम्बर तक 7 दिवसीय शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 आयोजित किए जाएंगे जिनकी तैयारियों को लेकर गुरुवार को नगरीय विकास एवं आवासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि तथा स्वायत्त शासन विभाग के शासन सचिव श्री रवि जैन ने डीएलबी मुख्यालय के सभागार में संयुक्त बैठक ली। बैठक में दोनों विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने शिविरों की रूपरेखा, क्रियान्वयन, मॉनिटरिंग तथा जनसुविधाओं को सुचारु रूप से सुनिश्चित करने संबंधी सभी बिंदुओं पर विस्तृत चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए ।उल्लेखनीय है कि इन शिविरों में शहरी सेवा शिविर-2025 के तहत दी गई सभी छूट एवं शिथिलताएँ यथावत लागू रहेंगी।

बैठक के दौरान प्रमुख शासन सचिव देबाशीष पृष्टि ने निर्देश दिए कि राज्य सरकार की मंशानुसार शहरी समस्या समाधान शिविर-2025 का आयोजन राज्य की प्रत्येक नगरीय निकाय एवं प्राधिकरण पर अनिवार्य रूप से किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि शिविरों में लंबित प्रकरणों के साथ-साथ प्राप्त होने वाले सभी नए आवेदनों का निस्तारण शिविर स्थल पर ही उसी दिन किया जाना सुनिश्चित किया जाए। शिविर का समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक निर्धारित रहेगा, और यदि किसी प्रकरण का कार्य निर्धारित समय तक लंबित रहता है तो शिविर को कार्य पूर्ण होने तक जारी रखा जाएगा।

चिकित्सा मंत्री ने की चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा

मेडिकल कॉलेज एवं संबद्ध अस्पतालों पर रहेगी कड़ी नजर

जयपुर, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रदेश के सभी मेडिकल कॉलेजों से संबद्ध अस्पतालों में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन पर अब कड़ी नजर रहेगी। सभी मेडिकल कॉलेजों के प्रधानाचार्य एवं संबद्ध अस्पतालों के अधीक्षकों के कामकाज का नियमित रूप से आकलन किया जाएगा। मानकों में खरा नहीं उतरने तथा स्वास्स्थ्य सेवाओं में किसी भी तरह की खामी सामने आने पर सीधे तौर उन्हें उत्तरदायी माना जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने गुरूवार को स्वास्थ्य भवन में चिकित्सा शिक्षा विभाग की समीक्षा बैठक में इस संबंध में स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनस्वास्थ्य आमजन के जीवन से जुड़ा सबसे संवेदनशील विषय है, इसमें किसी भी स्तर पर कोताही की कोई गुंजाइश नहीं है। सभी चिकित्सा अधिकारी अपना कार्य पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता के साथ करें, अन्यथा नियमानुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मध्य प्रदेश विधान सभा में हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण का स्वागत

चण्डीगढ़, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण ने वीरवार को भोपाल पहुंचकर मध्य प्रदेश विधान सभा की कार्यवाही देखी। इससे पूर्व श्री कल्याण मध्य प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निमंत्रण पर भोपाल स्थित बोट क्लब पहुंचे, जहां वे पर्यटन विभाग की ओर से आयोजित शिकारा नाव के उद्घाटन समारोह में सम्मिलित हुए। यहां पर्यटन मंत्री धर्मेन्द्र सिंह लोधी ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने नगरीय विकास और आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और शहरी स्थानीय निकाय विभाग के अधिकारियों के साथ चर्चा की। इस दौरान शहरी स्थानीय निकाय विभाग और विधान सभा अध्यक्ष पद के कार्यों को लेकर गहन चर्चा हुई। इस चर्चा के दौरान श्री कल्याण ने कहा कि शहरी स्थानीय निकाय विभाग प्रत्यक्ष रूप से आम आदमी से जुड़ा विभाग है।

विकास परियोजनाओं के क्रियान्वयन के साथ साथ नागरिकों की जरूरतों को पूरा करना भी इस विभाग का दायित्व है। अधिकारी निष्ठाभाव से कार्य करके ही इन जिम्मेदारियों पर खरा उतर सकते हैं। इस दौरान विधान सभा की तर्ज पर नगर निगम में अध्यक्ष पद के सृजन पर भी चर्चा हुई।इस यात्रा के दौरान श्री कल्याण भोपाल में शहीदों की याद में स्थापित शौर्य स्मारक पर भी गए। यहां उन्होंने शहीदों को नमन करते हुए विजिटर रजिस्टर में लिखा कि यह एक अति प्रेरणादायी स्थल है। इसके भ्रमण से प्रत्येक व्यक्ति में देश प्रेम और देश भक्ति की भावना प्रबल होती है। इस दौरे पर विधान सभा अध्यक्ष हरविन्द्र कल्याण की धर्मपत्नी श्रीमती रेशमा कल्याण भी उनके साथ मौजूद रहीं।

हरियाणा से बिहार तक एनआईए की बड़ी कार्रवाई

अवैध गोला-बारूद तस्करी नेटवर्क पर शिकंजा दिल्ली ब्लास्ट केस से भी जोड़कर जांच

चंडीगढ़, 04 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुवार को हरियाणा, उत्तर प्रदेश और बिहार सहित कई राज्यों में एक साथ छापेमारी कर अवैध हथियार एवं गोला-बारूद तस्करी नेटवर्क पर बड़ी कार्रवाई की। एजेंसी ने कुल 22 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया है। यह मामला उत्तर भारत में फैले उन गिरोहों से जुड़ा है जो लंबे समय से अवैध हथियारों की सप्लाई चेन का हिस्सा रहे हैं। आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका एनआईए के अनुसार, प्रारंभिक जांच में यह संकेत मिले हैं कि यह हथियार तस्करी गिरोह किसी बड़े आतंकी नेटवर्क को मजबूत करने की साजिश का हिस्सा हो सकता है। कई संदिग्धों के ठिकानों से महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल साक्ष्य हासिल किए जा रहे हैं। एजेंसी पूरे नेटवर्क के मॉड्यूल को खंगालने में जुटी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जिस टेरर कॉन्सपिरेसी केस में एनआईए छापेमारी कर रही है, वही जांच दिल्ली के लाल किले के पास हुए हालिया ब्लास्ट से भी जुड़ रही है। जांच टीम को कुछ ऐसे सुराग मिले हैं, जिनसे दोनों मामलों के बीच संभावित लिंक तलाशे जा रहे हैं। एजेंसी अब यह पता लगा रही है कि ब्लास्ट केस के आरोपियों का इस हथियार तस्करी नेटवर्क से कोई सीधा या परोक्ष संबंध तो नहीं है।

जांच में सामने आया कि यह गिरोह उत्तर प्रदेश से लेकर बिहार तक अपना नेटवर्क संचालित करता था। तस्करी के माध्यम से हथियारों की सप्लाई कई स्तरों पर होती थी। यह समूह काफी समय से सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर था और इसे एक संभावित आतंकी मॉड्यूल के रूप में देखा जा रहा है। हरियाणा, यूपी और बिहार में एक साथ छापे छख अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा, उत्तर प्रदेश, बिहार में 22 जगहों पर छापेमारी की जा रही है। यूपी से बिहार के कई हिस्सों में हथियारों की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क पर विशेष फोकस किया जा रहा है।

एजेंसी जल्द पूरे मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर सरकार को सौंपेगी। जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियों की संभावना से इनकार नहीं किया जा रहा है।

शीतकालीन सत्र में सीएम नीतीश कुमार ने जताया पीएम का आभार तो हुआ विरोध

पटना/एजेंसियां। सत्र के दौरान नेता प्रतिपक्ष विधान मंडल नहीं पहुंचे, जिसको लेकर जदयू के मुख्य प्रवक्ता ने उनपर तंज कसा। उन्होंने कहा था कि जिनके परिवार की सुरक्षा के लिए 160 पुलिसकर्मी तैनात रहते हैं, वे स्वयं सदन में दिखाई नहीं दे रहे। आखिर कहां गायब हो गए तेजस्वी यादव ? इस खबर के प्रकाशित होने के बाद देर शाम राजद ने भी पलटवार करते हुए अपनी प्रतिक्रिया दी। जवाब में बिहार प्रदेश राष्ट्रीय जनता दल के प्रवक्ता एजाज अहमद ने कहा कि जिस तरह की राजनीति जदयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार जी आप करते हैं, ऐसा लगता है कि आपके राजनीति का एकमात्र आधार और सोच तेजस्वी प्रसाद यादव ही हैं। आप वास्कोडिगामा की तरह तेजस्वी यादव की खोज में मत लगिए, बिहार की जनता के हित में उनको बुलडोजर नीति से बचाइए। हालांकि आज भी नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के सदन में आने का इंतजार जरुर किया जायेगा। बिहार विधानसभा के शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को सदन को नया उपाध्यक्ष मिल गया है। मधेपुरा जिले के आलमनगर विधानसभा क्षेत्र से आठवीं बार विधायक बने नरेंद्र नारायण यादव को सर्वसम्मति से निर्विरोध उपाध्यक्ष चुना गया। वह इस सत्र के लिए प्रोटेम स्पीकर की भूमिका भी निभा रहे थे। उपाध्यक्ष के चुनाव के बाद सदन में राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा शुरू हुई। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सभी नए विधायकों को बधाई दी और बिहार के विकास पर अपनी सरकार का पक्ष रखा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सदन में अपने सरकार की उपलब्धियों की जानकारी देते हुए कहा कि, जब 2005 में एनडीए सरकार बनी थी, तब से ही बिहार में कानून का राज है। तभी से मैं लगातार बिहार के विकास में लगा हुआ हूं, और यही मेरा एकमात्र उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि अब बिहार में किसी तरह का डर और भय नहीं है, बल्कि चारों तरफ शांति और भाईचारे का माहौल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि पहले बिहार में बहुत हिंदू मुस्लिम होता था, लेकिन अब कोई झगड़ा झंझट नहीं होता है। अपनी सरकार के कार्यों को गिनाते हुए उन्होंने कहा कि कब्रिस्तान की घेराबंदी कराई गई और 2016 से मंदिरों की सुरक्षा भी बढ़ाई गई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राजद विधायक भाई वीरेन्द्र से कहा कि आपको दो बार मौका दिए। आपके साथ भी विकास किए न , गड़बड़ सड़बड़ किए तो छोड़ दिए। अब इनके साथ हैं। आपके साथ कभी नहीं आएंगे। राजद विधायक कुमार सर्वजीत कुमार ने गया के मगध मेडिकल अस्पताल की बदहाल स्थिति को लेकर कहा कि वहां जाने पर लगता है कि दलित के मोहल्ले में आ गए हैं। उनकी यह बात सुनते ही जदयू विधायक रत्नेश सदा ने राजद विधायक कुमार सर्वजीत कुमार का विरोध करते हुए कहा कि मैं भी उसी दलित की कोख से पैदा हुआ हूं। दलितों के लिए जो हरकत इन्होंने की है वो इसे माफ नहीं करेंगे। उनके इस विरोध के बाद राजद विधायक कुमार सर्वजीत कुमार ने जदयू नेता रत्नेश सदा पर पलटवार करते हुए उनको चुनौती दे डाली। उन्होंने कहा कि अगर इनमें हिम्मत है तो हम इन्हें चुनौती देते हैं। ये हमारे साथ गया जिले के दलित मोहल्लों में चलें और देखें कि गया जिले के मुसहर इलाके में एक भी नाली-गली नहीं बनी है। बिहार विधान परिषद में राज्यपाल के अभिभाषण पर वाद विवाद शुरू हो गया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बोल रहे थे, तभी पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी अचानक उठीं। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले सत्ता पक्ष नहीं, बल्कि विपक्ष को बोलने का मौका दिया जाना चाहिए। लेकिन उनकी बात नहीं मानने पर पर पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी समेत विपक्ष के सभी सदस्यों ने विधान परिषद् का वॉकआउट कर बाहर निकल गए। बिहार विधानसभा में उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता विजय सिन्हा और राजद नेता विधायक भाई वीरेंद्र एक दूसरे से भिड़ गए। उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि बालू दारू भू माफिया की छाती पर बुलडोजर चलाया जाएगा। इसी बात पर भाई वीरेन्द्र भड़क गए और खड़े होकर उनका विरोध करने लगे। उन्होंने कहा कि हर्ष फायरिंग के बारे में बोलिए। इस पर विजय सिन्हा ने कहा कि आप जिसे हर्ष फायरिंग बता रहे हैं वह शादी विवाह में पटाखा फोड़े जा रहे थे। इसकी जांच भी की जा चुकी है। अपनी बात खत्म करते करते विजय सिन्हा ने कहा कि मौसम बदल रहा है इसलिए बदलते मौसम में आप अपने कपड़े भी बदल लीजिये वरना तबियत खराब हो जाएगी। और रही बात बुलडोजर की तो बालू दारू भू माफिया की छाती पर बुलडोजर चल के रहेगा। राजद विधायक इंद्रजीत प्रसाद गुप्ता ने अंग्रेजी में अपनी बात शुरू की लेकिन फिर टोकने पर हिंदी में बोलने लगे। उन्होंने अपनी बात शुरू करते हुए सबसे पहले बिहार के गृह मंत्री सम्राट चौधरी का नाम लेते हुए कहा कि आप मजबूत आदमी हैं। आपको लोग बुलडोजर बाबा कहता है तो ऐसा लगता है कि यह कॉपी किया जा रहा है इसलिए आप सम्राट बुलडोजर नहीं बल्कि स्मार्ट बुलडोजर चलाइए। उन्होंने कहा कि सम्राट जी आप सिर्फ मानवीय पक्ष को सामने रखिए और उसके पीछे हिडन एजेंट को जरूर देखिए और मुझे लगता है कि आप सम्राट बुलडोजर से स्मार्ट बुलडोजर जरूर बनियेगा।

एक बात तय है कि बिहार में माफिया नहीं बचेंगे: सम्राट चौधरी

पटना/एजेंसियां। सम्राट चौधरी गुरुवार को विधान सभा में माफिया राज पर खुलकर बोले। उन्होंने कहा कि मेरा नाम बुलडोजर बाबा नहीं है, मैं सम्राट चौधरी के नाम से जाना जाता हूं। रही बात अतिक्रमण हटाने की तो यह काम कोर्ट के आदेश से हो रहा है। उन्होंने माफियाओं को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि एक बात तय है कि बिहार में माफिया नहीं बचेंगे, चाहे वह बालू माफिया हो, दारू माफिया हो या जमीन माफिया हो। उन्होंने कहा कि जो भी माफिया हैं उन्हें जमीदोज कर दिया जाएगा। इतना ही नहीं जो लोग मीडिया या सार्वजनिक तौर पर गाली देंगे, वह भी अच्छी तरह समझ लें कि अब अगर कोई भी ऐसा काम करेगा तो वैसे लोगों को जेल जाने से कोई रोक नहीं सकता। चाहे वह कोई भी क्यों न हों। बिहार विधानसभा के सदन में सबसे अंत में अपनी बात रखते हुए बिहार के गृह मंत्री सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने माफियाओं को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि मेरा नाम बुलडोजर बाबा नहीं है, लेकिन माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा। सबसे पहले उन्होंने विकास कार्यों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि बिहार में अंग्रेजों ने सिर्फ दो मेडिकल कॉलेज बनाए थे और कर्पूरी ठाकुर ने चार। 2008 तक इसके बाद कोई कॉलेज नहीं बना, लेकिन एनडीए सरकार में लगभग 12 मेडिकल कॉलेज बन गए हैं और 27 की प्रक्रिया चल रही है। सम्राट चौधरी ने सत्ता के दुरुपयोग के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि हमारे लोग तो 30 वोट से चुनाव हारे हैं। अगर सत्ता का दुरुपयोग करना होता तो हम जीत के आते। 1000 वोट से नहीं हारते। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेस के राज में सर्किट हाउस में बैठकर तय होता था कि कौन जीतेगा और कौन हारेगा। उन्होंने पुरानी घटनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि देश के लोगों ने देखा है कि कांग्रेस के राज में चुनाव आयोग के लोग भी राज्यसभा जाते थे।

स्टेशन पर सो रहे माता-पिता के बीच से उठा ले गए बच्चा, 6 गिरफ्तार

वैशाली/एजेंसियां। जिले के हाजीपुर जंक्शन से एक बच्चे को चोरों ने चुराकर बेच दिया। बताया गया कि बच्चा अपने मां-बाप के साथ जंक्शन पर सोया हुआ था, तभी इस वारदात को अंजाम दिया गया। बच्चे की पहचान सुमित कुमार के छोटे पुत्र मोहम्मद फहिम उर्फ राजा बाबू के रूप में हुई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस में हड़कंप मच गया और जांच शुरू की गई। बुधवार को बच्चा अपने माता पिता के साथ हाजीपुर जंक्शन के प्लेटफॉर्म नंबर-1 पर सोया था। 4 दिसंबर की सुबह करीब 6 बजे जब माता पिता की नींद खुली तो तीन में से एक बच्चा गायब था। इसके बाद परिजनों ने जीआरपी में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद पुलिस

जांच में जुट गई। जंक्शन पर लगे सीसीटीवी को खंगालने पर एक महिला और पुरुष बच्चे को चुराते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने दोनों की पहचान वैशाली के बिदुपुर थाना क्षेत्र के रंजीत कुमार के पुत्र अर्जुन कुमार और हाजीपुर सदर थाना क्षेत्र के चौकोर निवासी स्व. रामचंद्र चौधरी की पत्नी किरण देवी के रूप में की। दोनों को गिरफ्तार कर पूछताछ की गई तो पता चला कि इस घटना में कुल छह लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि चोरी के बाद बच्चा बिदुपुर के सोनू को सौंप दिया गया। पुलिस ने छापेमारी कर सोनू को भी गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सोनू ने खुलासा किया कि बच्चे को 3 लाख 50 हजार रुपये में बेच दिया गया है और यह सौदा एक डॉक्टर ने करवाया था। सोनू ने बताया कि समस्तीपुर के शाहपुर पटोरी के डॉक्टर अविनाश कुमार और उनकी सहयोगी मुन्नी कुमारी के कहने पर यह सौदा हुआ। बच्चा डॉक्टर अविनाश और मुन्नी को सौंप दिया गया, जिसके बदले सोनू को 1,30,000 रुपये मिले। पुलिस ने इस कांड में शामिल छह लोगों अनिल कुमार साह (समस्तीपुर), गुड़िया देवी (समस्तीपुर), मुन्नी कुमारी (समस्तीपुर), अर्जुन कुमार (बिदुपुर), सोनू कुमार (बिदुपुर) और किरण देवी (हाजीपुर) को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि डॉक्टर अविनाश अभी फरार है।

सीएम, वेणुगोपाल ने दोपहर के भोजन के साथ राजनीतिक गलियारों का ध्यान खींचा

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक में नाश्ता बैठक को लेकर चल रही राजनीतिक अटकलों के बीच, एक और खास और सीक्रेट भोजन बैठक ने राज्य के राजनीतिक गलियारों का ध्यान खींचा है। मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, जो मेंगलूरु दौरे पर थे, ने मंगलवार दोपहर को कावेरी गेस्ट हाउस में एआईसीसी महासचिव के सी वेणुगोपाल के साथ भोजन किया, जिससे चर्चा और मेहमानों की लिस्ट को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है। भोजन दोपहर 1.30 से 2 बजे तक हुआ, इससे पहले सुबह करीब 15 मिनट की एक छोटी लेकिन हाई-वोल्टेज चर्चा हुई थी, जिसने पहले ही राजनीतिक चर्चा छेड़ दी थी। गेस्ट

हाउस के एक कमरे में 12 खास सीटें लगाई गई थीं, जिसमें मुख्यमंत्री, वेणुगोपाल और कुछ वरिष्ठ मंत्री बैठे थे। गोपनीयता बनाए रखने के लिए इंतजाम बहुत सावधानी से किए गए थे, और स्टाफ ने यह सुनिश्चित किया कि लोगों को कम से कम पता चले। बैठक का मेन्यू तटीय कर्नाटक के स्वाद को ध्यान में रखकर बनाया गया था, जिसमें कोस्टल नाटी कोली (लोकल चिकन) स्टार डिश थी। सीफूड और क्षेत्रीय व्यंजन भी शामिल थे, जैसे फ्रेशवॉटर डोसा, अप्पम, अंजल (सीर मछली) फ्राई, और सिगड़ी (झींगे) घी रोस्ट, साथ ही कई तरह की साइड डिश भी थीं। तैयारियों की देखरेख करने वाले शेफ प्रवीण ने बताया हमने मुख्यमंत्री और अन्य नेताओं के लिए खास तौर पर कोस्टल चिकन और सीफूड आइटम तैयार किए थे। हर डिश बहुत सावधानी और बारीकी से बनाई गई थी ताकि एक यादगार अनुभव हो। मेन्यू सिद्धरामैया, वेणुगोपाल और अन्य आमंत्रित नेताओं के स्वाद के हिसाब से तय किया गया था। मेंगलूरु यूनिवर्सिटी गेस्ट हाउस की कुकिंग टीम ने इन सभी इंतजामों की जिम्मेदारी संभाली थी। टीम ने यह सुनिश्चित किया कि सभी व्यंजन, सिग्नेचर नाटी कोली से लेकर सीफूड स्पेशल तक, क्षेत्र की पाक विरासत को दर्शाते हुए सटीकता और प्रामाणिकता के साथ तैयार किए जाएं। जहां बैठक ने पहले ही राजनीतिक अटकलें तेज कर दी थीं, वहीं इस सीक्रेट लंच ने इसमें और रहस्य जोड़ दिया है। जानकारों का कहना है कि मुख्यमंत्री, वेणुगोपाल और कुछ मंत्रियों की यह निजी बैठक, और इस कार्यक्रम का सीक्रेट नेचर, पर्दे के पीछे की रणनीति पर चर्चा का संकेत हो सकता है। एक वरिष्ठ राजनीतिक पर्यवेक्षक ने टिप्पणी की, इस तरह की करीबी और सावधानी से आयोजित बैठक, खासकर क्षेत्रीय व्यंजनों पर ध्यान केंद्रित करने वाली, अक्सर प्रतीकात्मक होती हैं। वे न केवल चर्चा के लिए प्राइवेसी देती हैं, बल्कि पार्टी नेतृत्व के बीच संबंधों और विश्वास को भी मजबूत करती हैं। यह लंच राज्य के राजनीति में चर्चा का विषय बन गया है, और विशेषज्ञ आने वाली राजनीतिक रणनीति पर इसके असर के बारे में अंदाजा लगा रहे हैं।

डीके, उडुपी जिलों में अचानक भारी बारिश से जनजीवन प्रभावित

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। दक्षिण कन्नड़ और उडुपी जिलों में बुधवार शाम को गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ अचानक तेज बारिश हुई, जिससे उमस से राहत मिली लेकिन कई इलाकों में दिक्कतें भी हुईं। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार हवा के दबाव में कमी के कारण तमिलनाडु-पुद्दुचेरी तट के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी में कम दबाव का क्षेत्र बन गया था। यह सिस्टम उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ा और अगले 24 घंटों में इसके कमजोर होने की उम्मीद है। इसके असर से, तटीय कर्नाटक में बुधवार को बड़े पैमाने पर बारिश हुई और बारिश का अलर्ट भी जारी किया गया है। दक्षिण कन्नड़ में, बारिश शाम 5 बजे के आसपास शुरू हुई और बंटवाल, बेल्टांगडी, कादिरुद्यावर, मेंगलूरु, पुत्तूर, निंटिकल्लू, बडगन्नूर, बालनद, उप्पिनंगडी, काडाबा, सुलिया, सुब्रह्मण्य, विट्टल और मनीला से रिपोर्ट की गई। बारिश के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं भी चलीं। सुलिया तालुक में दोपहर में तेज बारिश और हवाएं चलीं। तालुक कार्यालय के पीछे एक बबूल के पेड़ पर बिजली गिरी, जिससे पेड़ फट गया और स्टाफ के सदस्य डर गए। बताया गया कि एक कर्मचारी को इसकी तीव्रता के कारण बेचैनी महसूस हुई लेकिन बाद में वह ठीक हो गया। मौके पर थोड़ी देर के लिए आग की लपटें भी देखी गईं। तेज बारिश के कारण जलसूर के पास मणि-मैसूरु हाईवे पर पानी भर गया, जहां बंद नालियों से बहने वाले पानी ने सड़क के एक हिस्से को नाले जैसा बना दिया, जिससे ट्रैफिक बाधित हो गया। सुलिया के कई हिस्सों, जिनमें संपजे, अरंथोडु, जलसूर, मंडेकोलु, बेल्लारे, निंटिकल्लू, पंजा, गुथिगर और कोल्लामोगरू शामिल हैं, में भी लगातार बारिश हुई। उडुपी जिले में, दिन भर बारिश के कोई संकेत नहीं थे, लेकिन शाम को अचानक बारिश शुरू हो गई, जो लगभग एक घंटे तक जारी रही। उडुपी शहर, मणिपाल, मालपे, काटपाडी, कापू, करकला, हेबरी, ब्रह्मवर, कुंडपुरा और सिद्धापुरा में हल्की से भारी बारिश हुई। करकला और आसपास के गांवों में दोपहर में तेज बारिश हुई, जिससे शहर और ग्रामीण इलाकों में कुछ समय के लिए बिजली कटौती हुई।

पुलिस हिरासत में कथित यातना के बाद दलित युवक की मौत

चार पुलिसकर्मी निलंबित, सीआईडी को सौंपी गई जांच

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु से एक चिंताजनक मामला सामने आया है, जिसमें पुलिस हिरासत के बाद एक दलित युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मामले में गैर-जिम्मेदारी और अत्याचार के आरोप लगने के बाद चार पुलिसकर्मियों को निलंबित कर दिया गया है। जांच अब सीआईडी को सौंप दी गई है। मृतक युवक की पहचान बंगलूरू के विवेकनगर निवासी 22 वर्षीय दर्शन पी. जी. के रूप में हुई है। उसकी मौत 26 नवंबर को शहर के बाहर स्थित एक निजी पुनर्वास केंद्र में हुई। परिवार का आरोप है कि मौत से पहले पुलिस ने उसकी पिटाई की और उचित चिकित्सा नहीं दी। मृत युवक की मां के अनुसार, 12 नवंबर को दर्शन को नशे में हंगामा करने और पड़ोसियों से झगड़ा करने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा था। जेल भेजने के बजाय, मां के कहने पर उसे 16 नवंबर को पुनर्वास केंद्र भेजा गया। परिवार का आरोप है कि इस प्रक्रिया के दौरान पुलिस ने 7500 भी लिए। मां का कहना है कि उसे अपने बेटे से न मिलने दिया गया और हर बार यह कहकर आश्वस्त किया जाता रहा कि वह ठीक है। लेकिन 26 नवंबर को अचानक बताया गया कि उसकी सांस लेने में समस्या हुई और उसकी मौत हो गई। मां ने दावा किया कि दर्शन के शरीर पर चोटों के स्पष्ट निशान थे, जिसके कारण उन्होंने पुलिस हिरासत में पिटाई की आशंका जताई। इस शिकायत के आधार पर मदनायकनहल्ली थाने में हत्या, अवैध हिरासत और एससी, एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। आरोपी चार पुलिसकर्मियों और पुनर्वास केंद्र के मालिक पर मामला चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा है कि यह जांच पूरी गंभीरता के साथ की जाएगी और दोषियों को जल्द न्याय के कटघरे में लाया जाएगा।

स्कूल जा रहीं शिक्षिका की गोली मारकर हत्या

अररिया/एजेंसियां। जिले के नरपतगंज थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक सनसनीखेज वारदात सामने आई, जहां मध्य विद्यालय कन्हैली में कार्यरत शिक्षिका शिवानी कुमारी की अज्ञात अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। घटना सुबह करीब 9 बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, शिक्षिका शिवानी वर्मा रोज की तरह फारबिसगंज से स्कूटी पर विद्यालय जा रही थीं। उसी दौरान झुमरिया से पश्चिम 17 नंबर रोड स्थित भोला बाबा मंदिर के पास बाइक पर सवार दो अज्ञात युवकों ने नजदीक से उन पर फायरिंग कर दी। गोली लगते ही वह सड़क पर गिर पड़ीं। स्थानीय लोगों ने तुरंत मानवीय आधार पर उन्हें अररिया सदर अस्पताल पहुंचाया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। ग्रामीणों के मुताबिक, वारदात को अंजाम देने के बाद हमलावर तेज रफ्तार से मौके से फरार हो गए। मृतका शिवानी वर्मा मूल रूप से उत्तर प्रदेश की निवासी थीं और पिछले दो वर्षों से अररिया जिले में शिक्षिका के पद पर तैनात थीं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र में नाकाबंदी कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो की खराबी का असर जारी

पटना/एजेंसियां। मौसम ठंढा होने की वजह से कई फ्लाइट तो प्रभावित हुए ही लेकिन एयरलाइन इंडिगो के क्रू रोस्टर और शेड्यूलिंग सॉफ्टवेयर में अचानक आई भीषण तकनीकी खराबी के कारण भी बुधवार को पूरे देश में लगभग 130 से ज्यादा उड़ानें रद्द कर दी गई थीं। पटना एयरपोर्ट पर भी यात्री काफी परेशान रहे। तकनीकी खराबी का असर पटना के जयप्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर भी साफ तौर पर दिखा, जहां दिल्ली-पटना-दिल्ली सेक्टर की तीन महत्वपूर्ण जोड़ी फ्लाइट्स को रद्द करना पड़ा। बताया जाता है कि करीब एक दर्जन से अधिक उड़ानें अपने निर्धारित समय से एक से तीन घंटे की भारी देरी से संचालित हुईं। शुक्रवार सुबह की कोलकाता और दिल्ली की एक-एक फ्लाइट भी रद्द रहने की आशंका है। तीन जोड़ी फ्लाइट्स रद्द होने के चलते अकेले दिल्ली और पटना में लगभग 1000 यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। कई यात्री शादी विवाह जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों में शामिल होने के लिए सफर कर रहे थे।

यात्रियों ने आक्रोश व्यक्त करते हुए बताया कि उन्होंने 15,000 से 18,000 रुपये तक में टिकट खरीदे थे। हालांकि इसको लेकर इंडिगो का भी बयान सामने आया है। इस संबंध में उनका कहना है कि इस तकनीकी खराबी को एक-दो दिनों में ठीक कर लिया जाएगा। साथ ही, यात्रियों को टिकट का पूरा रिफंड दिया जाएगा या वे चाहें तो अपनी यात्रा तिथि आगे भी बढ़ा सकते हैं। फ्लाइटों में देरी और रद्दीकरण की वजह से पटना एयरपोर्ट के टर्मिनल पर दिन भर भारी भीड़ और अफरातफरी का माहौल बना रहा। हालांकि, एयरलाइन ने कुछ रद्द हुई फ्लाइटों के यात्रियों को अन्य उपलब्ध विमानों से भेजने की व्यवस्था की।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com